रांची, बुधवार
11-11-2026
वर्ष : 01, अंक : 177
पृष्ट : 12
मूल्य 04 रू, मात्र
रांची से प्रकाशित

रफ़्तार मीडिया

RANCHI , चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI NO. - JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com



झारखंड में एसआईआरः 18 नवंबर से सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित होगा 'एक और अवसर कैंप'

रफ्तार मीडिया सवाददाता

रांचीः झारखंड में चल रहे मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण अंतिम चरण में है. इसके तहत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार झारखंड में मतदाता सूची के एसआईआर के तहत एएसडीडी सूची में शामिल ऐसे पात्र मतदाताओं, जिनका नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है, को अंतिम मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का एक और अवसर प्रदान किया जा रहा है. इस उद्देश्य से आगामी 18 नवंबर 2026 को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक 'एक और अवसर कैंप' का आयोजित किया जाएगा.

■ चुनाव पाठशाला की छठी बैठक की जाएगी आयोजित

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने इस संबंध में सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों एवं निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए हैं. कैंप के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, बीएलओ-बीएलए-2 एवं चुनाव पाठशाला की छठी बैठक भी आयोजित की जाएगी.

मतदाताओं के साथ विचार-विमर्श



कैंप में एएसडीडी सूची में शामिल ऐसे पात्र मतदाताओं की पहचान की जाएगी, जो संबंधित मतदान केंद्र के क्षेत्र में सामान्य रूप से निवास कर रहे हैं तथा जिन्होंने अभी तक प्रपत्र-6 नहीं भरा है. ऐसे मतदाताओं के साथ विचार-विमर्श कर उनकी पात्रता का सत्यापन करते हुए उन्हें अंतिम रूप से चिह्नित किया जाएगा.

■ अपात्र शख्सों की मतदान केंद्रों पर प्रकाशित की जाएगी सूची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि संबंधित ईआरओ द्वारा ऐसे मतदाताओं के लिए गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जाएगा. बीएलओ द्वारा आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रपत्र एवं घोषणा पत्र प्राप्त किए जाएंगे. इसके अतिरिक्त, सुनवाई एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अपात्र पाए गए व्यक्तियों की नामवार सूची प्रपत्र-3 में सभी मतदान केंद्रों पर प्रकाशित की जाएगी. बीएलओ द्वारा उपस्थित सदस्यों के समक्ष सूची पढ़कर सुनाई जाएगी, ताकि आम नागरिकों एवं राजनीतिक दलों से सुझाव और आपत्तियां प्राप्त की जा सकें तथा उनके अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जा सके.

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई समीक्षा

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न जिलों में चल रहे एसआईआर की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र क्षेत्र के ऐसे सभी पात्र नागरिक, जिन्होंने अभी तक प्रपत्र-6 नहीं भरा है, उनसे प्रपत्र-6, घोषणा पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करते हुए आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी.

■ चिह्नित मतदाताओं की सूची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि चिह्नित मतदाताओं की सूची निर्धारित प्रारूप में तैयार कर 19 नवंबर 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे तक गूगल शीट के माध्यम से विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें. जिन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में ऐसे मतदाताओं की संख्या शून्य है, वहां शून्य प्रतिवेदन भी उपलब्ध कराया जाएगा.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इस विशेष कैंप का उद्देश्य कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के अवसर से वंचित न रहे तथा झारखंड की मतदाता सूची को अधिक समावेशी, त्रुटिरहित एवं सुदृढ़ बनाया जा सके.

गंगोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

□ एजेंसी गंगाद्री

5 क्विंटल फूलों से सजा मंदिर, सेना के बैंड के साथ रवाना हुई मां गंगा की डोली

उत्तरकाशी के गंगोत्री धाम के कपाट 10 नवंबर को दोपहर 12:05 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस साल 19 अप्रैल को कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे। कपाट बंद होने से पहले मंदिर को 5 क्विंटल फूलों से सजाया गया। इसके बाद सेना के बैंड की धुन के साथ मां गंगा की उत्सव डोली शीतकालीन प्रवास के लिए रवाना हुई। मां गंगा की डोली करीब 25 किमी की यात्रा कर मुखबा पहुंचेगी। गंगोत्री धाम से करीब 8 किमी चलने के बाद डोली पहले पड़ाव भैरव मंदिर पहुंचेगी। यहां से करीब 16 किमी की यात्रा कर डोली मार्कण्डेय मंदिर पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम होगा। 11 नवंबर को डोली यहां से करीब 1 किमी की दूरी तय कर मुखबा मंदिर पहुंचेगी। अगले छह महीने तक मुखबा में ही मां गंगा की पूजा-अर्चना होगी और श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे।

धाम में सुबह तापमान -10एष्ट दर्ज किया गया, जबकि दिन में पारा -2 से -3एष्ट के आसपास रहा। सुबह गंगोत्री धाम में करीब 200 श्रद्धालु मौजूद थे, लेकिन कपाट बंद होने से पहले इनकी संख्या बढ़कर एक हजार से ज्यादा हो गई। मंदिर समिति के अनुसार, इस सीजन में करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने मां गंगा के दर्शन किए।

चारधाम के कपाट बंद होने के कार्यक्रम के अनुसार, यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट 11 नवंबर को क्रमशः सुबह 10:28 और 8:30 बजे बंद होंगे। वहीं, बद्रीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को रात 9:37 बजे बंद किए जाएंगे। शीतकाल में यमुनोत्री के खरसाली, केदारनाथ के ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर और बद्रीनाथ के पांडुकेश्वर व जोशीमठ में पूजा-अर्चना होगी।

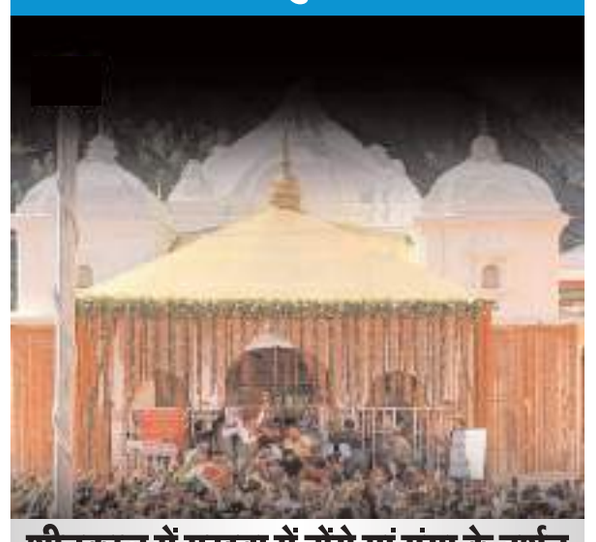

शीतकाल में मुखबा में होंगे मां गंगा के दर्शन

गंगोत्री धाम मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि मां गंगा के कपाट 10 नवंबर को दोपहर 12:05 बजे श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए गए हैं। अब मां गंगा हजारों श्रद्धालुओं के साथ शीतकालीन प्रवास के लिए मुखबा जा रही हैं। उन्होंने यात्रा के सफल संचालन के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रशासन, पुलिस और स्थानीय विधायक का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस सीजन में करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के गंगोत्री पहुंचने में सभी का सहयोग रहा। मान्यता है कि शीतकाल में मुखबा में मां गंगा के दर्शन करने से श्रद्धालुओं को विशेष पुण्य मिलता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से शीतकालीन प्रवास के दौरान मुखबा पहुंचकर मां गंगा के दर्शन करने की अपील की।

सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग की बिक्री शुरू

544 पेज में 7 चैप्टर ; राजीव से प्यार, इटली का पासपोर्ट छोड़ने और पीएम पद ठुकराने की कहानी



□ एजेंसी नई दिल्ली

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' की ब्रिकी शुरू हो गई है। बिना किसी लॉन्च इवेंट के यह सीधे मार्केट में मिलने लगी है। हार्पर कॉलिन्स इंडिया से प्रकाशित इस किताब में 544 पेज हैं और इसे 7 चैप्टर में बांटा गया है। पहले एडिशन के लिए एक लाख कॉपियां छापी गई हैं। किताब के कवर पर सोनिया का फोटो है, जिसे 1966 में राजीव गांधी ने क्लिक किया था। शुरुआती पेज पर लिखा है- मेरे बेटे राहुल, बेटी प्रियंका और पोते-पोतियों रेहान और मिराया के नाम। सोनिया ने किताब को निजी मेमॉयर बताया है और कहा है कि यह राजनीतिक किताब नहीं है। इसमें गांधी परिवार के साथ हुई त्रासदियों और 2004 के राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र है। दिल्ली के खान मार्केट में बुक स्टोर के बाहर सोनिया की किताब का पोस्टर, इसके कवर पर लगा फोटो राजीव गांधी ने 1966 में क्लिक किया था।

दिल्ली के खान मार्केट में बुक स्टोर के बाहर सोनिया की किताब का पोस्टर, इसके कवर पर लगा फोटो राजीव गांधी ने 1966 में क्लिक किया था।

किताब के 7 चैप्टर में राजीव से मुलाकात, प्यार-शादी, भारत आना, राजीव के निधन के बाद कांग्रेस का नेतृत्व करने और पार्टी को बहुमत मिलने के बावजूद प्रधानमंत्री न बनने के फैसले का जिक्र किया गया है। किताब में एक पेज पर ऋग्वेद की ऋचा (श्लोक) ली गई हैं। इसका अर्थ है- 'साथ मिलकर चलो, साथ मिलकर बोलो और तुम्हारे विचार एक हों। तुम्हारा उद्देश्य एक हो और तुम्हारे दिलों में आपसी सामंजस्य हो। तुम्हारे विचार एकजुट हों, ताकि तुम मिलकर एकता और पूर्णता के साथ जीवन बिताओ।' कैम्ब्रिज में मुलाकात- 1960 के दशक के मध्य में सोनिया जारेट स्कूल ऑफ इंग्लिश में पढ़ाई करने के लिए इटली से कैम्ब्रिज पहुँचीं। अनजान भाषा, ठंडे मौसम और बेस्वाद ब्रिटिश भोजन के साथ तालमेल बिठाने में संघर्ष करने के दौरान द वर्सिटी नाम के ग्रीक रेस्टोरेंट में उनकी नजर एक सुंदर युवा पर पड़ी।

बांग्लादेश में बसें फूंकीं, थानों के बाहर बम धमाके

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पिछले कुछ दिनों से हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं। 8 और 9 नवंबर को कई जगह धमाके और आगजनी हुई है। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के वकीलों ने भारत में उनके नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र के लिए आवेदन किया है। हसीना ने कहा है कि वे दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी। उनके लौटने से पहले ही देश में राजनीतिक तनाव बढ़ने लगा है।



एक रात में 15-20 जगह धमाके और आगजनी

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद अख्तर हुसैन के मुताबिक, रविवार 8 नवंबर की शाम से देर रात तक राजधानी के करीब 10 इलाकों में 15 से 20 घटनाएं हुईं। इनमें देसी बम फेंकने और गाड़ियों में आग लगाने की घटनाएं शामिल हैं। ढाका यूनिवर्सिटी में ही देसी बम धमाके की 6 घटनाएं हुईं। धमाके नीलखेत चौराहे, यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट, सीनेट बिल्डिंग के सामने, इंस्टीट्यूट ऑफ मॉडर्न लैंग्वेजेज के पास, टीएससी के नजदीक मेट्रो स्टेशन के पास और सुफिया कमाल हॉल के बाहर हुए। पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस आंकड़ों के मुताबिक, 1 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच देशभर में देसी बम धमाके की 31 और गाड़ियों में आग लगाने की 14 घटनाएं दर्ज की गईं।

दक्षिणी महासागर के भारतीय इलाके में ऑक्सीजन लेवल बढ़ा

□ एजेंसी नई दिल्ली

दुनिया के महासागरों में ग्लोबल वार्मिंग से ऑक्सीजन घट रही है, लेकिन दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्रों में नया बदलाव मिला है, जो कि अच्छा संकेत है। गोवा के राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के अध्ययन के मुताबिक, 1993 से 2025 के बीच यहां पानी में घुली ऑक्सीजन बढ़ी है। सबसे ज्यादा बदलाव 300 से 2,000 मीटर की गहराई पर मिला। अंटार्कटिक क्षेत्र में ऑक्सीजन सालाना प्रति किलोग्राम पानी में 2.37 माइक्रोमोल और ध्रुवीय क्षेत्र में 1.41 माइक्रोमोल बढ़ी। 2,000 से 5,000 मीटर गहराई पर भी बढ़ोतरी के संकेत मिले।



सीएम चंद्रबाबू बोले- 500-2000 के नोट बंद हों

सिर्फ 100-200 के नोट चलें, डिजिटल पेमेंट से भ्रष्टाचार रुकेगा ; देश में 3 बार नोटबंदी हो चुकी

□ एजेंसी नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 500 और 2,000 रुपए के नोट बंद कर देने चाहिए। सिर्फ 100 और 200 रुपए के नोट ही चलन में रहने चाहिए। बड़े नोटों का चलन कम करने और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने से भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है।



उन्होंने कहा कि पहले भी डिजिटल करेंसी को लेकर एक रिपोर्ट तैयार कर पीएम नरेंद्र मोदी को सौंपी थी। अब वे फिर इस मुद्दे को उठाएंगे। नायडू ने यह मांग 9 नवंबर को अमरावती में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उठाई थी। यह बयान 8 नवंबर 2016 की नोटबंदी के 10 साल पूरे होने के अगले दिन आया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 19 मई 2023 को 2000 के नोट चलन से वापस लेने का फैसला किया था, लेकिन ये नोट अभी भी कानूनी रूप से वैध हैं। यानी इनसे लेन-देन किया जा सकता है। 8 नवंबर 2016 को 500 और 1,000 के पुराने नोट बंद किए गए थे। आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि नतीजे नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रति जनता के बढ़ते समर्थन को दिखाते हैं।

कोलकाता में सेना के अफसर की बेटी से छेड़छाड़

सुरक्षा में तैनात जवान ने पार्क में खेल रही बच्ची के होंठ काटे; 5 दिन बाद गिरफ्तार

□ एजेंसी कोलकाता

कोलकाता में सेना के एक अधिकारी की बेटी से छेड़छाड़ के आरोप में जवान गिरफ्तार हुआ है। घटना मिलिट्री रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में 5 नवंबर को हुई। हेस्टिंग्स पुलिस स्टेशन ने रविवार रात जवान को गिरफ्तार किया। लड़की की मां के मुताबिक उनकी बेटी कॉम्प्लेक्स के अंदर पार्क में दूसरे बच्चों के साथ खेलने गई थी। जवान वहीं सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात था। मौका पाकर वह बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने लगा। उसने बच्ची के होंठ काट लिए।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और पार्क में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों के बयान के आधार पर उसकी पहचान कर ली है, आरोपी का नाम मोहित पठान है। सोमवार को उसे बैंकशाल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को 16 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।



पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने मिलिट्री रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। पार्क में घटना के समय तैनात सुरक्षा कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। लड़की की मेडिकल जांच एसएसकेएम हॉस्पिटल में कराई गई। घटना के समय उसने जो कपड़े पहने थे, उन्हें फोरेंसिक जांच के लिए जब्त किया गया है। बंगाली अखबार संवाद प्रतिदिन के मुताबिक 11 साल की बच्ची उस दिन अकेली नहीं, अपने भाई के साथ आवासीय परिसर में खेल रही थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि घटना के समय वो ड्यूटी पर कैसे पार्क में पहुंचा। सेना की तरफ से भी विभागीय कार्रवाई हो सकती है।

आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण का तीसरी बार तलाक

□ एजेंसी नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण तथा उनकी पत्नी अन्ना कोनिडेला ने आपसी सहमति से तलाक लिया है। शादी के 13 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, यह फैसला आपसी समझ और सम्मान के साथ लिया गया। दोनों ने कहा कि वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे। पवन कल्याण और अन्ना अपने बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे।



लक्ष्मी पूजा विसर्जन के दौरान हिंसक झड़प पुलिस टीम पर पथराव और हमला, 8 गिरफ्तार

रेहला के रक्साहा गांव में 200 से 300 लोगों की भीड़ हुई उग्र, पुलिसकर्मियों को आई चोटें, सरकारी वाहन भी क्षतिग्रस्त

स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस को करनी पड़ी हवाई फायरिंग

रफ्तार मीडिया संवाददाता



मेदिनीनगर/पलामू। पलामू जिले के रेहला थाना क्षेत्र अंतर्गत रक्साहा गांव में लक्ष्मी पूजा विसर्जन के दौरान दो पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। स्थिति नियंत्रित करने पहुंची पुलिस टीम पर ही उपद्रवियों ने पथराव और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। उग्र भीड़ ने पुलिसकर्मियों को खदेड़ने का भी प्रयास किया। हालात बेकाबू होते देख पुलिस को आत्मरक्षा में हवाई फायरिंग करनी पड़ी। इस हिंसक घटना में कई पुलिस पदाधिकारी और जवान घायल हो गए, जबकि सरकारी वाहन को भी क्षति पहुंची। घटना 9 नवंबर की शाम की है। जानकारी के अनुसार, लक्ष्मी पूजा विसर्जन के दौरान दो पक्षों के बीच मारपीट और झड़प की सूचना मिलने पर रेहला थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में विश्रामपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भी अंगरक्षकों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उस समय गांव में करीब 200 से 300 लोगों की भीड़ जमा थी। पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों को समझाकर स्थिति शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान भीड़ में शामिल कुछ असामाजिक तत्वों ने लोगों को पुलिस के खिलाफ उकसाना शुरू कर दिया। इसके बाद भीड़ उग्र हो गई और पुलिस टीम के साथ गाली-गलौज करते हुए पथराव तथा लाठी-डंडों से हमला किया गया। पुलिसकर्मियों को खदेड़ने की कोशिश भी की गई। स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया, लेकिन भीड़ के और अधिक उग्र होने पर पुलिस को आत्मरक्षार्थ हवाई फायरिंग करनी पड़ी।

आठ आरोपित गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विश्रामपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल गठित किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल होने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। गिरफ्तार लोगों में पिंटू कुमार चौधरी, विकास कुमार चौधरी (पिता बिफन चौधरी), रोहित कुमार चौधरी (पिता चंद्रदेव चौधरी), कंचन कुमार चौधरी (पिता राजेश चौधरी), विकास चौधरी (पिता संतोष चौधरी), धर्मदेव चौधरी (पिता जयराम चौधरी), बिनोद चौधरी (पिता रामकिशुन चौधरी) और बिजय कुमार चौधरी (पिता रामपृत चौधरी) शामिल हैं। सभी रक्साहा गांव के निवासी बताए गए हैं। इस मामले में रेहला थाना कांड संख्या 122/2026, दिनांक 9 नवंबर 2026 को दर्ज किया गया है। पलामू पुलिस ने आम लोगों से अफवाहों से बचने, शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी विवाद की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि विधि-व्यवस्था बिगाड़ने, पुलिस बल पर हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

समाचार सार

नावाडीह गोलीकांड का आरोपी हथियार और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार



बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : नावाडीह थाना क्षेत्र में युवक कुलदीप कुमार महतो पर गोली चलाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी कारू महतो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 7 नवंबर 2026 की सुबह नावाडीह निवासी कुलदीप कुमार महतो को आरोपी ने गोली मार दी थी। घटना के बाद पीड़ित के लिखित आवेदन पर नावाडीह थाना में कांड संख्या 81/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले के उद्भेदन के लिए बेरमो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। अनुसंधान के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी कारू महतो आहारडीह-लंगड़ाटांड़ जंगल में हथियार के साथ घूम रहा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने कुलदीप पर गोली चलाने की बात स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पैसे की कमी का हवाला देते हुए कुलदीप से उधार मांगा था। पैसे देने से इनकार करने पर उसने गोली चला दी।

डीसी के समक्ष शुरू हुई अनिश्चितकालीन धरना , मुख्य गेट जाम



बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता): होमगार्ड,चौकीदार वेकेंसी नोटिफिकेशन की मांग को लेकर आज बोकारो के युवाओ ने डीसी कार्यालय के एक नंबर गेट को जाम कर दिया। साथ ही डीसी पर वादाखिलाफी करने का आरोप लगाते हुए आज से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दी। रोहित यादव ने कहा कि जब हम लोगों ने रिक्तियाँ भरने के लिए वैकेंसी निकालने की मांग की थी, उस वक्त डीसी ने 45 दिनों तक का समय मांगा लेकिन वह अवधि समाप्त हुई तो पुनः डीसी से मिला गया। उन्होंने पुनः समय लेते हुए दुगार्पूजा के बाद दीपावली में नोटिफिकेशन निकालने का आश्वासन दिया। जिसपर प्रशासन खरा नहीं उतरा। वहीं सुनीता कुमारी ने कहा तीन बार आश्वासन मिला, अब हमलोग डीसी के सामने से हटने वाले नहीं हैं।अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। अब उन्हें मेरा हक देना होगा। नेताओं ने कहा कि वे वैकेंसी निकालने का जिम्मेदार हैं, हम लोग कंप्लीट करेंगे। चूंकि चौकीदार, होमगार्ड समेत कई पदों में रिक्तियां हैं जो स्थानीय तौर पर संभव है।

बोकारो सिटी में रहस्यमय मौत से सनसनी - सेक्टर 3 सी के झोपडी में मिला व्यक्ति का शव, पुलिस जांच में जुटी



बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता): बोकारो सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर 3 सी के खोपड़ी में एक व्यक्ति की रहस्यमय मौत हो गई है। शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला बोकारो सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर 3 सी के झोपडी का है। यहां एक व्यक्ति की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने जब शव देखा तो तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पाकर सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अभी तक मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है कि यह हत्या है, आत्महत्या है या फिर कोई हादसा। वहीं पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन ने बताया कि सूचना मिली थी कि सेक्टर 3 सी में एक शव देखा गया है पुलिस मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में ले जांच शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच के बाद ही मौत के कारणों का पता चलेगा। वही पुलिस मृतक की पहचान रंजीत कुमार के रूप में की है और आसपास के लोगों से पूछताछ करने में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही रहस्य से पर्दा उठेगा।

न्यू स्टार क्लब नव युवक संघ के भक्ति जागरण में उमड़े श्रद्धालु, भजनों से गूंजा पूरा परिसर



तरहसी (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। न्यू स्टार क्लब नव युवक संघ की ओर से तरहसी एवं सेलारी बी मोड़ स्थित एयरटेल टावर के समीप भव्य भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पश्चिमी जिला परिषद पति श्री कृष्ण मुरारी सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष कुणाल पांडेय, कोषाध्यक्ष अखिलेश कुमार, उपसचिव संदीप यादव सहित क्लब के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्ति जागरण के दौरान एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिसमें श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में सराबोर रहे। मां की आराधना के साथ श्रद्धालुओं ने क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक आस्था को बढ़ावा देने के साथ-साथ क्षेत्र में सामाजिक सद्भाव और आपसी एकता को मजबूत करना है। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ जुटी रही। भक्ति गीतों और जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

नौडीहा बाजार में सिंचाई मोटर चोरी का भंडाफोड़ ग्रामीणों की सजगता से दो किशोर पुलिस के हवाले

रफ्तार मीडिया संवाददाता



नौडीहा बाजार/पलामू : नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के खैरादोहर पंचायत अंतर्गत शिल्दा खुर्द गांव में सिंचाई के लिए कुएं पर लगे मोटरों की चोरी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सजगता से इस चोरी का भंडाफोड़ हुआ है और चोरी किए गए दोनों मोटर बरामद कर लिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लगभग छह दिन पूर्व अज्ञात चोरों ने रात्रि के समय किसानों के कुएं पर लगे दो मोटर चोरी कर लिए थे। इस घटना को सिटी न्यूज चैनल में प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। बीती रात लगभग 12 बजे अछूयाटॉड-खैरादोहर मुख्य सड़क पर बाइक से मोटर ले जाते हुए दो संदिग्ध व्यक्तियों को लकड़ाही के युवाओं ने देखा। युवाओं ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो एक व्यक्ति बाइक से कूदकर अंधेरे का लाभ उठाते हुए फरार हो गया। मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने इसकी सूचना नौडीहा बाजार पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सरईडीह पिकेट प्रभारी अजय गुप्ता और नौडीहा बाजार के एएसआई राजेश बैठा लकड़ाही बाजार पहुंचे और दो किशोरों को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने उनके पास से चोरी किए गए दोनों मोटर भी बरामद किए हैं। पूछताछ में मोटर चोरी में कुल पांच किशोरों के शामिल होने की बात सामने आ रही है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। संभावना जताई जा रही है कि यह गिरोह आसपास के क्षेत्रों में हुई अन्य चोरियों में भी संलिप्त हो सकता है, जिससे और सामान बरामद हो सकता है। इस संबंध में नौडीहा थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि अभी तक थाना में चोरी को लेकर लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए किशोरों से पूछताछ कर रही है।

आजसू ने संगठन विस्तार और सम्मेलन की तैयारी तेज की

रफ्तार मीडिया संवाददाता



नामकुम : आजसू पार्टी के नामकुम प्रखंड पूर्वी एवं पश्चिमी जोन की संयुक्त बैठक में संगठन विस्तार और आगामी 22 नवंबर को होने वाले प्रखंड सम्मेलन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संगठन को पंचायत, ग्राम और बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा युवाओं, महिलाओं और नए कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।आगामी 22 नवंबर 2026, रविवार को सुबह 10 बजे से वाईबीएन यूनिवर्सिटी, राजाउलातु, नामकुम में प्रखंड सम्मेलन आयोजित होगा। इसे सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। प्रखंड संगठन प्रभारी पारसनाथ उरांव ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए नए एवं ऊजावान कार्यकताओं को उचित जिम्मेदारी देना जरूरी है। पंचायत और ग्राम स्तर पर सक्रिय कार्यकताओं की भागीदारी से ही पार्टी का आधार मजबूत होगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से सम्मेलन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील की। बैठक में केंद्रीय सचिव जितेंद्र सिंह, फुलकुमारी, केंद्रीय सदस्य उमेश कुमार महतो, जिला अध्यक्ष वीणा कुमारी, बीरबल बैठा, माथूर प्रसाद, प्रदीप जायसवाल, मुकेश नायक, रतन लाल सिंह होंडा, विवेक गोप, नागेश्वर गझू, राजेंद्र कांत महतो, रामदास महतो, अमृत लाल महतो, बिनोद मुंडा, राजू उरांव, उज्ज्वल जायसवाल, बिनोद महतो, मनोज मुंडा, संजय कुमार महतो, जॉन तिग्गा, सरस्वती देवी, प्रीति सिंह, सरिता देवी, सुनीता टोप्पो, वीणा देवी, सावित्री देवी, लीणा रानी, सुनीता देवी, बसंती देवी एवं मगदली विंहा सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे। बैठक के अंत में सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और 22 नवंबर के प्रखंड सम्मेलन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

पोचरा की बेटियों ने रचा इतिहास, झारखंड वॉलीबॉल चैंपियनशिप पर जमाया कब्जा

पूर्वी सिंहभूम को हराकर रामगढ़ की टीम बनी चैंपियन, डीसी ऋतुराज ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

रफ्तार मीडिया संवाददाता



रामगढ़ : खेल के क्षेत्र में रामगढ़ जिले की बेटियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए जिले का नाम रोशन किया है। दुमका के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित तीन दिवसीय बादशाह सिंह मेमोरियल नौवीं मिनी झारखंड राज्य वॉलीबॉल चैंपियनशिप-2026 के अंडर-14 बालिका वर्ग में रामगढ़ जिले के पोचरा गांव की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में रामगढ़ की टीम ने पूर्वी सिंहभूम की मजबूत टीम को पराजित कर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की। झारखंड के सात जिलों की टीमों के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में पोचरा की बालिकाओं ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और आपसी तालमेल का परिचय दिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद मंगलवार को उपायुक्त ऋतुराज ने अपने कार्यालय कक्ष में सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके बीच विभिन्न खेल सामग्रियों का वितरण किया। उपायुक्त ने जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार को निर्देश दिया कि जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों को खेल मैदान एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक पहल करें, ताकि उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर अवसर मिल सके। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव सहयोग देने को प्रतिबद्ध है। प्रतियोगिता में व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर रामगढ़ की रोशनी कुमारी को शानदार आक्रामक खेल के लिए 'बेस्ट अटैकर' तथा निशी कुमारी को बेहतरीन डिफेंस एवं पासिंग के लिए 'बेस्ट लिफ्टर' के खिताब से सम्मानित किया गया। टीम की इस शानदार सफलता में परी कुमारी, निधि कुमारी, भावना कुमारी, माही कुमारी, रोशनी, स्नेह कुमारी और निशा कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोचरा गांव की बेटियों की इस उपलब्धि से पूरे रामगढ़ जिले में खुशी की लहर है। ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों की इस सफलता पर हर्ष जताते हुए इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मिली इस जीत से जिले की अन्य बालिकाओं को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा के दम पर नई पहचान बनाने की प्रेरणा मिलेगी।

सड़क हादसे मे एक गंभीर



गांडेय (रफ्तार मीडिया संवाददाता): गांडेय थाना क्षेत्र के करीबांक पंचायत के मंडरो और महेशपुर तिलोबोनी गांव जाने वाले मुख्य मार्ग मे मंगलवार की शाम को सडक दुर्घटना मे एक युवक घायल हो गया। घायल युवक गिरिडीह निवासी 37 वर्षीय कुलदीप मिश्रा है। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल कुलदीप को गांडेय सीएचसी लाया गया। सीएचसी मे प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल गिरिडीह रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार कुलदीप मिश्रा गांडेय के वनरक्षी सदीप मिश्रा के भाई है। कुलदीप मिश्रा अपने भाई के किसी कार्य को लेकर मंडरो के तरफ गए हुए थे। रास्ते मे घने जंगल के कारण उनकी बाईक अनियंत्रित हो गई जिससे कुलदीप मिश्रा गिर गए।

ओबीसी समाज को आबादी के हिसाब से मिले अधिकार : मनोज महतो वाजपेयी

जामताड़ा पहुंचे भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज महतो वाजपेयी, नेता एवं कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

रफ्तार मीडिया संवाददाता



जामताड़ा : भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज महतो वाजपेयी के धनबाद से जामताड़ा जिला पार्टी कार्यालय जाने के क्रम में गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य मार्ग पर बासपहाड़ी स्थित रामलखन लाइन होटल में भाजपा नेता मितेश साह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं एवं ओबीसी समाज के लोगों ने फूल-मालाओं के साथ उनका अभिनंदन किया। वही प्रेस को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मनोज महतो वाजपेयी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रांची प्रवास के बाद पार्टी के सातों मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों का सभी जिलों में संगठनात्मक प्रवास कार्यक्रम चल रहा है। इसी क्रम में वे धनबाद महानगर और धनबाद ग्रामीण के बाद जामताड़ा जिले की बैठक में शामिल होने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहार के समय भी प्रवास के दौरान भाजपा कार्यकताओं से जो स्नेह और सम्मान मिल रहा है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज को उसकी आबादी के अनुपात में अधिकार मिलना चाहिए। आगामी चुनाव में ओबीसी समाज का शत-प्रतिशत वोट पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में पड़े, इसके लिए संगठन जमीनी स्तर पर काम करेगा। वहीं भाजपा नेता विनोद मंडल ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2019 में सरकार बनने के बाद से ही पूरे प्रदेश में भय, भूख और भ्रष्टाचार का माहौल बना हुआ है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। भाजपा नेता मितेश साह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का यह प्रवास पार्टी के निदेर्शानुसार आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि मनोज महतो वाजपेयी जामताड़ा के बुधुडीह स्थित पार्टी बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद देवघर जाकर बाबा बैद्यनाथ के दर्शन करेंगे और जिला कार्यालय की बैठक में हिस्सा लेंगे। फिर गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़ और दुमका होते हुए गिरिडीह जिले के लिए रवाना होंगे। मौके पर उत्तम साह, दीनानाथ मंडल, विनोद साह, विक्रम मंडल, विवेक मंडल, नंदू साह, सुधीर साह, रोहित मंडल, संजू मंडल, प्रदीप कुमार, रोहित साह, मिथिलेश मंडल सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता एवं ओबीसी समाज के लोग उपस्थित थे।

जनता के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ते रहेंगे मऊगा नेता नहीं है जो चुप रहेंगे : साहू ओंकार नाथ जायसवाल

संगालिम बाजार में लक्ष्मी पूजा के अवसर पर लोगों को किया संबोधित

रफ्तार मीडिया संवाददाता

मेदिनीनगर : संगालिम बाजार में लक्ष्मी पूजा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पांकी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी साहू ओंकार नाथ जायसवाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वे किसी की पहचान के मोहताज नहीं हैं। वे जनता के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ते हैं और आगे भी लड़ते रहेंगे। जनता के अधिकारों का हनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो ईंट से ईंट बजा देंगे। श्री जायसवाल ने कहा कि पांकी विधानसभा में वर्तमान हालात और परिस्थितियां बेहद चिंताजनक हैं। थाना और प्रखंड कार्यालयों में आम जनता को



परेशान किया जा रहा है। लोग ब्लॉक और थाना का चक्कर लगाकर थक चुके हैं, लेकिन उनकी समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि वे समय-समय पर अधिकारियों से फोन पर बात कर आम जनता की समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास करते रहे हैं। उन्होंने अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि दोहरी जमाबंदी और म्यूटेशन के नाम पर लाखों रुपये के लेन-देन की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं, थाना आम जनता की समस्याओं के समाधान का केंद्र बनने के बजाय दलालों के माध्यम से लोगों को बेवजह परेशान करने और अवैध वसूली का अड्डा बनता जा रहा है। श्री जायसवाल ने कहा कि वे हमेशा जनता की लड़ाई लड़ते आए हैं और पांकी विधानसभा में जनता के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आगे भी संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की परेशानी या समस्या होने पर एक बार फोन कर उन्हें अवश्य अवगत कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे चुप रहने या डरने वाले नेताओं में से नहीं हैं। इस अवसर पर खछडट के दीपू कुमार दांगी, नूतन कुमार वर्मा, गौतम गुप्ता, अखिलेश सिंह, अशोक साह, नीरज कुमार, अंकित शुक्ला, पवन कुमार यादव एवं रमेश कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे। श्री जायसवाल ने लक्ष्मी पूजा एवं काली पूजा के अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में भी भाग लिया और लोगों को संबोधित किया। इस दौरान पूजा समिति के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

जामताड़ा में छठ पूजा की तैयारी शुरू, नगर अध्यक्ष आशा गुप्ता बोलीं व्रतियों को नहीं होगी परेशानी

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : जामताड़ा में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर नगर पंचायत क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। इस वर्ष दीपावली से पहले ही नगर पंचायत क्षेत्र के सभी छठ घाटों पर साफ-सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। छठ घाटों की व्यवस्था एवं तैयारियों को लेकर भाजपा नेता सह समाजसेवी तरुण कुमार गुप्ता और नगर पंचायत अध्यक्ष आशा गुप्ता ने सोमवार को अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान तरुण कुमार गुप्ता ने नगर पंचायत अध्यक्ष एवं सभी वार्ड पार्षदों को समय से तैयारी शुरू कराने के लिए धन्यवाद दिया। तरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि इस वर्ष नगर



पंचायत की ओर से छठ पूजा को लेकर सराहनीय पहल की गई है। दीपावली से पहले ही सभी छठ घाटों की साफ-सफाई शुरू करा दी गई है और कार्य तेजी से चल रहा है। छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इस बार विशेष व्यवस्था की जा रही है। सभी घाटों पर चेंजिंग रूम, आकर्षक लाइटिंग, साउंड सिस्टम एवं प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेंगी। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष आशा गुप्ता ने कहा कि छठ महापर्व को लेकर नगर पंचायत पूरी गंभीरता से तैयारी कर रही है। सभी वार्डों के छठ घाटों की साफ-सफाई और आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि छठ व्रतियों को अर्घ्य देने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए संबंधित वार्ड पार्षदों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि छठ पूजा से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाओं को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। तरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि छठ पर्व आस्था, पवित्रता और लोक संस्कृति का महापर्व है। बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश में यह पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। उन्होंने नगर पंचायत के सभी जनप्रतिनिधियों से आपसी समन्वय के साथ तैयारियों को बेहतर बनाने की अपील की।

टुंडी के चर्चित भुरसाबांध तालाब का बीडीओ व सीओ ने किया निरीक्षण छठ से पहले सफाई और अधूरे कार्यों को पूरा कराने का दिया निर्देश

जीर्णोद्धार के बाद भी संवेदक ने नहीं कराया घाट का निर्माण, चारों तरफ फैली है मिट्टी और डस्ट

- टुंडी बीडीओ विशाल कुमार पांडेय और सीओ सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने समिति सदस्यों के साथ किया स्थलीय जायजा
- सीओ ने दिया आश्वासन— छठ महापर्व से पहले संवेदक से करवा दी जाएगी पूरी साफ-सफाई

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर धनबाद जिले के टुंडी में प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में टुंडी के चर्चित भुरसाबाँध तालाब का टुंडी बीडीओ विशाल कुमार पांडेय और अंचल अधिकारी (सीओ) सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने स्थानीय पूजा समिति के सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने घाट की मौजूदा



स्थिति का जायजा लिया और कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जीर्णोद्धार के बाद भी अधूरे पड़े हैं घाट निर्माण के कार्य

विदित हो कि हाल के दिनों में ही भुरसाबाँध तालाब का जीर्णोद्धार कराया गया है, लेकिन अभी तक संवेदक द्वारा घाट का निर्माण कार्य पूरी तरह पूरा नहीं किया गया है। स्थिति यह है कि तालाब परिसर के आसपास डस्ट और मिट्टी जहां-तहां फैली हुई है, जिससे आगामी छठ महापर्व पर व्रतियों और श्रद्धालुओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। समिति के सदस्यों ने इस समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया।

प्रशासन ने दिया जल्द साफ-सफाई का आश्वासन

निरीक्षण के दौरान टुंडी सीओ सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने समिति के सदस्यों को आश्वस्त किया कि छठ महापर्व से ठीक पहले संवेदक से कहकर परिसर की पूरी तरह साफ-सफाई करवा दी जाएगी और फैली हुई मिट्टी व डस्ट को हटवा दिया जाएगा, ताकि व्रतियों को अर्घ्य देने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इस अवसर पर टुंडी बीडीओ विशाल कुमार पांडेय, सीओ सुरेश प्रसाद वर्णवाल के अलावा कुंदन सिंह, मनोज कुशवाहा, सहजाद अंसारी समेत कई ग्रामीण और पूजा समिति के सदस्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

छठ से पहले घाटों की सफाई में जुटा नगर निगम : मेयर और नगर आयुक्त ने किया तालाबों का निरीक्षण, पंपू तालाब का जलस्तर बढ़ाने का निर्देश

महापर्व को लेकर धनबाद नगर निगम प्रशासन ने तेज की तैयारियां पंपू तालाब में घटते जलस्तर पर जताई चिंता, पर्याप्त पानी की व्यवस्था के निर्देश

- शहर के सभी प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम का दावा

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : लोक आस्था के महापर्व 'छठ' में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। इसे देखते हुए धनबाद नगर निगम प्रशासन ने अपनी तैयारियां पूरी तरह से तेज कर दी हैं। शहर के प्रमुख तालाबों और छठ घाटों की साफ-सफाई से लेकर व्रतियों की सुविधा के लिए अन्य जरूरी इंतजामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को मेयर संजीव सिंह और नगर आयुक्त आशीष गंगवार ने निगम की पूरी टीम के साथ शहर के विभिन्न छठ घाटों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने घाटों पर साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया और जहां भी कमियां पाई



गईं, उन्हें जल्द से जल्द दूर करने का कड़ा निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में जब टीम पंपू तालाब पहुंची, तो वहां जलस्तर कम देखकर चिंता जताई गई। मेयर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि छठ पूजा से पहले पंपू तालाब में पर्याप्त पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि व्रतियों को भगवान सूर्य को अर्घ्य देने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान मेयर संजीव सिंह ने कहा कि महापर्व छठ को लेकर नगर निगम की टीमें लगातार और युद्धस्तर पर सफाई अभियान में जुटी हुई हैं। घाटों के आसपास जमा कचरे, खरपतवार और गंदगी को हटाने के साथ-साथ अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त किया जा रहा है।

जिन-जिन घाटों पर स्थानीय स्तर पर समस्याएं सामने आ रही हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। नगर निगम प्रशासन का यह भी दावा है कि केवल मुख्य तालाब ही नहीं, बल्कि शहर के विभिन्न वार्डों से गुजरने वाले छठ घाटों के रास्तों, स्ट्रीट लाइटों और चेंजिंग रूम जैसी बुनियादी सुविधाओं को भी समय रहते दुरुस्त कर लिया जाएगा। प्रशासनिक अमला यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व के दौरान शहर में स्वच्छता और सुरक्षा का पूरा माहौल बना रहे। धनबाद मेयर संजीव सिंह ने कहा कि छठ महापर्व हमारी लोक संस्कृति का अहम हिस्सा है। व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए नगर निगम की पूरी टीम मैदान में है।

पंपू तालाब सहित सभी प्रमुख घाटों पर पानी, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को समय से पहले दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। वही नगर आयुक्त धनबाद आशीष गंगवार ने कहा की निगम का स्पष्ट लक्ष्य है कि सभी छठ घाट पूरी तरह स्वच्छ और सुरक्षित मिलें। अधिकारियों को कार्यों में किसी भी तरह की कोताही न बरतने की हिदायत दी गई है।

पूर्वी टुंडी जंगल में पेड़ से लटकी मिली महिला की लाश की हुई शिनाख्त, दुगार्पूजा से थी लापता

प्रेम प्रसंग व हत्या-आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

- मृतका रानी मरांडी के रूप में हुई पहचान, 5 साल के बेटे की मां थी मृतका
- पिछले 5 वर्षों से रह रही थी मायके में, परिजनों ने जताया प्रेम प्रसंग का शक
- पुलिस ने शव का एसएनएमएमसीएच में कराया पोस्टमार्टम, रिपोर्ट का इंतजार

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र के बड़बाद गांव स्थित बीरबाँध टोला के जंगल में पलाश के पेड़ से फंदे पर झूलते मिले महिला के शव की आखिरकार शिनाख्त कर ली गई है। मृतका की पहचान 25 वर्षीय रानी मरांडी के रूप में हुई है, जो गोरगा पंडरा बेजड़ा निवासी पदो मरांडी की पुत्री थीं। इस सनसनीखेज घटना के सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।

दुगार्पूजा के समय से थी रहस्यमय तरीके से लापता

मिली जानकारी के अनुसार, मृतका रानी मरांडी की शादी करीब 6 साल पहले निरसा थाना क्षेत्र के मुगमा (मारमा) निवासी एक युवक के साथ हुई थी, और उनका 5 साल का एक बेटा भी है। बताया जा रहा है कि वह पिछले करीब 5 वर्षों से अपने मायके में ही रह रही थीं और दुगार्पूजा के समय से ही रहस्यमय परिस्थितियों में लापता थीं। मृतका के पिता पेशे से चरवाहा का काम करते हैं। जब मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से जंगल में शव मिलने की खबर फैली, तो ग्रामीणों ने इसकी सूचना मृतका के परिजनों को दी।

सूचना मिलते ही पिता और अन्य ग्रामीण पूर्वी टुंडी थाना पहुंचे, जहां उन्होंने शव की शिनाख्त रानी मरांडी के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर



पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) भेज दिया है। पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

प्रेम प्रसंग की चर्चा, हत्या या आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

इस मामले में मृतका के पिता और परिजनों ने पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र के ही एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग का मामला होने की आशंका जताई है। परिजनों के इन बयानों के आधार पर पुलिस इस पूरे मामले को प्रेम प्रसंग से जोड़कर देख रही है। पुलिस हत्या और आत्महत्या— दोनों ही पहलुओं को केंद्र में रखकर गहराई से छानबीन कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिक दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह का खुलासा हो सकेगा और इस गुत्थी से पूरी तरह पर्दा उठ पाएगा।

पुलिस हर संभावित एंगल से साक्ष्य जुटाने में जुटी है। नाजिर अख़्तर, डीएसपी मुख्यालय 2, धनबाद ने बताया शव की शिनाख्त रानी मरांडी के रूप में हो चुकी है। परिजनों द्वारा प्रेम प्रसंग को लेकर कुछ बातें सामने आई हैं। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अनुसंधान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

समाचार सार

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग घायल

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के रांची-डालटनगंज मुख्य मार्ग (एनएच-39) पर मंगलवार की शाम करीब पांच बजे टोल प्लाजा के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हेसमी गांव निवासी 70 वर्षीय शिबू सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से उन्हें इलाज के लिए मांडर रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। जहा प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें छुट्टी दे दी गई। वहीं, पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

दो मोटरसाइकिलों की टक्कर के बाद ब्रीजा कार से भिड़ी बाइक, तीन युवक घायल



ईचागढ़ (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : चांडिल अनुमंडल के तिरुलडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत डाटम गांव स्थित बिरसा मुंडा चौक के समीप मंगलवार को सड़क दुर्घटना में तीन युवक घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पहले दूसरी मोटरसाइकिल से टकराई और फिर सामने से आ रही ब्रीजा कार से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ब्रीजा कार का बायां हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।घायलों की पहचान डाटम निवासी आनंद सिंह मुंडा एवं चिरंजीत महतो तथा पश्चिम बंगाल के डांगडुंग (सुईसा) निवासी शत्रुघ्न महतो के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को विधायक सविता महतो की ओर से तिरुलडीह थाना परिसर में उपलब्ध कराई गई एंबुलेंस से तिरुलडीह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद आनंद सिंह मुंडा और चिरंजीत महतो को बेहतर इलाज के लिए शिवा नर्सिंग होम भेजा गया, जबकि शत्रुघ्न महतो को चौड़ा गांव के एक निजी वाहन से सिंगपुर अस्पताल, मुरी ले जाया गया। मिली जानकारी के अनुसार, डाटम निवासी आनंद सिंह मुंडा और चिरंजीत महतो एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर तिरुलडीह की ओर से कुकडू जा रहे थे। बताया जाता है कि इसी दौरान वे सड़क पर लहरिया कट स्टाइल में मोटरसाइकिल चला रहे थे। इस क्रम में उनकी मोटरसाइकिल कुकडू की ओर से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से टकरा गई। इसके बाद अनियंत्रित होकर सामने से आ रही ब्रीजा कार (खल्ह 22 ल्ह-4499) से जा भिड़ी। दूसरी मोटरसाइकिल पर शत्रुघ्न महतो सवार थे। दुर्घटना में तीनों युवक घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर तिरुलडीह थाना की पीसीआर टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ब्रीजा कार और एक मोटरसाइकिल को जब्त कर थाना परिसर में रखा है। वहीं, डाटम निवासी युवकों की मोटरसाइकिल को किसी व्यक्ति द्वारा घटनास्थल से हटाकर सड़क किनारे कर दिया गया है। पुलिस दूसरी मोटरसाइकिल की तलाश करने के साथ दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी है। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर डाटम निवासी भाजपा कार्यकर्ता अरुण महतो घटनास्थल और तिरुलडीह पीएचसी पहुंचे। उन्होंने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। साथ ही विधायक सविता महतो की ओर से उपलब्ध कराई गई एंबुलेंस में तिरुलडीह पेट्रोल पंप पर ईंधन भरवाने की व्यवस्था भी की, ताकि घायलों को बेहतर इलाज के लिए समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके।

जामताड़ा भाजपा कार्यालय में ओबीसी मोर्चा की हुई बैठक, प्रदेश अध्यक्ष ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठाए सवाल



जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : जामताड़ा भाजपा जिला अध्यक्ष सुमित शरण की अध्यक्षता में बुधुडीह स्थित भाजपा जिला कार्यालय में सोमवार को ओबीसी मोर्चा की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष मनोज वाजपेयी महतो शामिल हुए। बैठक में संगठन की मजबूती, पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा पिछड़ा वर्ग के बीच संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से संगठन के प्रति समर्पित भाव से काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना कार्यकताओं की जिम्मेदारी है। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मनोज वाजपेयी महतो ने जामताड़ा की स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा उठाया। उन्होंने जामताड़ा जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज वाजपेयी महतो ने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर निशाना साधा है। उन्होंने जिले की सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की आवश्यकता बताते हुए स्वास्थ्य मंत्री से अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।जिले की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य मंत्री की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लोगों की चिंताएं बनी हुई हैं। अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सक, जरूरी दवाइयां, जांच की सुविधा और मरीजों को समुचित उपचार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही का सबसे अधिक असर गरीब और जरूरतमंद परिवारों पर पड़ता है। स्वास्थ्य मंत्री को राजनीतिक बयानबाजी के बजाय जामताड़ा की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार पर ध्यान देना चाहिए।

13 लाख के इनामी नक्सली संजय यादव की गिरफ्तारी से मचा हड़कंप, निशानदेही पर इंसास राइफल बरामद

मेदिनीनगर (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। बिहार और झारखंड के नक्सल प्रभावित इलाकों में लंबे समय से सक्रिय माओवादी संगठन के जोनल कमेटी सदस्य संजय यादव उर्फ संजय गोदराम की गिरफ्तारी के बाद नक्सली नेटवर्क को लेकर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। 13 लाख रुपये के इनामी संजय यादव को महाराष्ट्र के ठाणे से गिरफ्तार किए जाने के बाद पलामू पुलिस को सौंपा गया। उसकी निशानदेही पर पलामू के जंगलों से इंसास राइफल और बड़ी संख्या में कारतूस बरामद किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, संजय यादव बिहार और झारखंड में नक्सली गतिविधियों से जुड़े 53 मामलों में वांछित था। इनमें पलामू जिले के 23, बिहार के औरंगाबाद के 20 तथा गया जिले के 10 मामले शामिल हैं। उसके खिलाफ हत्या, पुलिस पर हमला, लेवी वसूली, विस्फोट, आगजनी और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर आरोपों से संबंधित मामले दर्ज हैं। संजय यादव पर झारखंड सरकार की ओर से 10 लाख रुपये तथा बिहार सरकार की ओर से तीन लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस प्रकार उस पर कुल 13 लाख रुपये का इनाम था। वह पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के देवगन गांव का रहने वाला बताया जाता है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस की कार्रवाई का दायरा अब हथियारों की बरामदगी और नक्सली नेटवर्क की पहचान तक पहुंच गया है। पुलिस उसकी निशानदेही पर बरामद हथियारों के स्रोत, संभावित ठिकानों और संगठन से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। संजय यादव की गिरफ्तारी को बिहार और झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के लिहाज से महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। अब जांच एजेंसियों की नजर इस बात पर है कि पूछताछ के दौरान संगठन के अन्य सदस्यों, हथियारों के भंडारण और कथित लेवी नेटवर्क को लेकर कितनी जानकारी सामने आती है। 53 मामलों में वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती उसके पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ना और क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है।

निशा भगत को न्याय दिलाने के लिए भाजपा का मशाल जुलूस

■)- दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो होगा उग्र आंदोलन : विनय महतो धीरज

रफ्तार मीडिया संवाददाता ..



नामकुम : आदिवासी नेत्री निशा भगत की संदिग्ध मौत के मामले में दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी और उन्हें न्याय दिलाने की मांग को लेकर मंगलवार को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा, रांची पूर्वी जिला के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला गया। एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष बुधराम बेदिया के नेतृत्व में निकला जुलूस नामकुम बाजार से सदाबहार चौक तक पहुंचा। इसमें सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग शामिल हुए। हाथों में मशाल लेकर कार्यकर्ताओं ने निशा भगत को न्याय दो, दोषियों को गिरफ्तार करो और दोषियों को फांसी दो के नारे लगाए। जुलूस के समापन पर निशा भगत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।इस अवसर पर भाजपा रांची पूर्वी जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में आदिवासी समाज की सुरक्षा और सम्मान के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन आदिवासी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि निशा भगत के मामले में दोषियों को राजनीतिक संरक्षण दिया जा रहा है, जिसके कारण अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं होने पर भाजपा चरणबद्ध तरीके से और उग्र आंदोलन करेगी। निशा भगत को न्याय मिलने तक पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निर्देशानुसार उन्होंने आगामी आंदोलन की घोषणा करते हुए बताया कि 11 नवंबर को सभी मंडलों में महिला मोर्चा के नेतृत्व में कैंडल मार्च, 17 नवंबर को मशाल जुलूस तथा 18 नवंबर को दक्षिणी छोटानागपुर बंद का आह्वान किया गया है।मशाल जुलूस में चतरा विधायक जनार्दन पासवान, प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर, एसटी मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रितेश उरांव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आरती सिंह, जिला प्रभारी अशोक शर्मा, जिला महामंत्री मनोज चौधरी, जिला उपाध्यक्ष माधुरी देवी, प्रमोद सिंह, रोहित साहू, अलखनाथ महतो, मंडल अध्यक्ष समीर राय, गोपाल चौधरी, राहुल देव उरांव, प्रज्ञा भारती, रेखा महतो, विक्रांत तिवारी, अजय भोगता, जयंती शर्मा, विकास सिंह, स्थल सोनी, आरती खलखो, माधुरी करकेट्टा, सरिता करकेट्टा, मोनिका करकेट्टा, छुनु देवी, निशा उरांव, सीता देवी, पूनम लकड़ा, शंकरी डे, झुनू उरांव, अनिरुद्ध पांडेय, इस्मिता सिंह, शशिकला कुजूर, मदिया खलखो, तेतरी कुजूर, सोमिया कच्छप, पुष्पा टोप्पो, रोशनी देवी और नागी कुजूर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

बुदुडीह गांव के पास 20 वर्षीय युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

बिद्युत महतो / रफ्तार मीडिया संवाददाता, ईचागढ़



सरायकेला-खरसावां जिले के तिरुलडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा लापांग टोला के बुदुडीह गांव के समीप मंगलवार को 20 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान छोटा लापांग निवासी पंकज गोप उर्फ जलन गोप के रूप में हुई है। शव मिलने की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। मिली जानकारी के अनुसार, पंकज गोप सोमवार की शाम करीब सात से आठ बजे के बीच अपने घर से निकला था। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद परिजनों ने आसपास के गांवों और संभावित ठिकानों पर उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार को बुदुडीह गांव के समीप उसका शव पड़ा मिला। शव देखते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना तिरुलडीह पुलिस को दी। सूचना मिलते ही तिरुलडीह पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं, घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा कार्यकर्ता अरुण महतो भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल जन सेवा ही लक्ष्य संस्था की एंबुलेंस बुलवाकर शव को अस्पताल भेजने में सहयोग किया। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। हालांकि, युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका वास्तविक खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर विभिन्न पहलुओं पर छानबीन कर रही है। युवक की मौत के कारणों और घटना में किसी की संलिप्तता की जांच की जा रही है। इस घटना के बाद छोटा लापांग सहित आसपास के गांवों में भय और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने घटना की निष्पक्ष जांच कर मौत के कारणों का जल्द खुलासा करने की मांग की है।

डोम्बा नदी छठ घाट पर सीढ़ी निर्माण और साफ-सफाई का कार्य तेज, व्रतियों को मिलेगी सुविधा

■ छठ महापर्व को लेकर ग्राम पंचायत ओरमांझी की पहल, घाट को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित बनाने में जुटे जनप्रतिनिधि एवं समिति के सदस्य

एहसान राजा संवाददाता



ओरमांझीः लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर ओरमांझी स्थित डोम्बा नदी छठ घाट पर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत ओरमांझी की ओर से घाट पर सीढ़ी निर्माण कार्य कराया जा रहा है। वहीं, छठ पूजा समिति के सदस्यों द्वारा पूरे घाट परिसर में साफ-सफाई अभियान चलाया जा रहा है, ताकि छठ व्रतियों को भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सीढ़ी निर्माण होने से विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं एवं अन्य श्रद्धालुओं को नदी तक पहुंचने में सहूलियत होगी। पंचायत का उद्देश्य छठ महापर्व के अवसर पर घाट को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित बनाना है। निर्माण एवं सफाई कार्य को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समिति के सदस्यों में उत्साह देखा जा रहा है।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत ओरमांझी के मुखिया दीपक बड़ाईक, उपमुखिया संतोष गुप्ता, ग्राम प्रधान दीनदयाल लोहार मुंडा, छठ पूजा समिति के अध्यक्ष संतोष गुप्ता, राजेश गुप्ता, कुलदीप तिवारी एवं आनंद नायक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मौके पर मुखिया दीपक बड़ाईक ने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प है। छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करना पंचायत की प्राथमिकता है। पंचायत क्षेत्र के विकास और जनहित के कार्यों के लिए ग्राम पंचायत निरंतर प्रयासरत है।

युवाओं को नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रखने का सशक्त माध्यम है खेल — मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की





■ इस आयोजन में फाइनल में टाईब्रेकर में लोयो पंचायत की टीम ने खिताब पर कब्जा जमाया रनअप रहा नगड़ा पंचायत की टीम

रफ्तार मीडिया संवाददाता

मांडर। युवा कांग्रेस मांडर प्रखंड कमिटी द्वारा मंगलवार को आयोजित राजीव गांधी सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री सह मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बंधु तिर्की विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने खिलाड़ियों एवं उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि युवाओं को नशापान, सामाजिक बुराइयों और गलत प्रवृत्तियों से दूर रखते हुए खेल, अनुशासन, सकारात्मक सोच और बेहतर भविष्य की दिशा से जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि उन्हें विशेष प्रसन्नता है कि राजीव गांधी सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन मांडर विधानसभा क्षेत्र के पांचों प्रखंडों में किया जा रहा है, जिससे गांव-गांव में छिपी खेल प्रतिभाओं को आगे आने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने युवा कांग्रेस मांडर प्रखंड कमिटी एवं आयोजन से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को इस शानदार एवं प्रेरणादायी आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि मांडर विधानसभा क्षेत्र के पांचों प्रखंडों की विजेता टीमें अब आगामी 18 नवंबर को बुढ़ाखुखरा मैदान, मांडर में आयोजित होने वाले भव्य सुपर फाइनल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने कहा कि यह सुपर फाइनल खेल के एक भव्य महाकुंभ के रूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रीय स्तर के नेता एवं अनेक गणमान्य अतिथि भी शामिल होंगे। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर विधानसभा क्षेत्र के सभी खेल प्रेमियों एवं सम्मानित क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे आगामी 18 नवंबर को बुढ़ाखुखरा मैदान, मांडर पहुंचकर युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और इस खेल महाकुंभ को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि मांडर विधानसभा क्षेत्र में जिस प्रकार खेल के बुनियादी ढांचे और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, वह अनुकरणीय है। माननीय मंत्री एवं स्थानीय विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के नेतृत्व में खेल के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी बेहतर वातावरण तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य को लेकर शिल्पी नेहा तिर्की की सोच दूरदर्शी और सकारात्मक है तथा यह फुटबॉल टूर्नामेंट भी युवाओं को सकारात्मक दिशा देने की इसी सोच का परिणाम है। बंधु तिर्की ने युवाओं से विशेष रूप से अपील करते हुए कहा कि वे नशापान, तेज एवं लापरवाह ड्राइविंग तथा अन्य हानिकारक गतिविधियों से दूर रहें। साथ ही सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचते हुए उसका सकारात्मक एवं रचनात्मक उपयोग करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने माता-पिता एवं अभिभावकों की बातों का सम्मान करना चाहिए और जीवन में आने वाले भटकावों से बचते हुए अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने युवाओं से खेल और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा समाज और राजनीति में भी सकारात्मक भूमिका निभाएं तथा जनहित एवं समाज के विकास के लिए कार्य करें।

बंधु तिर्की ने कहा, "हमारा संदेश स्पष्ट है—युवा अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करें, खेल और शिक्षा को प्राथमिकता दें, समाज के लिए बेहतर कार्य करें और हर प्रकार के नशे एवं नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रहें। एक स्वस्थ, जागरूक और अनुशासित युवा शक्ति ही एक मजबूत समाज और बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकती है।" राजीव गांधी सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट के माध्यम से मांडर विधानसभा क्षेत्र में युवाओं के बीच खेल भावना, आपसी भाईचारा, सद्भाव एवं सकारात्मक सोच को मजबूत करने का एक सराहनीय अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर आजाद अंसारी, अमित खलखो, मांगा उरांव, सेराफिना मिंज, शमीम अख्तर,जमील मलिक, आबिद अंसारी, विनोद खलखो, सुका उरांव, होसे उरांव, बंधु टोप्पो , हसन अंसारी, नवीन खलखो, एहसान अंसारी सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

पूर्वी टुंडी के ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया पारंपरिक 'बरद खूंटा' त्योहार

धान कटनी से पहले बैलों और गायों की हुई गोवर्धन पूजा

■ रामपुर डोरवाडीह गांव में सोलह आना दिगार की ओर से हुआ आयोजन, उमड़ी भीड़
■ फसल उपजाने में सहयोग करने वाले मवेशियों को रिझाने और पूजने की है पुरानी परंपरा
■ त्योहार के अवसर पर लगे मेले का ग्रामीणों ने उठाया भरपूर आनंद

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबादः



धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी प्रखंड क्षेत्र के रामपुर डोरवाडीह गांव में परंपरा और संस्कृति का अनूठा रंग देखने को मिला, जहां ग्रामीण किसानों ने पारंपरिक 'बरद खूंटा' (सोहराय) का त्योहार पूरी धूमधाम के साथ मनाया। धान की कटनी शुरू होने से पहले मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया।

■ पूर्वजों के समय से चली आ रही परंपरा

मान्यता और परंपरा के अनुसार, किसान उन बैलों और मवेशियों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिनके अथक परिश्रम और सहयोग से खेतों में धान की फसल लहलहाती है। पर्व के दौरान बैलों को खूंटे से बांधकर सोहराय के पारंपरिक गीतों के साथ किसान अपनी खुशी का इजहार करते हैं। गाँव के सोलह आना दिगार की ओर से इस सामूहिक आयोजन को हर साल की तरह इस बार भी भव्य रूप दिया गया।

मेले का भी हुआ आयोजन

इस पारंपरिक पर्व के मौके पर गांव में एक विशेष मेले का भी आयोजन किया गया, जहां आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने मेले का जमकर आनंद उठाया।

ग्रामीणों ने बताया कि उनके पूर्वज पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस 'बरद खूंटा' त्योहार को मनाते आ रहे हैं और वे आज भी अपनी संस्कृति की उसी प्राचीन परंपरा को पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं। इस दिन विशेष रूप से बैलों को नहलाकर उनकी पूजा की जाती है और उन्हें रिझाने के लिए पारंपरिक रीति-रिवाज निभाए जाते हैं।

निवारण रजक, किसान सह सेवानिवृत शिक्षक ने बताया कि "हमारे पूर्वजों के समय से यह 'बरद खूंटा' त्योहार मनाया जाता आ रहा है। जिन बैलों के बल पर हम खेती करते हैं और अन्न उपजाते हैं, उनके प्रति सम्मान प्रकट करने का यह सबसे बड़ा पर्व है। हम अपनी इस पुरानी परंपरा को जीवित रखे हुए हैं।"

■ जयदेव रजक, किसान ने बताया कि

"धान कटनी से ठीक पहले मवेशियों की गोवर्धन पूजा करने का विशेष महत्व है। हम सब मिलकर इस परंपरा को निभाते हैं और सोहराय गीतों के साथ अपनी खुशी बांटते हैं।"

मकुंद रजक, नायकी बाबा सह किसान ने बताया कि"यह पर्व हमारी संस्कृति की पहचान है। बैलों और गायों की पूजा-अर्चना विधि-विधान से की जाती है ताकि हमारे खेतों में बरकत बनी रहे।"

मण्डई चित्रगुप्त मंदिर में चित्रांश परिवार सामुहिक किया पूजन-अर्चन

■ बच्चों ने विभिन्न खेल स्पर्द्धा में प्रतियोगिता के माध्यम से दिखाई अपनी हुनर

रफ्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग | मण्डई वार्ड एक स्थित चित्रगुप्त मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में भगवान श्री चित्रगुप्त पूजन-अर्चन कार्य सामुहिक एकत्रित होकर सम्पन्न किया।पूजन कार्य सम्पन्न होने उपरांत सबों ने पूजन प्रसाद ग्रहण किया।आज पूजन कार्य दोपहर 01:30 बजे उपरांत प्रारंभ होकर सम्पन्न कराई गई ।बताया गया यह पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि (यम द्वितीया) को मनाया जाता है।इस वर्ष द्वितीया तिथि 10 नवम्बर को दोपहर 02 बजे से 11 नवम्बर दोपहर 03:53 बजे तक है और शुभ मुहूर्त 11 नवम्बर को दोपहर 01:01 बजे से 03:10 तथा कुछेक पंचांग में यह दोपहर 01:10बजे से 03:20 तक है। चित्रगुप्त मंदिर परिसर पूजन में बच्चों से लेकर बड़ों तक एकत्रित होकर सामुहिक पूजन सम्पन्न किया। विलम्ब से बच्चों का खेल-कूद, गीत-संगीत,चित्रांकन प्रतियोगिता सम्पन्न कराई जा रही है। रात्री सामुहिक भोजन सम्पन्न कराई जायेगी। सामुहिक पूजन कार्य में चित्रांश परिवार के गणमान्य लोग यथा रमेश प्रसाद,(सेवा निवृत्त सीजेएम), अनन्त प्रसाद उर्फ छटन,शिवशंकर प्रसाद, अक्षय कुमार बक्सी,अभय कुमार, अजीत कुमार सिन्हा,मिथलेश कुमार सिन्हा,हेमंत कुमार उर्फ हेमू,मुकेश कुमार उर्फ टुनटुन,सुनिल कुमार सिन्हा,अमर कुमार सिन्हा उर्फ मन्टु,राजीव कुमार सिन्हा उर्फराजू ,ज्ञानेश्वर प्रसाद उर्फ बच्चा,राजू कुमार सिन्हा,शुशील कुमार सिन्हा,अविरल लाल,अजय कुमार उर्फ बिक्कू सहित सैकड़ो चित्रांश भाई एवं मुख्य यजमान में ब्रज किशोर प्रसाद ,संजीव कुमार सिंहा उर्फ टुकरू,शुभांकर कुमार तथा पुजारी राजेश शर्मा उर्फ संजय द्वारा पूजन कार्य सम्पन्न कराई गई।

शिकारीपाड़ा के जामकांदर में नम आंखों से मां काली को दी गई विदाई

कंधे पर उठाकर निकाली गई भव्य विसर्जन शोभायात्रा।

शिकारीपाड़ा/दुमका/ रफ्तार मीडिया। ललित कुमार पाल।



शिकारीपाड़ा प्रखंड के जामकांदर गांव में मां काली की प्रतिमा विसर्जन के साथ ही दो दिवसीय पूजा उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हो गया। गांव निवासी अनिल पाल और तपन पाल के निवास स्थान पर स्थापित मां काली की प्रतिमा का विसर्जन मंगलवार को नम आंखों से किया गया। उत्सव की शुरुआत रविवार की रात्रि पुरोहित द्वारा पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजा-अर्चना कर की गई थी। इसके बाद सोमवार को गांव में पारंपरिक रूप से बकरे की बलि दी गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। मंगलवार को गांव में मेले का आयोजन किया गया, जहां दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। विसर्जन प्रक्रिया की सबसे खास बात यह रही कि प्रतिमा उठाने से पहले महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से मां काली को 'छुआन' (चुमावन) कर सुख-समृद्धि की कामना की और मां को भावुक विदाई दी। इसके बाद बिना किसी गाड़ी या ट्रॉली का उपयोग किए, गांव के युवाओं और श्रद्धालुओं ने मां की प्रतिमा को अपने कंधों पर लादकर विसर्जन शोभायात्रा निकाली। जयकारों और भक्तिमय माहौल के बीच मां काली की प्रतिमा का जलाशयों में विसर्जन किया गया। यहां बताते चलें कि इस गांव करीब 200 वर्षों से भी अधिक समय से काली पूजा धूमधाम से होती चली आ रही है पीढ़ी दर पीढ़ी सभी पूजा कर रहे है। इस दौरान पूरा गांव मां काली की भक्ति में डूबा रहता हैं। बताया जा है कि जो भी मां काली के समक्ष सच्चे मन ने मन्नत मांगते है उनकी मनोकामना जरूर पूरी होती हैं।

फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

एसडीएम ने छापेमारी कर सीएससी केंद्र किया सील, आईडी रद्द करने की अनुशंसा

- **होमगार्ड बहाली प्रक्रिया के दौरान खुला फर्जीवाड़े का राज, कलियासोल अंचल कार्यालय की जांच में उजागर हुआ मामला**
- **पाथरकुआं पंचायत स्थित प्रज्ञा केंद्र संचालक अभिजीत दास पर कार्रवाई, आवेदन के नाम पर वसूले थे 500 रुपये**
- **एसडीएम लोकेश बारंगे ने दी चेतावनी—दोधारी या फर्जी दस्तावेज बनाने वाले किसी भी संचालक को नहीं बख्शा जाएगा**

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबादः



प्रशासनिक सतर्कता और जन-शिकायतों के त्वरित निष्पादन के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे द्वारा फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने वाले पाथरकुआं पंचायत के एक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी/प्रज्ञा केंद्र) के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। होमगार्ड बहाली प्रक्रिया के दौरान प्रस्तुत आवासीय प्रमाण पत्र के फर्जी पाए जाने की शिकायत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

होमगार्ड चयन और सत्यापन के दौरान हुआ खुलासा

विदित हो कि आवेदक कृष्णपद सोरेन (पिताः देबु सोरेन, निवासीः ग्राम बड़बाड़ी, थाना निरसा, जिला धनबाद) का चयन होमगार्ड बहाली के लिए हुआ था। चयन के उपरांत उनके द्वारा संलग्न आवासीय प्रमाण पत्र का सत्यापन अंचल कार्यालय, कलियासोल द्वारा कराया गया।

अंचल कार्यालय द्वारा 'ऑनलाइन झारसेवा' पोर्टल के माध्यम से जब इसकी जांच की गई, तो पाया गया कि वह प्रमाण पत्र कार्यालय स्तर से कभी स्वीकृत या निर्गत हुआ ही नहीं था। विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार, आवेदन त्रुटिपूर्ण होने के कारण लंबित या वापस कर दिया गया था, परंतु आवेदक को कूटरचित (फर्जी) डिजिटल हस्ताक्षरयुक्त प्रमाण पत्र थमा दिया गया था।

आवेदक ने बताई आपबीती

पीड़ित अभ्यर्थी ने अपनी लिखित शिकायत में बताया कि वर्ष 2023 में उसने गांव के ही सीएससी संचालक अभिजीत दास के पास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया था। इसके एवज में संचालक ने उससे 500 रुपये लिए थे और बाद में उसे फर्जी प्रिंट निकालकर दे दिया, जिससे उसका भविष्य खतरे में पड़ गया।

एसडीएम और प्रशासनिक टीम ने की छापेमारी

शिकायत और प्रारंभिक पुष्टि के आधार पर अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे, अंचल अधिकारी कलियासोल अशोक कुमार सिन्हा तथा डीपीओ यूआईडी अमित कुमार द्वारा संबंधित पंचायत भवन में संचालित सीएससी केंद्र में तत्काल छापेमारी की गई और केंद्र को सील कर दिया गया। साथ ही, संचालक अभिजीत दास की सीएससी आईडी को रद्द करने की अनुशंसा और कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

आम जनता और अभ्यर्थियों को गुमराह कर कूटरचित सरकारी दस्तावेज तैयार करने के आरोप में संचालक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एसडीएम लोकेश बारंगे ने स्पष्ट किया है कि आम नागरिकों और प्रतियोगी छात्रों के साथ धोखाधड़ी करने वाले किसी भी सीएससी या प्रज्ञा केंद्र संचालक को बख्शा नहीं जाएगा। सभी केंद्र संचालक सरकारी नियमों और निर्धारित शुल्क के अनुरूप ही अपनी सेवाएं प्रदान करें; नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर लाइसेंस रद्द करने के साथ-साथ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्रीराम पथ से चार नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू, सीडब्ल्यूसी की निगरानी में रखे गए सभी बच्चे

- **थाना प्रभारी बोले- मामले की जांच कर रही है बाल कल्याण समिति, जांच के बाद सामने आएगी पूरी सच्चाई**

रफ्तार मीडिया संवाददाता



मेदिनीनगर (पलामू)। शहर के श्रीराम पथ इलाके से चार नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद बच्चों की सुरक्षा और उनके संरक्षण को लेकर मामला चर्चा में है। रेस्क्यू किए गए चारों बच्चों को फिलहाल बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के संरक्षण में रखा गया है। मामले को लेकर संबंधित थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की ओर से की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेस्क्यू किए गए बच्चे फिलहाल सीडब्ल्यूसी के पास ही हैं। समिति मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि चारों बच्चों को किन परिस्थितियों में रेस्क्यू किया गया था और उन्हें वहां से सुरक्षित निकालने के पीछे क्या वजह रही। बच्चों की पारिवारिक स्थिति, उनके संरक्षण तथा मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी भी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है।

फिलहाल इस पूरे मामले में सीडब्ल्यूसी की जांच अहम मानी जा रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बच्चों को किन परिस्थितियों में रखा गया था और उनके रेस्क्यू की आवश्यकता क्यों पड़ी। फिलहाल चारों बच्चे सीडब्ल्यूसी की निगरानी में हैं।

छठ महापर्व एवं तीन दिवसीय मेले की तैयारी को लेकर बैठक

- **सुरक्षा व यातायात व्यवस्था पर हुई चर्चा**

रफ्तार मीडिया संवाददाता



राजधनवारः लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा एवं राजधनवार के ऐतिहासिक राजघाट पर लगने वाले तीन दिवसीय प्रदेश प्रसिद्ध छठ मेले की तैयारी को लेकर मंगलवार को धनवार नगर पंचायत कार्यालय सभागार में खोरीमहुआ एसडीओ समीर रेनियर खलखो की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से छठ घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा, मेले के बेहतर प्रबंधन, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक में उपस्थित लोगों ने मेले में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, मेडिकल टीम की व्यवस्था, जगह-जगह बैरिकेडिंग तथा यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने, बिजली तारों के नीचे सुरक्षा जाली लगाने सहित कई आवश्यक सुझाव दिए। इस पर एसडीओ ने संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजघाट की अलौकिक सजावट और तीन दिवसीय मेले को देखने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

उन्होंने जगह-जगह वाच टावर एवं सीसीटीवी कैमरे लगाने, स्वयंसेवकों की तैनाती करने सहित कई दिशा निर्देश दिए। कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी और पुलिस बल उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने संबंधित विभागों को सभी आवश्यक नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहा कि मेले में शराब पीकर आने वाले और शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त करवाई की बात कही। एसडीओ ने छठ पूजा एवं मेले को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी लोगों से प्रशासन को सहयोग करने की अपील की। बैठक में धनवार नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी हर्षवर्धन, थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार, नगर पंचायत अध्यक्ष विनय संथालिया, छठ पूजा महासमिति अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता, पंकज वर्णवाल, अनमोल कुमार, अरविंद साव, विजय कसेरा, सुबोध राय, विकेन्द्र साहा, नंदन कुमार, दीपक सोनी, उदय सिंह सहित कई मौजूद थे।

तपोवन मंदिर में गोवर्धन पूजा का आयोजन अन्नकूट के भोग का हुआ वितरण

- **महंत ओम प्रकाश शरण और पुजारी ने कढ़ी चावल प्रसाद का निर्माण खुद किया**

सौरभ रॉय/ रफ्तार मीडिया



रांचीः गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर राजधानी रांची के निवारणपुर स्थित प्राचीन तपोवन श्रीराम जानकी मंदिर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विधि विधान के साथ विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महंत ओम प्रकाश शरण ने बताया की भगवान को अन्नकूट का 56 प्रकार का भोग अर्पित किया गया। पूजा के बाद मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में रामभक्तों ने शामिल होकर श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

- **दोपहर 2:30 बजे से रात्रि 9 बजे तक श्रद्धालुओं के बीच**

प्रसाद का वितरण किया गया

मंदिर के महंत ओम प्रकाश शरण ने बताया कि तपोवन मंदिर में गोवर्धन पूजा का आयोजन परंपरागत रूप से प्रारंभ से ही किया जाता रहा है। वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा का निर्वहन इस वर्ष भी पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ किया गया। उन्होंने बताया कि भगवान को अन्नकूट का 56 भोग अर्पित करने के बाद दोपहर 2:30 बजे से रात्रि 9 बजे तक श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान हजारों रामभक्तों ने मंदिर पहुंचकर भगवान का आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

- **महंत ओम प्रकाश शरण के साथ पुजारी ने खुद तैयार किया कढ़ी चावल का प्रसाद**

गोवर्धन पूजा मे कढ़ी चावल का भी निर्माण होता है खास बात है कि इस व्यंजन को तैयार खुद महंत ओम प्रकाश शरण और पुजारी ने किया. उन्होंने बताया कि वर्षो से यह परंपरा रही हैं कि श्री राम जानकी तपोवन मंदीर मे जो भी विशेष आयोजन होते है उसमे महंत और पुजारी द्वारा योगदान निभाया खुद प्रसाद का निर्माण किया जाता है.

गोवर्धन पूजा के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए महंत ओम प्रकाश शरण ने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मनुष्य को अहंकार, क्रोध और अभिमान का त्याग करने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों की रक्षा के लिए अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठाया था। इसके माध्यम से उन्होंने देवराज इंद्र के अहंकार को तोड़ते हुए यह संदेश दिया था कि ईश्वर की शरण में रहने वाले भक्तों की रक्षा स्वयं भगवान करते हैं।उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति, गौवंश और पर्यावरण के प्रति सम्मान एवं संरक्षण का भाव रखने की भी प्रेरणा देती है। भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला से यह सीख मिलती है कि मनुष्य को कभी भी अपने पद, शक्ति और सामर्थ्य का अहंकार नहीं करना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को सदैव विनम्रता, श्रद्धा और सद्कर्मों के मार्ग पर चलना चाहिए।

दिन में बंद घरों की रेकी, रात में चोरी, हरियाणा का शातिर चोर रांची में गिरफ्तार

तीन साथी भी पकड़े गए

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र में बंद घरों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है. इस मामले में हरियाणा के कुरुक्षेत्र का रहने वाला शातिर चोर आकाश महतो उर्फ आकाश कुमार समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने इनकी निशानदेही पर दो ज्वेलरी दुकानों से चोरी के गहने बरामद किए हैं. इसके अलावा आरोपी के घर से सोने-चांदी के जेवर, नकदी और मोबाइल फोन जब्त किया गया. बरामद सोने-चांदी के जेवरों की अनुमानित कीमत करीब 3.70 लाख रुपये बताई गई है.

- **हरियाणा में भी वांटेड**

रांची के ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने बताया कि आकाश महतो हरियाणा के कुरुक्षेत्र और आसपास के इलाकों में चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है. वहां चोरी की वारदातों के बाद वह रांची आ गया था और रातू थाना क्षेत्र के आमटांड़ में अपनी पत्नी के साथ किराये के मकान में रहने लगा थ. उसने अपनी पहचान छिपाकर यहां ठिकाना बनाया था, ताकि किसी को उस पर संदेह न हो. गिरोह के सदस्य बंद घरों को निशाना बनाते थे. खास बात यह है कि आकाश दिन के समय ही चोरी की वारदातों को अंजाम देने में माहिर था. रातू थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर एसपी ग्रामीण ने पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) द्वितीय अजय आर्यन के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया था. टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आकाश को हिरासत में लेकर पूछताछ की. उसकी निशानदेही पर रातू काठीटांड़ स्थित अलंकार ज्वेलर्स और जेपी जेवर दुकान से चोरी के गहने बरामद किए गए. पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने चोरी के जेवर इन दुकानों में बेच दिए थे.

- **चार मामलों में संलिप्तता स्वीकार की**

पुलिस ने इस मामले में आकाश महतो के अलावा रातू के विनय कुमार वर्मा, धनबाद के विनायक कुमार सोनी और रातू के ही दीपक उरांव उर्फ लड्डू को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार, इन आरोपियों ने रातू थाना में दर्ज कांड संख्या 373/26 के अलावा चोरी के तीन अन्य मामलों में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है. इनमें रातू थाना कांड संख्या 246/26, 327/26, 315/26 और 378/26 शामिल हैं.

- **दो ज्वेलरी दुकानों से मिले चोरी के गहने**

पुलिस ने जेपी जेवर दुकान से चांदी के दो जोड़ी पायल, एक चांदी की चेन, एक सोने का मंगलसूत्र और पांच सोने की नोजपिन बरामद की हैं. वहीं, अलंकार ज्वेलर्स से तीन जोड़ी चांदी के पायल, कमरधनी, पंजा, ब्रेसलेट, सात चांदी की चेन, 11 बिछिया, दो अंगूठियां, एक जोड़ी कान का टॉप्स, एक सोने की चेन, तीन सोने के कान के रिंग और दो सोने की नोजपिन बरामद की गई हैं. इसके अलावा आकाश के किराये के मकान से सोने जैसे दिखने वाले कान के झुमके, चांदी जैसे पायल, पांच बिछिया, एक कान का झल्ला, 7850 रुपये नकद और रेडमी कंपनी का स्मार्टफोन मिला है. कुल बरामदगी में करीब 600 ग्राम चांदी और 15 से 20 ग्राम सोना शामिल है.

- **हरियाणा में भी दर्ज हैं चोरी के मामले**

पुलिस के अनुसार, आकाश महतो का आपराधिक इतिहास भी रहा है. उसके खिलाफ हरियाणा के कुरुक्षेत्र के कृष्णा गेट, बलदेव नगर, थानेसर सिटी और करनाल सिविल लाइन थानों में चोरी और सेंधमारी से जुड़े कई मामले दर्ज हैं. पुलिस अब गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों और चोरी के सामान की खरीद-बिक्री से जुड़े लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है.

झारखंड में स्कूल से बाहर बच्चों की तलाश में घर-घर पहुंचेंगे शिक्षक, 33.39 लाख बच्चों को मिलेंगे वाटरप्रूफ बैग

रफ्तार मीडिया संवाददाता



रांचीः झारखंड में स्कूली शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा विभाग दो महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रहा है. इसके तहत एक ओर स्कूल से बाहर रह गए बच्चों की पहचान के लिए राज्यव्यापी घर-घर सर्वे शुरू किया गया है, वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा एक से आठवीं तक के 33.39 लाख से अधिक बच्चों को मुफ्त वाटरप्रूफ स्कूल बैग उपलब्ध कराए जाएंगे. इन दोनों योजनाओं का उद्देश्य बच्चों की शिक्षा तक पहुंच आसान बनाने के साथ स्कूलों में नामांकन और नियमित उपस्थिति को बढ़ावा देना है.

- **डहर 2.0 से होगी बच्चों की पहचान**

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से 10 नवंबर 2026 से बाल पंजीकरण सर्वेक्षण शुरू किया गया है. यह अभियान 1 जनवरी 2027 तक चलेगा, जबकि 10 जनवरी तक आंकड़ों का अंतिम सत्यापन और प्रमाणीकरण पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इसके तहत तीन से 18 वर्ष तक के बच्चों की पहचान की जाएगी. सर्वे में ऐसे बच्चों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने कभी स्कूल में नामांकन नहीं कराया है या किसी कारण से बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी है.

इस अभियान के लिए डहर 2.0 डिजिटल पोर्टल और एप का इस्तेमाल किया जा रहा है. शिक्षक घर-घर जाकर बच्चों से संबंधित जानकारी जुटा रहे हैं और उसे ऑनलाइन दर्ज किया जा रहा है. छह से 18 वर्ष तक के बच्चों के पुराने स्कूल रिकॉर्ड, पहचान संबंधी विवरण और पढ़ाई छोड़ने के कारणों की जानकारी भी बाल पंजी में दर्ज की जा रही है. इससे स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें दोबारा शिक्षा व्यवस्था से जोड़ने में मदद मिलेगी.

- **शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों को दी गई जिम्मेदारी**

सर्वे को निर्धारित समय में पूरा करने की जिम्मेदारी शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों को दी गई है. अभियान में पंचायत प्रतिनिधियों और स्कूल प्रबंधन समितियों की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी. सर्वे में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई और वेतन रोकने जैसे प्रावधान भी निर्देशों में शामिल किए गए हैं. यह अभियान राज्य में जीरो ड्रॉपआउट के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

दूसरी ओर, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की स्कूल किट योजना के तहत राज्य के सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से आठवीं तक पढ़ने वाले 33,39,234 बच्चों को मुफ्त वाटरप्रूफ स्कूल बैग देने की तैयारी है. इस योजना के लिए 50.63 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है. बैग की आपूर्ति प्रखंड स्तर से स्कूलों तक किए जाने की व्यवस्था है.

बच्चों की कक्षा के अनुसार बैग का रंग भी अलग-अलग रखा गया है. कक्षा एक और दो के विद्यार्थियों को गुलाबी, कक्षा तीन से पांच तक के बच्चों को आसमानी और कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों को गहरे नीले रंग के बैग दिए जाएंगे. बैग वाटर रेसिस्टेंट कपड़े से तैयार किए गए हैं. इनमें बच्चों की सुविधा के लिए कुशन वाली पट्टियां, पानी की बोतल रखने के लिए अलग पॉकेट और 4×3 इंच की पारदर्शी नेमप्लेट पॉकेट होगी. इसमें विद्यार्थी का नाम, स्कूल, रोल नंबर और अभिभावक का मोबाइल नंबर दर्ज किया जा सकेगा। बैग की क्षमता 25 किलोग्राम वजन सहने की बताई गई है. नवंबर में 50.63 करोड़ रुपये के बजट और टेंडर प्रक्रिया को प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद बैग की आपूर्ति की तैयारियां तेज कर दी गई हैं. विभागीय निर्देश के अनुसार, आगामी शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही बच्चों को बैग उपलब्ध कराने का लक्ष्य है. अप्रैल से मई के बीच सभी स्कूलों में बैग वितरण पूरा किया जाना है, ताकि विद्यार्थियों को नई किताबों के साथ नए बैग भी मिल सकें.

संपादकीय

जमीन धंस रही है, लेकिन हम कब सोच को बदलेंगे?

अभिमत

दुनिया के कई शहरों के नीचे मौजूद भूजल भंडारों से जरूरत से ज्यादा पानी निकाले जाने के कारण जमीन धंस रही है जिससे तटीय शहरों पर समुद्र के बढ़ते जलस्तर का खतरा और बढ़ रहा है। हालांकि, नए शोध के अनुसार भूजल भंडारों को फिर से भरने से जमीन के धंसने की प्रक्रिया को कुछ हद तक रोका जा सकता है। शोध में यह भी सामने आया कि भूजल की तेजी से बहाली और जमीन के ऊपर उठने की प्रक्रिया में भूमिगत भ्रंश रेखाएं (फॉल्ट लाइन) महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भूमि का धीरे-धीरे नीचे धंसना दुनिया के कई बड़े शहरों के लिए चुनौती बन गया है।

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के कुछ हिस्से हर साल 10 सेंटीमीटर से अधिक धंस रहे हैं, जिसके कारण सरकार को शहर को स्थानांतरित करने की योजना बनानी पड़ी है। चीन के तटीय शहर तियानजिन में करीब 1.5 करोड़ लोग रहते हैं। यदि वहां जमीन के धंसने की रफ्तार इसी तरह जारी रही तो 2120 तक शहर की 15 प्रतिशत आबादी पानी की चपेट में आ सकती है। सैन डियागो से लेकर ईरान के प्रमुख शहरों तक कई जगह ऐसी ही स्थिति है, जहां भूजल का दोहन उसके प्राकृतिक रूप से दोबारा भरने की क्षमता से अधिक हो रहा है। न्यूजीलैंड में हाल के अध्ययनों के अनुसार, देश के करीब 80 प्रतिशत शहरी तटवर्ती क्षेत्र धंस रहे हैं और क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन सहित कुछ इलाकों में घटता भूजल इसका एक कारण हो सकता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जमीन के ऊपर उठने वाले ये क्षेत्र ज्ञात टेक्टोनिक फॉल्ट लाइनों के साथ लगभग पूरी तरह मेल खाते हैं। फॉल्ट पृथ्वी की पपड़ी में मौजूद दरारें हैं, जिन्हें आमतौर पर भूकंप से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन शोध के अनुसार, ये भूजल के प्रवाह को भी प्रभावित कर सकती हैं। शोधकताओं ने फॉल्ट की तुलना भूमिगत बांध से की है, जो जलभृत में पानी के एक ओर से दूसरी ओर जाने को रोकता है। ओसाका की उमाची फॉल्ट के एक ओर भूजल स्तर दूसरी ओर की तुलना में तीन गुना तेजी से बढ़ा। अन्य फॉल्ट के आसपास भी यही पैटर्न देखा गया। जहां फॉल्ट भूजल के प्रवाह को रोकता है, वहां पानी तेजी से जमा होता है और जमीन भी तेजी से ऊपर उठती है। जाहिर है कि इन हालात के चलते दुनिया को सतर्क रहने की बहुत जरूरत है । मगर सवाल यह कि हम इस बारे में कब सोचेंगे?



इतिहास

क्या-क्या हुआ

- 1869 – महात्मा गांधी का जन्मः भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास करमचंद गांधी (महात्मा गांधी) का जन्म गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उन्होंने सत्य और अहिंसा के बल पर भारत को ब्रिटिश हुकूमत से स्वतंत्रता दिलाने में मुख्य भूमिका निभाई।
- 1904 – लाल बहादुर शास्त्री का जन्मः भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान देश का कुशल नेतृत्व किया और प्रसिद्ध नारा "जय जवान, जय किसान" दिया।
- 1906 – राजा रवि वर्मा का निधनः भारत के प्रसिद्ध और महान चित्रकार राजा रवि वर्मा का निधन हुआ था। उन्होंने भारतीय पौराणिक पात्रों और देवी-देवताओं को आधुनिक और सजीव रूप में चित्रित कर भारतीय कला को एक नई पहचान दी थी।
- 1951 – भारतीय जनसंघ की स्थापनाः राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ (BJS) की स्थापना की, जो बाद में चलकर भारतीय जनता पार्टी (BJP) के रूप में पुनर्गठित हुई।
- 1952 – सामुदायिक विकास कार्यक्रम की शुरूआतः ग्रामीण भारत के समग्र विकास के लिए देश में पहली बार सामुदायिक विकास कार्यक्रम (Community Development Progra-mme) की आधिकारिक रूप से शुरूआत की गई।
- 1961 – शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का गठनः भारत सरकार द्वारा देश की सबसे बड़ी राष्ट्रीय जहाजरानी कंपनी शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की स्थापना मुंबई में की गई।
- 1975 – के. कामराज का निधनः 'किंगमेकर' के नाम से मशहूर स्वतंत्रता सेनानी, भारत रत्न से सम्मानित राजनेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी कामराज का निधन हुआ। उन्होंने देश की स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए 'मिड-डे मील' योजना की नींव रखी थी।
- 1985 – देशव्यापी 'दहेज निषेध' अभियानः भारत सरकार द्वारा सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने के लिए पूरे देश में सशक्त दहेज निषेध (संशोधन) अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में विशेष कदम उठाए गए।
- 1492 – इंग्लैंड का फ्रांस पर आक्रमणः ब्रिटेन के राजा हेनरी सप्तम ने अपनी सेना के साथ फ्रांस पर आक्रमण किया, जिसने दोनों देशों के मध्य चले आ रहे ऐतिहासिक सैन्य तनाव को और बढ़ा दिया था।

कविता

'दो दीप देश के'

दो दीप जले थे भारत में,
जिनसे जगमग देश हुआ।
गांधी जी ने सत्य सिखाया,
अहिंसा का संदेश दिया।
सादा जीवन, ऊँचे विचार,
बापू की थी यही पुकार।
सच की राह कभी मत छोड़ो,
मिलकर भारत को तुम जोड़ो।
शास्त्री जी थे सरल महान,
भारत माँ के सच्चे लाल।
'जय जवान, जय किसान' से,
गूँजा अपना हिंदुस्तान।
मेहनत, साहस, स्वाभिमान,
इनसे बढ़ता देश महान।
दोनों महापुरुषों को नमन,
भारत माता का अभिनंदन।
सत्य-अहिंसा अपनाएँ हम,
श्रम की महिमा गाएँ हम।
गांधी-शास्त्री के आदर्शों से,
नया भारत बनाएँ हम।



गोपाल कौशल भोजवाल
लेखक

लोक मुद्दा

घुटने में दिमाग और दुनिया के सिर में युद्ध!

'इसका दिमाग घुटने में है',यह कहावत आपने भी सुनी होगी। किसी की मूर्खतापूर्ण हरकत पर लोग बड़े आराम से यह प्रमाणपत्र जारी कर देते हैं कि इसका दिमाग सिर में नहीं, घुटने में है। लेकिन अब लगता है कि यह कहावत केवल मुहावरा नहीं रही। गाजीपुर के महर्षि विश्वामित्र स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के 300 बेड अस्पताल ने इसे बाकायदा ऑनलाइन रिपोर्ट के जरिए प्रमाणित करने की कोशिश कर डाली। फर्क सिर्फ इतना था कि मरीज के घुटने में दिमाग नहीं था, अस्पताल की ऑनलाइन रिपोर्ट में घुटने की जगह दिमाग जरूर पहुंच गया। मगर असली विडम्बना तो तब शुरू होता है जब हम अस्पताल की इस छोटी-सी डिजिटल गलती से दुनिया की बड़ी-बड़ी गलतियों की तरफ देखते हैं। अस्पताल ने घुटने की जगह दिमाग की रिपोर्ट डाल दी। दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्रों ने भी जैसे अपनी प्राथमिकताओं की रिपोर्ट बदल दी है। जनता को चाहिए अस्पताल, पानी, स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन; लेकिन बजट की रिपोर्ट में मिसाइल, लड़ाकू विमान, ड्रोन, परमाणु हथियार और सैन्य तकनीक लगातार मोटी होती जा रही है।



मधु सुभाष बुड़ावन वाला

वैसे हमारे यहां कहावतें बड़ी वैज्ञानिक होती हैं। किसी को मंदबुद्धि कहो तो कहते हैं ,'इसका दिमाग घुटने में है।' महिलाओं के बारे में पुरानी कहावतें तो दिमाग को न जाने कहां-कहां पहुंचा देती हैं। भगवान ने आखिर दिमाग खोपड़ी में ही क्यों रखा, पैर में क्यों नहीं,यह सवाल भी कभी-कभी मन में आता है। अगर दिमाग पैर में होता तो शायद आदमी सोचने के लिए सिर नहीं, जूते उतारता।

'इसका दिमाग घुटने में है',यह कहावत आपने भी सुनी होगी। किसी की मूर्खतापूर्ण हरकत पर लोग बड़े आराम से यह प्रमाणपत्र जारी कर देते हैं कि इसका दिमाग सिर में नहीं, घुटने में है। लेकिन अब लगता है कि यह कहावत केवल मुहावरा नहीं रही। गाजीपुर के महर्षि विश्वामित्र स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के 300 बेड अस्पताल ने इसे बाकायदा ऑनलाइन रिपोर्ट के जरिए प्रमाणित करने की कोशिश कर डाली। फर्क सिर्फ इतना था कि मरीज के घुटने में दिमाग नहीं था, अस्पताल की ऑनलाइन रिपोर्ट में घुटने की जगह दिमाग जरूर पहुंच गया।

मामला मनिहारी द्वितीय के भाजपा मंडल महामंत्री राजू मिश्रा का है। उन्होंने 29 सितंबर को 3500 रुपये शुल्क देकर घुटने की एमआरआइ कराई। फिल्म घुटने की मिली, लेकिन ऑनलाइन पोर्टल पर पर्ची संख्या 5527 के रिकॉर्ड में 'एमआरआइ ब्रेन प्लेन' की रिपोर्ट चढ़ गई। मरीज जब रिपोर्ट लेकर आथोर्पेडिक सर्जन डॉ. के.के. यादव के पास पहुंचा तो डॉक्टर भी शायद एक पल के लिए सोच में पड़ गए होंगे कि आखिर घुटने ने ऐसा क्या कारनामा कर दिया कि उसका दिमाग भी निकल आया! बाद में गलती सामने आई और घुटने की मूल रिपोर्ट जारी की गई। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद मिश्रा ने बताया कि एमआरआइ रिपोर्ट ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त होती है।

इंसान है, गलती हो सकती है। मशीन है, वह भी कभी-कभी गलत जगह फाइल पहुंचा सकती है। लेकिन चिकित्सा व्यवस्था में गलती का अर्थ केवल मजाक नहीं होता। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी डायग्नोस्टिक एरर को मरीज की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय मानता है। गलत, छूटी हुई या देर से हुई पहचान उपचार को प्रभावित कर सकती है। इसलिए घुटने की जगह दिमाग की रिपोर्ट चढ़ जाना हंसने की वजह जरूर है, लेकिन यह सोचने की वजह भी है कि जब अस्पताल की डिजिटल व्यवस्था मरीज के शरीर के हिस्से पहचानने में ही भ्रमित हो जाए तो तकनीक पर आंख बंद करके भरोसा करने से पहले इंसानी निगरानी भी जरूरी है।



वैसे हमारे यहां कहावतें बड़ी वैज्ञानिक होती हैं। किसी को मंदबुद्धि कहो तो कहते हैं ,'इसका दिमाग घुटने में है।' महिलाओं के बारे में पुरानी कहावतें तो दिमाग को न जाने कहां-कहां पहुंचा देती हैं। भगवान ने आखिर दिमाग खोपड़ी में ही क्यों रखा, पैर में क्यों नहीं,यह सवाल भी कभी-कभी मन में आता है। अगर दिमाग पैर में होता तो शायद आदमी सोचने के लिए सिर नहीं, जूते उतारता। हालांकि अस्पतालों ने अब नई संभावना खोल दी है,दिमाग की रिपोर्ट कहीं भी पहुंच सकती है, बस मरीज का सही अंग बचा रहना चाहिए!

मगर असली विडम्बना तो तब शुरू होता है जब हम अस्पताल की इस छोटी-सी डिजिटल गलती से दुनिया की बड़ी-बड़ी गलतियों की तरफ देखते हैं। अस्पताल ने घुटने की जगह दिमाग की रिपोर्ट डाल दी। दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्रों ने भी जैसे अपनी प्राथमिकताओं की रिपोर्ट बदल दी है। जनता को चाहिए अस्पताल, स्कूल, पानी, रोजगार, स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन; लेकिन बजट की रिपोर्ट में मिसाइल, लड़ाकू विमान, ड्रोन, परमाणु हथियार और सैन्य तकनीक लगातार मोटी होती जा रही है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) के अनुसार 2025 में दुनिया का सैन्य खर्च 2.887 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया, जो लगातार 11वां साल था जब सैन्य खर्च बढ़ा। दुनिया के 15 सबसे बड़े सैन्य खर्च करने वाले देशों ने मिलकर 2.304 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए। यानी मानवता की रिपोर्ट में 'विकास' लिखा है, लेकिन खर्च की पर्ची देखकर लगता है कि किसी ने 'युद्ध' का बॉक्स टिक कर दिया है।

और दिमाग की असली चिंता परमाणु हथियारों को देखकर होती है। SIPRI के 2026 आकलन के अनुसार जनवरी 2026 में दुनिया में अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे और नौ परमाणु-सशस्त्र देश अपने हथियारों के आधुनिकीकरण में लगे थे। इतनी बड़ी संख्या में विनाश के साधन मौजूद होने के बावजूद दुनिया शांति के लिए बैठकों, सम्मेलनों और प्रस्तावों का उत्पादन करती रहती है। हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियां शायद इसीलिए ज्यादा सफल हैं क्योंकि उनके उत्पादों की डिलीवरी बैठक खत्म होने से पहले हो जाती है।

कमाल यह है कि मनुष्य ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता बना ली, अंतरिक्ष में पहुंच गया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और ऐसी मशीनें बना लीं जो करोड़ों गणनाएं सेकंडों में कर सकती हैं। लेकिन अभी तक ऐसा कोई उपकरण नहीं बना पाया जो दुनिया के ताकतवर नेताओं के दिमाग में यह रिपोर्ट अपलोड कर सके कि युद्ध में जीतने वाला भी अंततः उसी धरती पर सांस लेता है जिस पर हारने वाला।

अस्पताल में घुटने की रिपोर्ट गलती से दिमाग की बन गई तो गलती पकड़ ली गई और मरीज को सही रिपोर्ट मिल गई। दुनिया की समस्या इससे उलटी है। यहां रिपोर्ट सही है,हथियारों की संख्या सचमुच बढ़ रही है, सैन्य बजट सचमुच बढ़ रहे हैं और परमाणु शस्त्रागार सचमुच आधुनिक हो रहे हैं। बस गलती यह है कि मानवता ने विकास की रिपोर्ट कहीं और और प्राथमिकताओं की रिपोर्ट कहीं और चढ़ा दी है।

इसलिए गाजीपुर की घटना पर हंसते हुए हमें इतना जरूर सोचना चाहिए कि अगर किसी अस्पताल में घुटने में दिमाग दिखाई दे तो डॉक्टर उसे सुधार सकता है, लेकिन अगर पूरी दुनिया के दिमाग में युद्ध बैठ जाए तो उसका एमआरआइ कौन करेगा? और उससे भी बड़ा सवाल,रिपोर्ट गलत निकली तो उसे सुधारने के लिए अस्पताल तो मिल जाएगा, लेकिन तबाही के बाद पूरी मानवता का अस्पताल कहां मिलेगा?

लोक विचार

गांधी इतिहास के पन्नों में दर्ज एक महान व्यक्तित्व नहीं..सत्य और जनसेवा



सौरभ वार्ष्णेय

आज जब राजनीति में सत्ता प्राप्त करना और उसे बनाए रखना ही अनेक बार सबसे बड़ा लक्ष्य दिखाई देता है. जब राजनीतिक दल और नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने, आरोप-प्रत्यारोप लगाने और अपनी श्रेष्ठता साबित करने की होड़ में लगे हैं, तब महात्मा गांधी की याद स्वाभाविक रूप से आती है।

गांधी केवल इतिहास के पन्नों में दर्ज एक महान व्यक्तित्व नहीं हैं, बल्कि उनके विचार आज भी हमारे लोकतंत्र, राजनीति और सामाजिक जीवन के लिए प्रासंगिक प्रश्न खड़े करते हैं। सवाल यह है कि जिस राजनीति की बुनियाद सत्य, अहिंसा, त्याग और जनसेवा पर रखी गई थी, वह आज सत्ता संघर्ष की इतनी तीखी प्रतिस्पर्धा में क्यों बदलती जा रही है?

महात्मा गांधी ने राजनीति को केवल सत्ता हासिल करने का माध्यम नहीं माना। उनके लिए राजनीति का अर्थ था समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना और उसके जीवन में सुधार लाना। उनका प्रसिद्ध विचार था कि किसी भी निर्णय की कसौटी यह होनी चाहिए कि उससे समाज के सबसे कमजोर और अंतिम व्यक्ति को क्या लाभ मिलेगा। आज के राजनीतिक विमर्श में यदि इस कसौटी को फिर से केंद्र में रखा जाए तो अनेक सवालों के उत्तर अपने आप सामने आ सकते हैं।

आज राजनीति में मतभेद होना अस्वाभाविक नहीं है। लोकतंत्र में अलग-अलग विचार, नीतियां और दृष्टिकोण होना उसकी ताकत है। समस्या तब पैदा होती है जब वैचारिक असहमति व्यक्तिगत कटुता में बदल जाती है। विरोधी विचार रखने वाला व्यक्ति प्रतिद्वंद्वी से आगे बढ़कर शत्रु की तरह प्रस्तुत किया जाने लगता है। राजनीतिक बहस में मुद्दों की जगह व्यक्तियों पर टिप्पणियां हावी हो जाती हैं। एक-दूसरे की नीतियों की आलोचना करने के बजाय व्यक्तिगत आरोपों और राजनीतिक भाषा की तीव्रता को ही प्रभावशाली राजनीति का पैमाना मान लिया जाता है।

गांधी का राजनीतिक जीवन हमें इसके ठीक विपरीत रास्ता दिखाता है। वे अपने विरोधियों से असहमत होते थे, उनके विचारों का विरोध करते थे, लेकिन विरोध को नफरत में बदलना उनका उद्देश्य नहीं था। उनके लिए साधन और साध्य दोनों की पवित्रता महत्वपूर्ण थी। वे मानते थे कि गलत उद्देश्य को सही साधनों से हासिल नहीं किया जा सकता और न ही सही लक्ष्य के लिए गलत रास्ता उचित ठहराया जा सकता है।



आज के समय में गांधी की प्रासंगिकता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि समाज में राजनीतिक और सामाजिक ध्रुवीकरण दिखाई देता है। सोशल मीडिया ने संवाद को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ भाषा की कठोरता, अफवाहों और आधी-अधूरी सूचनाओं का प्रसार भी बढ़ा है। राजनीतिक मतभेद कई बार सामाजिक रिश्तों तक पहुंच जाते हैं। ऐसे वातावरण में गांधी का सत्य और अहिंसा का संदेश केवल राजनीतिक सिद्धांत नहीं, बल्कि सामाजिक संवाद की आवश्यकता बन जाता है।

गांधी का अहिंसा का विचार केवल शारीरिक हिंसा से बचने तक सीमित नहीं था। विचारों और शब्दों में भी संयम आवश्यक है। किसी व्यक्ति से असहमति रखना लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन उसे अपमानित करना लोकतांत्रिक संस्कृति को कमजोर करता है। आज सार्वजनिक जीवन में भाषा के स्तर पर जिस संयम की आवश्यकता है, गांधी का जीवन उसकी याद दिलाता है।

इसी तरह गांधी का सत्य आज के सार्वजनिक जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण कसौटी है। राजनीति में दावे और प्रतिदावे हमेशा होते रहे हैं, लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती तथ्य, पारदर्शिता और जवाबदेही से आती है। जनता को प्रभावित करने के लिए भावनात्मक नारों से अधिक जरूरी है कि उसे सही जानकारी मिले और सरकारों तथा राजनीतिक दलों से उनके निर्णयों पर सवाल पूछे जा सकें।

गांधी का एक और महत्वपूर्ण संदेश था. सत्ता से अधिक सेवा। उन्होंने अपने जीवन में सादगी को महत्व दिया। उनके लिए राजनीति व्यक्तिगत वैभव या प्रतिष्ठा प्राप्त करने का साधन नहीं थी। आज जब सार्वजनिक जीवन में पद, प्रभाव और राजनीतिक शक्ति का महत्व लगातार बढ़ता दिखाई देता है, तब गांधी की सादगी और त्याग हमें यह सोचने के लिए विवश करते हैं कि राजनीति का अंतिम उद्देश्य क्या होना चाहिए।

यह भी समझना जरूरी है कि गांधी को याद करना केवल उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करना या उनकी जयंती पर उनके विचारों का उल्लेख करना नहीं है। गांधी को सच्चे अर्थों में याद करने का मतलब उनके विचारों को व्यवहार में उतारने की कोशिश करना है। यदि राजनीति में विरोध के बावजूद संवाद बना रहे, यदि सत्ता के साथ जवाबदेही भी जुड़ी रहे, यदि सार्वजनिक जीवन में सत्य और पारदर्शिता को महत्व मिले और यदि समाज के कमजोर वर्गों की आवाज को प्राथमिकता मिले, तभी गांधी की स्मृति सार्थक कही जा सकती है।



तुर्किये की स्टील फैक्ट्री में धमाका, 17 मजदूरों की मौत, 12 घायल

» क्रेन गैस लाइन से टकराई, भट्ठी में सामान गिरने से विस्फोट; 6 गिरफ्तार

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये के इजमिर शहर के पास एक स्टील फैक्ट्री में धमाका हुआ। इसमें 17 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। हादसे के समय फैक्ट्री में काम चल रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, वॉशलर ले जा रही एक क्रेन गैस लाइन से टकरा गई। इसके बाद सामान नीचे लगी भट्ठी में गिरा और जोरदार विस्फोट हो गया। मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय गवर्नर सुलेमान एल्बान ने बताया कि हादसा दोपहर के आसपास हुआ। उस समय क्रेन से एक नया वॉशलर ले जाया जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

पटना में डाकबंगला चौराहे के पास दुकान में लगी आग

बिल्डिंग में करीब 100 दुकानें; हाइड्रॉलिक गाड़ी लेकर पहुंची फायर ब्रिगेड

पटना। पटना के डाकबंगला चौराहे के पास इलेक्ट्रॉनिक शॉप में भीषण आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय कोतवाली थाने की पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

10 से 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। दुकान ग्रांड प्लाजा बिल्डिंग है, स्ट्रक्चर त+6 है। पूरी बिल्डिंग कमर्शियल है। यहां करीब 100 दुकानें हैं। चश्मदीद शाहिद आलम ने बताया कि इस बिल्डिंग में कोई रहता नहीं है। केवल दुकानें हैं।

जान-माल की नुकसान नहीं

जिला अग्निशमन पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि बिल्डिंग में संगीता इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान है। इसी में आग लगी थी। फ्रिज, वॉशिंग मशीन समेत दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बेचते हैं।

आग नीचे से लगी और पोस्टर होर्डिंग से ऊपर तक फैल गई। अंदर तक लपटें नहीं पहुंची थी। तब तक कंट्रोल कर लिया गया। इसमें कोई नहीं है।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

मौके पर दो रूज मिस्ट टेक्नोलॉजी गाड़ी, 4 वाटर टेंडर, 1 वाटर बाउजर, 1 रेस्क्यू टेंडर, 1 हाइड्रॉलिक पहुंची थी। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट सामने आई है। फिलहाल जांच हो रही है। वहीं, इसके अलावा एसकेपुरी इलाके में भी आग लगने की सूचना है।

वहीं एसकेपुरी थाना अंतर्गत बोरिंग कैनाल रोड स्थित एक अपार्टमेंट के फ्लैट में आग लगी थी। जिस पर फ्लैट के लोगों ने खुद काबू पा लिया। फायर की गाड़ी पहुंची तब तक आग बुझा दी गई थी। इस घटना में भी सामान का नुकसान पहुंचा है। जान की क्षति नहीं है।



पीएम ने गोवर्धन पूजा पर दी शुभकामनाएं

श्रीकृष्ण भक्तों के भय का नाश करने वाले..मैं उनका भजन करता हूं: मोदी

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित पोस्ट करके गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही उन्होंने गुजराती नववर्ष यानी बेस्टू वर्ष के पावन दिन के शुभारंभ पर सभी को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि नए वर्ष का यह पावन प्रारंभ सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की नई आशाएं लेकर आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'नूतन वर्षाभिनंदन। नए साल की यह शुभ शुरुआत आप सभी के जीवन में खुशी, शांति, समृद्धि और खुशहाली की नई उम्मीदें लेकर आए। मेरी हार्दिक शुभकामनाएं हैं कि आप सभी का जीवन उत्तम स्वास्थ्य, आनंद और उत्साह से भरा रहे।'

प्रधानमंत्री की ओर से संस्कृत श्लोक, 'आभीरनारीप्राणप्रियं सत्यपराक्रमम् स्वभृत्यभयभेत्तारं गोवर्धनधरं भजे।' साझा किया गया है, जिसका हिंदी अर्थ है कि जो ब्रजवासियों के लिए प्राणप्रिय हैं, सत्य पराक्रमी हैं और अपने भक्तों के भय का नाश करने वाले हैं, ऐसे गोवर्धन गिरिधारी श्रीकृष्ण का मैं भजन करता हूं।



श्री गोवर्धनधराष्टकम् का श्लोक किया साझा

पीएम की ओर से साझा किया गया यह श्लोक श्री गोवर्धनधराष्टकम् से लिया गया है। इस स्तोत्र में भगवान श्रीकृष्ण के 'गोवर्धनधारी' रूप की महिमा का गुणगान किया गया है। इस श्लोक के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य गुणों और लीलाओं का वर्णन किया गया है।

जब देवराज इंद्र के अहंकार को तोड़ने और ब्रजवासियों की रक्षा करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर विशाल गोवर्धन पर्वत को उठा लिया था, तब उनका नाम 'गोवर्धनधर' पड़ा। इस स्तोत्र में भक्त श्रीकृष्ण के इसी संकटमोचन और कृपालु स्वरूप की आराधना की गई है।

इस श्लोक से श्रीकृष्ण की स्तुति करते हुए कहा गया है कि मैं उन गोवर्धन पर्वत को धारण करने वाले श्रीकृष्ण की आराधना करता हूं, जो अहीरों की नगरी (संपूर्ण ब्रज) के साक्षात प्राण और अत्यंत प्रिय हैं।

फिलीपींस में विमान हादसा, 6 विदेशी नागरिकों को ले जा रहा निजी प्लेन क्रैश

मनीला। एजेंसी

फिलीपींस में एक प्राइवेट प्लेन क्रैश हो गया है। इस प्लेट में छह विदेशी नागरिक सवार थे। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विमान में सवार किसी यात्री या चालक दल के सदस्य की मौत हुई है या नहीं। दावाओ डेल सुर के डिगोस शहर में आपदा प्रबंधन एजेंसी के अधिकारी जोमार कैलेडो ने बताया कि बचाव अभियान चल रहा है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आपदा प्रबंधन के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी फिलीपींस में छह विदेशी नागरिकों को ले जा रहा एक



निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। दुर्घटना कैसे हुई, इसकी जानकारी फिलहाल साफ नहीं है। जांच कीजा रही है। एजेंसी का दावा है कि विमान में सवार लोगों की स्थिति और हादसे के कारणों का जल्द ही पता चलेगा।

गाजियाबाद चौकी में धमाका: आतंकियों ने किया वीपीएन का इस्तेमाल; सुरक्षा एजेंसियों को नहीं मिला आईपी एड्रेस

नई दिल्ली। एजेंसी

गाजियाबाद की वसुंधरा पुलिस चौकी में 6 नवंबर को हुए धमाके की जिम्मेदारी लेने वाले ई-मेल में ऐसे वर्चुअल निजी नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल किया गया है, जिसका सुरक्षा एजेंसियों को अब तक आईपी एड्रेस नहीं मिला है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का कहना है कि ये बहुत की खास तरीके का वीपीएन है। इस वीपीएन में 40 आईपी एड्रेस एक साथ आते हैं। जांच एजेंसियों को सीसीटीवी फुटेज नहीं मिली है और न ही विस्फोटक का पता लगा है।

दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां पाकिस्तान में बैठे आतंकी शहजाद भट्टी को लेकर जांच कर रही हैं। भट्टी के निशाने पर हमेशा पुलिस फोर्स रही है। भारत सरकार ने शहजाद भट्टी को हाल में आतंकी घोषित किया था।

तहरीक-उल-मुजाहिदीन ने डिलीट किया अकाउंट

दिल्ली पुलिस ने बताया कि धमाके के बाद एक्स पर गाजी 2 नाम के एक अकाउंट से वीडियो पोस्ट कर तहरीक-उल-मुजाहिदीन हिंदुस्तान नामक संगठन ने जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, यह अकाउंट बाद में डिलीट कर दिया गया। सुरक्षा एजेंसियां डिजिटल फुटप्रिंट्स को खंगालकर उस ओरिजिनल सोर्स तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

गोवर्धन पूजा के दौरान रीवा सांसद जर्नादन मिश्रा ने दिया विवादित बयान, किसान संगठनों ने जताया विरोध

रीवा सांसद बोले- तीन महीने मेहनत बाकी समय ताश, राजश्री और बोतल

VS

किसान महासंघ ने की निंदा, कहा- यह अन्नदाताओं का अपमान

मऊगंज।

मऊगंज जिले के रकरी गांव में गोवर्धन पूजा के दौरान रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने किसानों की कार्यशैली को लेकर टिप्पणी की।

उन्होंने कहा था कि किसान साल में तीन महीने मेहनत करता है, जबकि बाकी नौ महीने ताश, राजश्री, बोतल, चिलम और 'जय भोले' में बिताता है। उनका यह बयान सामने आने के बाद किसान संगठनों और विपक्षी नेताओं ने विरोध जताया है। सांसद के बयान



का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के मऊगंज जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने इसकी निंदा की। उन्होंने कहा कि सांसद यह बयान अन्नदाताओं का अपमान है। उन्होंने कहा, एक ओर राज्य सरकार प्रदेश में कृषि वर्ष मना रही है। कई तरह के प्रयास कर किसानों को लाभ देने के दावे कर रही है। दूसरी ओर सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधि किसानों को शराबी और नशेड़ी बता रहे हैं। उन्होंने सांसद के बयान को अनर्गल और तर्कहीन बताया।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तीन महीने में मूली, भाजी और आलू के अलावा कोई दूसरी फसल तैयार हो जाती है?

खाद की समस्याओं से भी जूझना पड़ता है

धान की बुवाई से लेकर निराई, गुड़ाई और गहाई के बाद गेहूं की फसल तक किसान सालभर खेतों में मेहनत करता है। नरेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों को अवारा गोवंश से फसलों की रखवाली करने के साथ खाद और बीज की कमी जैसी समस्याओं से भी जूझना पड़ता है। सांसद को कुछ भी अनर्गल बयान देने से पहले सोचना चाहिए।

राजस्थान: सीकर में CNG से भरा ट्रक पलटा

सीकर, एजेंसी। सीकर शहर में कल देर रात 1 बजे सीएनजी सिलेंडर से भरा एक ट्रक बैलेंस बिगड़ने पर पलट गया। ट्रक सांवली से जयपुर जा रहा था। इससे पहले ही हादसा हो गया। मौके पर पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। हालांकि घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। सदर थाना पवन कुमार चौबे ने बताया कि घटना सांवली चौराहे की है। सीएनजी सिलेंडर से भरा ट्रक अनबैलेंस होने पर सांवली चौराहे पर सड़क किनारे पलट गया। इस कारण जाम लग गया था। पुलिस ने ट्रैफिक को डायवर्ट करवाया। मौके पर फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। क्रेन से ट्रक को सीधा करवाकर रवाना किया गया।

तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, बाइक सवार 3 मरे



कन्नौज, एजेंसी। कन्नौज जिले के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। कार चालक फरार हो गया। एक साथ तीन लोगों की मौत की खबर मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। थाना क्षेत्र के अगौस गांव निवासी आशीष (24) अपने बड़े भाई मनीष (28) और गांव के ही वेद प्रकाश (50) व विजय (35) के साथ कल देर रात एक ही बाइक से कचाटीपुर गांव स्थित प्लाट से घर लौट रहे थे। जैसे ही बाइक सवार इंदरगढ़-तिर्वा मार्ग पर कचाटीपुर गांव के पास पहुंचे। तभी कार ने टक्कर मार दी। विजय, वेदप्रकाश, मनीष की मौत हो गई।

मेला पीछे छूटे अमिताभ, शाहरुख, मिथुन, मेले में गधों के नाम सितारों के नाम पर रखने की परंपरा

चित्रकूट के गधा मेले में छाया 'चंकी पांडे', 72 हजार की सबसे ऊंची बोली

चित्रकूट। एजेंसी

मंदाकिनी नदी के किनारे लगने वाले चित्रकूट के सदियों पुराने गधा मेले में सोमवार को गधों की बोली लगी। इस मेले में 'चंकी पांडे' (बॉलीवुड अभिनेता नहीं, बल्कि एक गधा) आकर्षण का केंद्र बन गया। चित्रकूट में दीवाली के दौरान हर साल यह 'गधा मेला' लगता है। इस मेले में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब और राजस्थान से लगभग 350 गधे और खच्चर लाए गए। चित्रकूट नगर परिषद के मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया कि इस साल करीब 80 जानवरों की खरीद-बिक्री हुई।

चित्रकूट में लगने वाले इस गधे मेले का बॉलीवुड से गहरा नाता है। गधों की तरफ व्यापारियों का ध्यान खींचने के



लिए जानवरों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखा जाता हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पड़ोसी जिलों से भी व्यापारी और खरीदार यहां सौदेबाजी के लिए आते हैं।

मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया, 'ये फिल्मी नाम केवल मेले तक ही सीमित रहते हैं। इन जानवरों का उन मशहूर हस्तियों से कोई स्थायी संबंध नहीं होता। गधों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर इसलिए रख देते हैं ताकि मेले का माहौल दिलचस्प हो जाए।'

फिल्मी सितारों के नाम के कारण बढ़ जाता है मेले का आकर्षण

इस साल के मेले में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, मिथुन चक्रवर्ती और चंकी पांडे के नाम के गधे शामिल थे, जिसमें 'चंकी पांडे' नाम के गधे की सबसे ज्यादा बोली लगी। यह गधा 72,000 रुपए में बिका। फिल्मी सितारों के नाम की वजह से भले ही मेले की तरफ लोगों को आकर्षण बढ़ जाता है, लेकिन खरीदार असल में काम की चीजों पर ही ज्यादा ध्यान देते हैं। जानवर की नस्ल, कद-काठी, बनावट और ताकत ही उसकी कीमत तय करती है। मुगलकाल से हो रहा मेले का आयोजन माना जाता है कि यह मेला मुगल काल से चला आ रहा है। इसके पीछे एक स्थानीय कहानी है कि मुगल सेना के एक सैन्य अभियान के दौरान, उनके जानवरों की तबीयत खराब हो गई थी। कहा जाता है कि इसी घटना के बाद जानवरों की खरीद-बिक्री के लिए इस बाजार की शुरुआत हुई।

सदियों से चली आ रही परंपरा

यह परंपरा सदियों से चली आ रही है, लेकिन इसका भविष्य अब उतना पक्का नहीं है। आयोजकों का मानना है कि नई पीढ़ी के इससे दूर होने के कारण, इस मेले का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। हो सकता है कि इसका पुराना आकर्षण फीका पड़ रहा हो, लेकिन फिल्मी सितारों के नाम की वजह से इसकी अहमियत अभी भी बरकरार है।



हादसे के बाद सामने आए वीडियो में आग की लपटें और आसमान में धुएं का ऊंचा गुबार उठता दिखाई दिया।

कार क्रैश कर सीक्रेट सर्विस एजेंट से भिड़ा संदिग्ध, अफरा-तफरी

नेशनल गार्ड के जवानों के साथ हाथापाई भी की, ट्रम्प थे अंदर, व्हाइट हाउस में लगा लॉकडाउन

वाशिंगटन डीसी

अमेरिका में राष्ट्रपति भवन से एक शख्स ने अपनी कार टकरा दी। इसके बाद शख्स ने सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों और नेशनल गार्ड के जवानों के साथ हाथापाई करनी शुरू कर दी। इसके बाद व्हाइट हाउस में कुछ समय के लिए लॉकडाउन कर दिया गया। घटना के समय राष्ट्रपति ट्रम्प व्हाइट हाउस में ही मौजूद थे।

ऑनलाइन सामने आए वीडियो फुटेज के अनुसार एक सिल्वर सेडान कार लाफायेट स्क्वायर के उत्तरी छोर पर बने पक्के रास्ते पर आ गई और एक साइनपोस्ट से टकरा गई। टक्कर के बाद गाड़ी से सफेद धुआं निकलता देखा गया। इससे वहां अफरा-तफरी फैल गई। लाफायेट स्क्वायर, व्हाइट हाउस के ठीक सामने पेन्सिलवेनिया एवेन्यू के पार स्थित है और राष्ट्रपति परिसर के पास एक प्रमुख पब्लिक प्लेस है। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे, अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने व्हाइट हाउस प्रेस कोर के सदस्यों को अंदर जाने और वहीं रहने का निर्देश दिया। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प व्हाइट हाउस में ही मौजूद थे।



सुरक्षाकर्मियों के साथ हुई झड़प के बाद ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया। हालांकि ड्राइवर की पहचान, दुर्घटना के कारणों और इसके पीछे के संभावित मकसद के बारे में फिलहाल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। अमेरिकी एजेंसियां इस शख्स से पूछताछ कर रही हैं। लाफायेट पार्क के आसपास की सड़कों को बंद कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार इसी दौरान एक अन्य व्यक्ति ने लाफायेट पार्क के पास लगे अवरोधक को पार करने की कोशिश की। उसे भी तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। की खबर के मुताबिक, दोनों घटनाओं की जांच की जा रही है। इस टक्कर के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था सक्रिय हो गई, जिसके चलते व्हाइट हाउस के आसपास अस्थायी रूप से पाबंदियां लगा दी गईं।

ब्रीफ न्यूज

यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान में योगदान के लिए भारत तैयार

नई दिल्ली, आरएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात कर दोहराया कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए होना चाहिए। मोदी ने शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में किये जा रहे सभी प्रयासों में भारत की ओर से योगदान देने की तत्परता भी जतायी। पीएमओ के अनुसार वार्ता के दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने संघर्ष से जुड़े हाल के घटनाक्रम पर अपना पक्ष रखा। मोदी ने भारत के मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की पुष्टि करते हुए कहा कि संघर्ष का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से निकाला जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने भारत और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा की।

कैटी पेरी के एक्स हसबैंड रसेल ब्रॉन्ड रेप केस में 10 साल कैद

लंदन, आरएनएन। ब्रिटेन के मशहूर कॉमेडियन, अभिनेता और पूर्व ब्रॉडकास्टर रसेल ब्रांड को रेप और यौन उत्पीड़न के मामले में साढ़े 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। सोमवार को कोर्ट ने उन्हें यह सजा सुनाई। ब्रांड को करीब 20 साल पुराने केस में एक महिला से रेप और तीन अन्य महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का दोषी पाया गया था। बता दें कि रसेल ब्रॉन्ड अमेरिकी पॉप सिंगर कैटी पेरी के एक्स हसबैंड भी हैं।

तुर्की में सीओपी 31 शुरू, जलवायु परिवर्तन पर अंकुश लगाने पर मंथन



अंताल्या, आरएनएन। संयुक्त राष्ट्र का जलवायु सम्मेलन सीओपी 31 सोमवार को तुर्की के भूमध्यसागरीय शहर अंताल्या में शुरू हुआ। इस दौरान नेताओं ने जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने, स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव तेज करने और जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील देशों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए त्वरित कार्रवाई का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) के पक्षकारों का 31वां सम्मेलन (सीओपी31) नौ से 20 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसमें दुनिया भर के प्रतिनिधि उत्सर्जन में कटौती, जलवायु अनुकूलन और वित्तपोषण पर बातचीत के लिए जुटे हैं। इस सम्मेलन में दुनिया भर के नेता, मंत्री, वार्ताकार, वैज्ञानिक और नागरिक समाज के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। तुर्की सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है। सीओपी31 अध्यक्ष मूरत कुरुम ने जलवायु प्रतिबद्धताओं को ठोस कार्रवाई में बदलने का आह्वान किया।

तुर्की : स्टील प्लांट में भीषण धमाका 16 लोगों की मौत, 13 घायल

अंकारा, आरएनएएन। तुर्की के पश्चिमी हिस्से में सोमवार को एक स्टील प्लांट में भीषण धमाका होने से 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। धमाके के बाद प्लांट में भीषण आग लग गई और आसमान में धुएं का गुबार उठने लगा। हादसा इजमिर प्रांत के अलियागा में स्थित हाबास आयरन एंड स्टील प्लांट में हुआ। धमाका इतना तेज था कि आसपास मौजूद लोगों को भूकंप जैसा झटका महसूस हुआ। घटना के बाद आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ बचाव अभियान शुरू किया। इजमिर प्रांत के गवर्नर सुलेमान एल्बान ने बताया कि प्लांट में एक बॉयलर बदलने का काम चल रहा था। इसी दौरान एक क्रेन भट्ठी में गिर गई। इसके कारण पास की स्टील मिल में जोरदार धमाका हो गया।

अमेरिका के ईरान वॉर के लीक प्लान पर इराकी प्रधानमंत्री ने किया बड़ा खुलासा

मिडटर्म चुनाव में मिली हार के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प के तेवर हुए कम

अखबार का दावा : अमेरिकी सेना इराकी भूमि का इस्तेमाल कर दक्षिणी ईरान पर कर सकती हमला

बगदाद/तेहरान

यूएस और ईरान के बीच तनाव जारी है। हालांकि मिडटर्म चुनाव में हार के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तेवर कुछ कम हुए हैं। इस बीच इराक के पीएम अली अल-जैदी ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने अपने राजनीतिक साथियों को बताया है कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पेश किए गए एक लीक हुए युद्ध प्लान का कुछ हिस्सा देखा है। इस प्लान में अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्ध के तीन अलग-अलग रास्ते बताए गए हैं। इनमें से एक में अमेरिकी सेना इराक की जमीन का इस्तेमाल करके दक्षिणी ईरान पर हमला कर सकती है, जबकि दूसरे में ईरान बगदाद पर दबाव डालकर कुवैत पर हमला करने के लिए इराकी इलाके का इस्तेमाल करना चाहता है। बता दें कि यह दावा इराकी अखबार अल-मदा की रिपोर्ट के आधार पर सामने आया है। पीएम प्रधानमंत्री जैदी ने यह बात शिया राजनीतिक दलों के गठबंधन कोऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क की एक बैठक में कही। गौरतलब है कि जैदी इराक की सेना के कमांडर-इन-चीफ भी हैं। अल-मदा की रिपोर्ट के अनुसार, जैदी ने बताया कि उन्होंने लीक प्लान में तीन संभावित स्थिति देखीं हैं

दक्षिणी ईरान का खुजस्तान प्रांत खासतौर पर अहम

अमेरिकी जमीनी सेना इराक की जमीन का इस्तेमाल करके दक्षिणी ईरान में घुसकर हमला करेगी। द.ईरान का खुज़ेस्तान प्रांत खासतौर पर अहम है। यह तेल से भरा इलाका है और इराक की सीमा से लगता है। ईरान के कुछ सबसे बड़े तेल के मैदान और रिफाइनरी हैं। यह इलाका शट्ट अल-अरब जलमार्ग के किनारे भी है, जो दोनों देशों को फारस की खाड़ी से जोड़ता है। अगर अमेरिकी सेना यहां घुसती है तो ईरान को बड़ा आर्थिक व रणनीतिक नुकसान हो सकता है।



ईरान बगदाद पर दबाव डालकर कुवैत पर हमला करवा सकता है

दूसरे रास्ते में तेहरान बगदाद पर दबाव डालेगा कि वह इराक की जमीन का इस्तेमाल करके कुवैत में हथियारों के साथ घुसपैठ करने दे। कुवैत छोटा लेकिन तेल से अमीर देश है और लंबे समय से अमेरिका का साथी रहा है। हाल के समय में भी उस पर मिसाइल और ड्रोन हमले हो चुके हैं। बता दें कि पिछली बार जब कुवैत पर पूरा हमला हुआ था तो 1990 में सद्दाम हुसैन की सेना ने उसे कब्जा कर लिया था। उसके बाद खाड़ी युद्ध में अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन ने इराकी सेना को कुवैत से बाहर खदेड़ दिया था।

तीसरा रास्ता : हालांकि अखबार ने तीसरे रास्ते का विवरण नहीं दिया है। न ही पहले दो रास्तों के बारे में और ज्यादा ऑपरेशनल जानकारी दी गई है। यह भी साफ नहीं है कि ये प्लान वाशिंगटन ने आधिकारिक तौर पर मंजूर किए हैं या सिर्फ आपात स्थिति के लिए तैयार किए गए हैं।

मिडटर्म चुनाव में हारे डोनाल्ड ट्रम्प ने वोटिंग मशीन पर ही उठा दिए सवाल

नई दिल्ली, आरएनएन। अमेरिका में मिडटर्म इलेक्शन में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनाव नतीजों सवाल उठाए हैं। सोमवार को ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के जरिए इलेक्शन प्रोसेस पर शक जताया है। उन्होंने पूछा कि क्या किसी को असल में भरोसा है कि ये चुनाव ईमानदारी से कराए गए थे? ट्रंप ने चुनाव पूर्व सर्वेर वास्तविक नतीजों के बीच बड़े अंतर पर भी सवाल उठाए। अमेरिका में 3 नवंबर को हुए मिडटर्म इलेक्शन में रिपब्लिकन पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। टेक्सास और साउथ कैरोलिना जैसे राज्यों में भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा, जिन्हें लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया। ट्रम्प ने वोटिंग मशीनों पर भी उठाए सवाल : चुनाव के छह दिन बाद ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए पूछा कि क्या किसी को लगता है कि चुनाव ईमानदारी से हुए हैं? उन्होंने सवाल किया कि चुनाव से पहले किए गए जनमत सर्वेक्षण इतने गलत कैसे साबित हो सकते हैं। ट्रम्प ने दावा किया कि शुरुआती वोटिंग के दौरान कुछ स्थानों पर इतनी बड़ी संख्या में वोट दर्ज किए गए कि उसके बाद चाहे जितना भी मतदान होता, जीत हासिल करना असंभव हो गया था. उन्होंने वोटिंग मशीनों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। ट्रम्प का आरोप था कि चुनाव नतीजों को तय करने में वोटर्स से ज्यादा असर वोटिंग मशीनों का रहा। डोनाल्ड ट्रम्प ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन से हारने के बाद भी इसी चुनावी धांधली के आरोप लगाए थे। उस समय भी उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया था।

चुनाव पूर्व जनमत सर्वे इतने गलत कैसे ?

बांग्लादेश में बसें फूंकीं, थानों के बाहर बम धमाके

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की दिसंबर में वापसी की तैयारी से बढ़ा तनाव

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पिछले कुछ दिनों से हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं। 8 और 9 नवंबर को कई जगह धमाके और आगजनी हुई है। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के वकीलों ने भारत में उनके नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र के लिए आवेदन किया है। हसीना ने कहा है कि वे दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी। उनके लौटने से पहले ही देश में राजनीतिक तनाव बढ़ने लगा है।

एक रात में 15-20 जगह धमाके और आगजनी

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद अख्तर हुसैन के मुताबिक, रविवार 8 नवंबर की शाम से देर रात तक राजधानी के करीब 10 इलाकों में 15 से 20 घटनाएं हुईं। इनमें देसी बम फेंकने और गाड़ियों में आग लगाने की घटनाएं शामिल हैं। ढाका यूनिवर्सिटी में ही देसी बम धमाके की 6 घटनाएं हुईं। धमाके नीलखेत चौराहे, यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट, सीनेट बिल्डिंग के सामने, इंस्टीट्यूट ऑफ मॉडर्न लैंग्वेजेज के पास, ञ्जस्ट के नजदीक मेट्रो स्टेशन के पास और सुफिया कमाल हॉल के बाहर हुए। पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया।



पुलिस आंकड़ों के मुताबिक, 1 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच देशभर में देसी बम धमाके की 31 और गाड़ियों में आग लगाने की 14 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 2 लोग घायल हुए, जबकि 51 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस बोली- पैसे देकर लोगों से हमले कराए जा रहे

पुलिस ने इन हमलों के पीछे शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के लोगों का हाथ होने का शक जताया है।

ट्रम्प बोले- हेगसेथ ने दो जंग जीतीं, उन्हें क्यों हटाएं

ईरान से युद्ध जरूरी था; महाभियोग की मांग करने वाले सांसद को लूजर कहा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का बचाव करते हुए कहा है कि उन्होंने दो युद्ध जीते हैं, ऐसे में उन्हें पद से हटाने की मांग क्यों की जा रही है। उन्होंने कहा ईरान से युद्ध जरूरी था। साथ ही, उन्होंने ने हेगसेथ पर महाभियोग चलाने की मांग को खारिज करते हुए इसे गलत बताया। उन्होंने महाभियोग प्रस्ताव लाने वाले रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी को लूजर यानी हारा हुआ व्यक्ति कहा।

एक कैबिनेट बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को सुनते हुए। यह तस्वीर 31 जुलाई 2026 की है।

एक कैबिनेट बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को सुनते हुए। यह तस्वीर 31 जुलाई 2026 की है।

ट्रम्प बोले- पुराने युद्धों के जिम्मेदारों पर महाभियोग क्यों नहीं

ट्रम्प ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में अमेरिका के सिर्फ 18 सैनिक मारे गए, जबकि वियतनाम युद्ध में 65 हजार लोगों की जान गई थी।

अमेरिका ईरान में 7 महीने से अभियान चला रहा है, जबकि वियतनाम में अमेरिकी सेना 21 साल तक रही थी।

वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान युद्ध चलाने वाले लोगों पर महाभियोग क्यों नहीं चलाया गया? उन युद्धों में हजारों लोगों की जान गई और कुछ हासिल भी नहीं हुआ।

ट्रम्प ने महाभियोग प्रस्ताव लाने वाले केंटकी के रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैसी पार्टी के अच्छे बिलों का भी विरोध करते हैं और संसद का समय बर्बाद करते हैं।

हेगसेथ बोले- जरूरत पड़ने पर ईरान पर दोबारा हमला करेंगे

रक्षा मंत्री हेगसेथ ने भी ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को सही ठहराया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प का फैसला सही था और जरूरत पड़ने पर वे दोबारा ऐसा ही करेंगे।

हेगसेथ के मुताबिक, ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा था। उसने मिसाइलों की सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत कर ली थी, जिससे उसके परमाणु कार्यक्रम को रोकना मुश्किल हो गया था।

उन्होंने दावा किया कि ट्रम्प प्रशासन ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर और ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के जरिए ईरान के परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचाया और उसे परमाणु हथियार हासिल करने से रोका।

हेगसेथ से पूछा गया कि क्या रिपब्लिकन सांसद इस हफ्ते महाभियोग प्रस्ताव को रोकने के लिए पर्याप्त वोट जुटा पाएंगे। इस पर उन्होंने कहा, हमें इसकी चिंता नहीं है।

रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी ने सोमवार को अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था।

यूनान के क्रीट द्वीप पर 13 प्रवासियों के शव बरामद, 187 लोगों को बचाया

एथेंस/



यूनान के क्रीट द्वीप के दक्षिणी तट के पास तीन अलग-अलग बचाव अभियानों में 13 प्रवासियों के शव बरामद किए गए और 187 अन्य लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यूनान के समाचार पत्र 'काथिमेरिनी' के अनुसार, सबसे गंभीर घटना में मोरक्को के ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज ने काली लिमेनेस से करीब 15 समुद्री मील (28 किलोमीटर) दक्षिण-पूर्व में प्रवासियों की एक नाव देखी। इसके बाद ग्रीस के तटरक्षक बल का एक जहाज मौके पर पहुंचा और 18 लोगों को बचाया तथा 12 शव बरामद किए।

दो अन्य अलग-अलग घटनाओं में 47 और 40 प्रवासियों को ले जा रही नावें काली लिमेनेस से क्रमशः करीब 30 और 31 समुद्री मील (56 और 57 किलोमीटर) दक्षिण में देखी गईं। इन नावों का पता लगाने में फ्रोंटेक्स के हवाई संसाधनों, जिनमें चालक दल वाले और मानवरहित विमान ने मदद की। फ्रोंटेक्स के जहाजों ने कुल 87 प्रवासियों को बचाया। उन्हें काली लिमेनेस बंदरगाह पहुंचाए जाने की संभावना थी। इन तीनों अभियानों में बचाए गए प्रवासियों की कुल संख्या करीब 105 हो गई है।

फ्रांस का आरोप- ईरान ने सुपरमार्केट के फ्रिज-फ्रीजर है किए

प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी; 700 सुपरमार्केट पर हमला हुआ

पेरिस। फ्रांस ने ईरान को साइबर हमले के लिए कड़ी कार्रवाई और प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है। फ्रांस विदेश मंत्री जीन नोएल बैरोट ने आरोप लगाया कि ईरान की सेना की एक साइबर यूनिट ने अक्टूबर में देश के 700 सुपरमार्केट को निशाना बनाया था।

हैकर्स ने दुकानों के फ्रिज और फ्रीजर का सिस्टम हैक कर उनका तापमान बढ़ा दिया था। इससे खाने-पीने का सामान खराब हो गया और दुकानदारों को बड़ी मात्रा में सामान फेंकना पड़ा।

फ्रांस बोला- जवाबी कार्रवाई के सभी विकल्प खुले

फ्रांस के विदेश मंत्री जीन नोएल बैरोट ने मंगलवार को कहा कि ईरान के राजदूत को तलब किया जाएगा। फ्रांस इस मामले में यूरोपीय संघ (श्व) से ईरान पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी करेगा।



उन्होंने कहा कि फ्रांस जवाबी कार्रवाई के सभी विकल्प खुले रखेगा। इसमें ऐसे कदम भी शामिल हैं, जिनकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाएगी।

बैरोट ने कहा कि फ्रांस का मकसद ईरान या किसी दूसरे देश को भविष्य में ऐसे हमले करने से रोकना है। उन्होंने इस हमले को फ्रांस की धरती पर अब तक का सबसे बड़ा और आक्रामक साइबर हमला बताया।

फ्रांस में आईआरजीसी के खिलाफ जांच शुरू

फ्रांस के सरकारी वकील लॉर बेकुओ ने ईरान की सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढत्रत्नष्ट) की साइबर यूनिट शाहिद कावेह के खिलाफ जांच शुरू की है। इसी यूनिट पर हमले के पीछे होने का आरोप है। इस यूनिट से जुड़े दो अधिकारियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी करने की मांग भी की है। फ्रांस की साइबर सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक यह यूनिट बड़े पैमाने पर साइबर हमले करती है। इसके निशाने पर ज्यादातर इजराइल और अमेरिका होते हैं। फ्रांस और यूरोप के दूसरे देश भी इसके निशाने पर हैं।

ईरान फ्रांस और यूरोप को निशाना क्यों बनाएगा?

अमेरिका-इजराइल का साथ- फ्रांस समेत कई यूरोपीय देश अमेरिका और इजराइल के सहयोगी हैं। ईरान इन देशों पर दबाव बनाने के लिए साइबर हमले कर सकता है। ईरान पर प्रतिबंध- यूरोपीय देशों ने ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। इसी के चलते हमले का शक ईरान पर जा रहा है।

आर्थिक नुकसान पहुंचाना- सुपरमार्केट जैसे ठिकानों पर हमला कर खाने-पीने का सामान खराब किया जा सकता है। इससे कारोबार और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचता है।

फ्रांस के ब्लड बैंक पर भी सायबर हमले की कोशिश

फ्रांस के ब्लड बैंक को भी हैकर्स ने निशाना बनाया था। 1 नवंबर को फ्रांस के तीन ब्लड स्टोरेज सेंटरों के कूलिंग सिस्टम की सेटिंग बदलने की कोशिश हुई थी। हमलावरों ने फ्रीजर का तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस से बढ़ाकर 110 डिग्री सेल्सियस तक करने की कोशिश की थी। हालांकि अलार्म सिस्टम ने समय रहते गड़बड़ी पकड़ ली।

पाक में चीन का बनाया डैम टूटा, तरबेला प्रोजेक्ट ठप

इस्लामाबाद

पाक के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सिंधु नदी पर स्थित तरबेला 5वें विस्तार जलविद्युत परियोजना में सोमवार को एक बड़ी घटना घटी। निर्माण कार्य के दौरान, चट्टान का एक हिस्सा ढह गया, जिससे बांध का पानी एक सुरंग के रास्ते पावर प्लांट वाले इलाके में घुस गया। उस समय वहां बड़ी संख्या में पाकिस्तानी और चीनी कर्मचारी काम कर रहे थे।

गनीमत रही कि सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। खैबर पख्तूनख्वा में सिंधु नदी पर 316 अरब डॉलर की चल रही 'तरबेला जलविद्युत परियोजनाद्य को एक बड़ी दुर्घटना का सामना करना पड़ा। 'तरबेला 5वें विस्तार परियोजना के लिए खुदाई के दौरान, चट्टान ढहने से बांध का पानी सुरंग प्रणाली में प्रवेश कर गया। पानी सुरंग के इनटेक पिट से होता हुआ पावरहाउस वाले इलाके में जा पहुंचा, जहां कई मजदूर और इंजीनियर मौजूद थे। बताया जा रहा है कि पानी के अचानक आ जाने के कारण, वहां मौजूद सभी लोगों को आपातकालीन स्थिति में बाहर निकालना पड़ा। हालांकि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस घटना के कारण तरबेला 5वें विस्तार परियोजनाद्य का निर्माण कार्य फिलहाल रुक गया है। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।इस पूरी घटना को लेकर पाक के जल और विद्युत विकास प्राधिकरण' (वापडा) ने इस दुर्घटना की पुष्टि की है।

316 अरब डॉलर का नुकसान

बल्क ड्रग उत्पादन के लिए 7000 करोड़ की नई योजना बनेगी

अनुसंधान, आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे पर 2,000 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली

सरकार देश में दवाओं के मुख्य रासायनिक घटकों यानी बल्क ड्रग का उत्पादन बढ़ाने के लिए 7,000 करोड़ रुपए की नई योजना तैयार कर रही है। इसके तहत मौजूदा विनिर्माण इकाइयों को प्रोत्साहन देने, नई तकनीक अपनाने और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने की तैयारी है। प्रस्तावित योजना का उद्देश्य घरेलू दवा उद्योग की उत्पादन क्षमता बढ़ाना और चीन से होने वाली आयात निर्भरता कम करना है।

मामले से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तावित बजट में से 5,000 करोड़ रुपए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन के लिए रखे जा सकते हैं। वहीं, शेष 2,000 करोड़ रुपए अनुसंधान एवं विकास, साझा बुनियादी ढांचे और पूंजीगत सब्सिडी पर खर्च करने का प्रस्ताव है।



300 से अधिक दवा घटकों की मूल्य श्रृंखला पर जोर

प्रस्तावित योजना में 52 अणु समूहों यानी मॉलिक्यूल सेट को विनिर्माण प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित करने की तैयारी है। इनके दायरे में 300 से अधिक मध्यवर्ती रसायनों और सक्रिय दवा घटकों (एपीआई) की पूरी मूल्य श्रृंखला शामिल हो सकती है। मौजूदा उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना कुछ चुनिंदा बल्क ड्रग तक सीमित है। इसके विपरीत नई व्यवस्था में उत्पादों को तीन श्रेणियों में बांटने का प्रस्ताव है।

पुरानी विनिर्माण इकाइयों को भी मिलेगा लाभ

नई योजना में केवल नए निवेश को ही नहीं, बल्कि पहले से संचालित परियोजनाओं को भी शामिल करने का प्रस्ताव है। इससे मौजूदा कारखानों को उत्पादन क्षमता बढ़ाने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी। मौजूदा बल्क ड्रग पीएलआई योजना के तहत स्थापित इकाइयां भी इसके दायरे में आ सकती हैं। प्रस्तावित व्यवस्था में प्रोत्साहन की दर सभी छह वर्षों के लिए पात्र बिक्री के एक समान प्रतिशत के आधार पर तय की जा सकती है। फिलहाल किण्वन आधारित उत्पादों के लिए पहले चार वर्षों में 20-20 फीसदी, पांचवें वर्ष में 15 फीसदी और छठे वर्ष में 5 फीसदी प्रोत्साहन मिलता है। वहीं, रासायनिक प्रक्रिया से तैयार उत्पादों के लिए हर साल 10 फीसदी प्रोत्साहन दिया जाता है। नई योजना में आठ साल की खर्च अवधि रखने का प्रस्ताव है, जबकि मौजूदा व्यवस्था में अलग-अलग निर्माताओं को छह साल तक प्रोत्साहन मिलता है। प्रस्ताव के अनुसार, उत्पादन को छह साल तक या योजना की अवधि के दौरान समर्थन दिया जा सकता है। यदि किसी वर्ष उत्पादन उम्मीद से काफी कम रहता है तो निर्माता किन्हीं दो वर्षों को शून्य वर्ष के रूप में चुन सकेंगे।

कैंसर की 1,364 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती, संशोधित कीमतें लागू

कैंसर की दवाएं अब मरीजों को काफी कम कीमत पर मिलेंगी। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने 137 कैंसर-रोधी दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर ट्रेड मार्जिन की सीमा तय की है। इसके तहत 1,364 दवा फॉर्मूलेशन की संशोधित कीमतें 9 नवंबर, 2026 से लागू हो गई हैं। इस फैसले से उपभोक्ताओं को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है।

कीमतों में आधे से ज्यादा गिरावट

एनपीपीए के अनुसार, 8 नवंबर, 2026 तक 85 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं से जुड़े 1,364 कैंसर-रोधी फॉर्मूलेशन की संशोधित एमआरपी की जानकारी दी थी। इनमें 679 ब्रांड की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। सबसे ज्यादा कटौती 96.45 प्रतिशत तक दर्ज की गई है। उपभोक्ता दवाओं के पैक पर दर्ज संशोधित एमआरपी देखकर उनकी नई कीमत जान सकते हैं। इसके अलावा ''फार्मा सही दाम'' मोबाइल ऐप और एनपीपीए की आधिकारिक वेबसाइट nppa. gov. in पर भी दवाओं के नए मूल्य की जानकारी उपलब्ध है। एनपीपीए ने साफ किया है कि कोई भी केमिस्ट या अस्पताल की फार्मेसी संबंधित दवाएं संशोधित एमआरपी से अधिक कीमत पर नहीं बेच सकती। यदि किसी मरीज या उसके परिजन से निर्धारित मूल्य से ज्यादा राशि ली जाती है, तो वे ''फार्मा जन समाधान'' पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

चीनी, चावल, गेहूं, दालों में तेजी, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चीनी के दाम बढ़ गए। चीनी के साथ चावल, गेहूं और दालों में भी तेजी रही जबकि खाद्य तेलों में घट-बढ़ का रुख देखा गया।

मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत नौ रुपये बढ़कर 5,635 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गुड़ 62 रुपये महंगा हुआ और 6,077 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 16 पैसे बढ़कर 60.61 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 85 रुपये बढ़कर 4,464 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। गेहूं भी 37 रुपये महंगा हुआ और 2,993 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे का भाव भी 16 रुपये बढ़ गया। दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 126 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मसूर दाल 77 रुपये और मूंग दाल 51 रुपये महंगी हुई। चना दाल 42 रुपये और तुअर दाल 41 रुपये ऊपर बोली गई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज दिवाली का अवकाश रहा। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.66 प्रतिशत मजबूत होकर 62.65 सेंट प्रति पौंड बोला गया।स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 199 रुपये और सूरजमुखी तेल की 23 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। वनस्पति 65 रुपये और सरसों तेल 51 रुपये महंगा हुआ।

अभ्युदय को-ऑपरेटिव बैंक के निदेशक मंडल पर आरबीआई का नियंत्रण एक साल बढ़ा

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अभ्युदय को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, मुंबई के निदेशक मंडल को हटाए रखने की अवधि एक साल और बढ़ा दी है। यह व्यवस्था 24 नवंबर 2026 से लागू होगी। इसके तहत बैंक के कामकाज की जिम्मेदारी आरबीआई की ओर से नियुक्त प्रशासक और मौजूदा सलाहकार समिति के पास बनी रहेगी। आरबीआई ने 9 नवंबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि बैंक के कामकाज की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, जमाकर्ताओं और आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए निदेशक मंडल को हटाए रखने की अवधि बढ़ाना जरूरी था। इससे पहले मौजूदा व्यवस्था की अवधि 23 नवंबर 2026 को कारोबार समाप्त होने के साथ पूरी होने वाली थी।

24 नवंबर 2026 से लागू होगा आदेश

आरबीआई ने 24 नवंबर 2023 को पहली बार अभ्युदय को-ऑपरेटिव बैंक के निदेशक मंडल को एक साल के लिए हटाया था। बैंक में प्रबंधन और संचालन से जुड़ी गंभीर खामियों तथा कमजोर प्रशासनिक व्यवस्था को देखते हुए यह कदम उठाया गया था। इसके बाद नवंबर 2024 में इस व्यवस्था को एक साल के लिए बढ़ाया गया। नवंबर 2025 में भी इसकी अवधि में एक साल का विस्तार किया गया था। अब केंद्रीय बैंक ने तीसरी बार इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

एफपीआई के लौटने से रुपया 22 पैसे मजबूत

मुंबई

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) के भारतीय पूंजी बाजार में लगातार लिवाल रहने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में नरमी से सोमवार को रुपया 22 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 93.77 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर रुपया 42 पैसे की बढ़त में 93.99 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था।

रुपये सुबह 14 पैसे की तेजी के साथ 93.85 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। बीच कारोबार में यह ऊपर 93.69 रुपये और नीचे 94.11 रुपये प्रति डॉलर तक गया। अंत में 93.77 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

बीपीसीएल ने कहा,ई-20 पेट्रोल की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप

नई दिल्ली

कर्नाटक में पेट्रोल में निर्धारित मात्रा से अधिक इथेनॉल मिलाने के आरोपों के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता का बचाव किया। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) समेत अन्य कंपनियों ने ग्राहकों की मौजूदगी में की गई जांच के नतीजे साझा किए। इनमें पेट्रोल के एक नमूने में 19.9 प्रतिशत इथेनॉल पाया गया। कंपनियों ने कहा कि ईंधन निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है। बीपीसीएल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि ग्राहकों की मौजूदगी में पेट्रोल के नमूने की जांच की गई।

अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे बढ़ने से वैश्विक ऊर्जा बाजार में नरमी

कच्चे तेल की कीमतें गिरीं, ब्रेंट क्रूड 93.4 एवं डब्ल्यूटीआई 86.98 डॉलर पर आया

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति वार्ता आगे बढ़ने की उम्मीद से तेल की आपूर्ति को लेकर चिंताएं घटी हैं। मंगलवार शाम कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड 4.55 फीसदी गिरकर 93.84 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) 4.24 फीसदी टूटकर 86.98 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले दो सप्ताह में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 20 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट आई है।

इससे पहले ब्रेंट क्रूड में 3.34 फीसदी की गिरावट के साथ भाव 95.04 डॉलर और डब्ल्यूटीआई में नरमी के बाद कीमत 88.21 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस गिरावट को भारत के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि देश अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है।

अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत से बदला बाजार का रुख



कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने के संकेत हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान की ओर से सकारात्मक संकेत मिलने के बाद बाजार में संभावित समझौते की उम्मीद बढ़ी है। कतर की मध्यस्थता से दोनों देशों के बीच बातचीत आगे बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से सामान्य रूप से खुलने की उम्मीद ने भी बाजार को राहत दी है। इस समुद्री मार्ग से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यहां किसी भी तरह की बाधा से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं।

भारत के आयात खर्च में कमी की उम्मीद

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भारत के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद हो सकती है। इससे देश का आयात बिल कम होने के साथ विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है। इसके अलावा पेट्रोलियम उत्पादों की लागत घटने से महंगाई के दबाव में भी कमी आने की संभावना है। सस्ते कच्चे तेल से चालू खाते के घाटे को नियंत्रित करने और रुपये पर दबाव कम करने में भी मदद मिल सकती है। हालांकि, घरेलू पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इसका कितना लाभ मिलेगा, यह तेल कंपनियों की लागत, रुपये-डॉलर विनिमय दर और सरकार की कर नीति पर निर्भर करेगा।

मध्यावधि चुनाव के बाद ट्रंप पर दबाव

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर राजनीतिक दबाव बढ़ने की चर्चा है। ऐसे में लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष से बचना उनके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। दूसरी ओर, युद्ध से प्रभावित ईरान के भी बातचीत के जरिए तनाव कम करने की कोशिश करने के संकेत मिल रहे हैं। बाजार को उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक प्रयास सफल रहे तो पश्चिम एशिया में तेल आपूर्ति को लेकर बना जोखिम कम होगा। इसी संभावना के चलते निवेशकों ने कच्चे तेल की कीमतों में जोखिम प्रीमियम घटाया है। हालांकि, शांति समझौते और होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य स्थिति बहाल होने की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

पशुपालन और मुर्गीपालन क्षेत्र की जरूरतें बढ़ने से विदेशी बाजारों में आपूर्ति प्रभावित

तेल खली का निर्यात 28.51 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली



देश में पशु आहार और मुर्गीपालन उद्योग की मांग बढ़ने से तेल खली का निर्यात लगातार घट रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर सोयाबीन खली की विदेशी बिक्री पर पड़ा है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अगस्त के दौरान देश का कुल तेल खली निर्यात 28.51 प्रतिशत गिरकर 12.82 लाख टन रह गया। इस अवधि में सोयाबीन खली का निर्यात 73 प्रतिशत घटकर महज 2.05 लाख टन रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7.57 लाख टन था।

पिछले साल के मुकाबले निर्यात में बड़ी कमी

उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-अगस्त अवधि में देश से 17.93 लाख टन तेल खली का निर्यात हुआ था। पूरे वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 37.68 लाख टन रहा था।

विदेशी बाजार में भारतीय उत्पाद महंगा

भारतीय सोयाबीन खली की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत अधिक होने से भी निर्यात प्रभावित हो रहा है। अगस्त में इसकी कीमत करीब 622 डॉलर प्रति टन थी, जबकि वैश्विक बाजार में मानक कीमत लगभग 445 डॉलर प्रति टन रही। अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे दक्षिण अमेरिकी देशों से सस्ती आपूर्ति मिलने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी हिस्सेदारी बढ़ रही है। घरेलू पशुपालन और मुर्गीपालन क्षेत्र की मजबूत मांग भारतीय सोयाबीन खली की ऊंची कीमतों की प्रमुख वजह है। पशु एवं मुर्गी आहार बनाने वाली कंपनियां घरेलू जरूरतें पूरी करने के लिए अधिक खरीदारी कर रही हैं। देश में सूखे की आशंका के चलते पॉल्ट्री कंपनियां भी अपना भंडार बढ़ाने में जुटी हैं। इसके अलावा, लाल सागर में जहाजों की आवाजाही में बाधाओं और समुद्री माल ढुलाई की ऊंची लागत ने भी निर्यात कारोबार को प्रभावित किया है।

अंतिम समय में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 107 अंक ऊपर

● मुंबई / एजेंसी

शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी देखी गई और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 107 अंक मजबूत हुआ।

सेंसेक्स 328 अंक चढ़कर 81,327 अंक पर खुला, लेकिन तुरंत लाल निशान में चला गया। उतार-चढ़ाव के बीच यह लगभग पूरे दिन लाल निशान में रहा। अंतिम समय में हरे निशान में लौटते हुए 107.25 अंक की बढ़त के साथ 81,106.65 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 58.25 अंक ऊपर 25,044.65 अंक पर बंद हुआ।



यह दोनों सूचकांकों का इस साल 27 फरवरी के बाद का उच्चतम स्तर है। रविवार को मुहूर्त कारोबार में इनमें हल्की गिरावट रही थी।

वृहत बाजार में भी आज लिवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.53 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.10 प्रतिशत ऊपर रहा।

बीएचईएल को जीएसटी विवाद में मिली राहत

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को जीएसटी विवाद में बड़ी राहत मिली है। तेलंगाना के वाणिज्यिक कर विभाग ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी पर लगाई गई 207.26 करोड़ रुपए की पूरी जीएसटी मांग रद्द कर दी है।

इसके साथ ही इस राशि पर लगने वाला ब्याज और जुर्माना भी समाप्त कर दिया गया है। कंपनी को यह आदेश 9 नवंबर 2026 को प्राप्त हुआ। तेलंगाना के वाणिज्यिक कर विभाग के सहायक आयुक्त ने इसे 7 नवंबर को जारी किया था। बीएचईएल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि इस फैसले का कंपनी की वित्तीय स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ेगा और उसे इस मामले में आगे कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है।

अमीरों की लिस्ट में 10वें नंबर पर खिसके हुआंग

नेटवर्थ 63 हजार करोड़ घटी ; चीनी महिला से अफेयर कबूला, अमेरिका को जासूसी का शक

चीनी महिला से अफेयर की खबरों के बाद जेन्सन हुआंग फोर्ब्स की लिस्ट में एक पायदान खिसककर 10वें नंबर पहुंच गए हैं। उनकी नेटवर्थ 6.80 बिलियन डॉलर घटकर 155.4 बिलियन डॉलर हो गई है। रुपए में ये ?63 हजार करोड़ कम होकर 14.32 लाख करोड़ हो गई है। हुआंग की नेटवर्थ में यह गिरावट कंपनी के शेयरों में आई बिकवाली के कारण हुई है। शेयर 7.97 डॉलर या 4.27त्न की गिरावट के साथ 178.67 डॉलर पर बंद हुआ है। कारोबार के दौरान ये 8त्न से ज्यादा गिरकर 170 डॉलर के करीब आ गया था। हालांकि बाद में इसमें रिकवरी आई।

जेन्सन हुआंग की संपत्ति का बड़ा हिस्सा एनवीडिया में उनकी हिस्सेदारी से जुड़ा है। हुआंग के पास एनवीडिया के 3.5त्न से ज्यादा शेयर हैं। वे कंपनी के सबसे बड़े व्यक्तिगत शेयरधारक हैं।

महिला एग्जीक्यूटिव से संबंध का आरोप

जिस महिला के साथ जेन्सन के संबंधों की बात आई है, उसका नाम एलिस हुआंग है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को शक है कि वह चीन के खुफिया विभाग के लिए काम कर रही थीं। जेनसन हुआंग ने भी सार्वजनिक तौर पर माना है कि वे अपनी पत्नी के प्रति ईमानदार नहीं रह सके।

जेन्सन हुआंग ने लिखा- मुझसे गलती हुई, मैं शर्मिंदा हूं

जेन्सन हुआंग ने रविवार को एनवीडिया के सभी कर्मचारियों को एक इंटरनल मैसेज भेजा। इसमें उन्होंने स्वीकार किया कि वे अपनी पत्नी के प्रति वफादार नहीं रहे। हुआंग ने लिखा मेरे इस कदम से मेरी पत्नी और बच्चों को गहरा दुख पहुंचा है। मुझे इसका पछतावा है। मेरी जिम्मेदारी आप सभी का भरोसा बनाए रखने की थी, लेकिन मैं इसमें नाकाम रहा।÷ हालांकि, अपने इस संदेश में उन्होंने एलिस हुआंग का नाम न लिया।

टीवी रिपोर्टर से कॉर्पोरेट वर्ल्ड आई एलिस हुआंग

एलिस हुआंग चीन की नागरिक है वे सिंगापुर की डेटा सेंटर कंप %मेगास्पीड% में सीनियर एग्जीक्यूटि के पद पर काम कर चुकी हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि एलिस टेक और डेटा सेंट बिजनेस में आने से पहले टीवी रिपो थीं। उनके निजी जीवन की ज्या डिटेल्स मौजूद नहीं हैं।

कब-कब साथ दिखे एलिस औ जेन्सेन हुआंग

जून 2024 (ताइपे)÷ लिंक्डइन प पोस्ट फोटो में एलिस हुआंग ताइपे एक बार में जेन्सेन हुआंग के साथ बै दिखी थीं, जहां वे अन्य टे एग्जीक्यूटिव्स के साथ व्हिस्की पी थे। मई 2025 (ताइपे)÷ढ्ढ सप्लाय के डिनर के बाद एलिस हुआंग ए रेस्टोरेंट के बाहर जेन्सेन हुआंग के ठी पीछे खड़ी दिखी थीं, जब मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। जू 2024 में ताइवान की राजधानी ताइपे एक बार में दोनों व्हिस्की पीते दिखे। त वहां कई और ढ्ढ एग्जीक्यूटिव भी थे।

जून 2024 में ताइवान की राजधा ताइपे के एक बार में दोनों व्हिस्की पी दिखे। तब वहां कई और ढ्ढ एग्जीक्यूटि भी थे। 2025 में ताइपे के एक डिनर दौरान जेन्सन हुआंग और एलिस हुआं का एक वीडियो स्क्रीनग्रैब।

2025 में ताइपे के एक डिनर दौरान जेन्सन हुआंग और एलिस हुआं का एक वीडियो स्क्रीनग्रैब। सिंगाप स्थित मेगास्पीड कंपनी ने 2024 के बा से एनवीडिया से लगभग 4.8 बिलिय डॉलर यानी करीब 45 हजार करोड़ रुप के एडवांस्ड प्रोफेसर्स और चिप्स खरीदे मेगास्पीड साउथ-ईस्ट एशिया एनवीडिया की सबसे बड़ी ग्राहकों में एक बन गई।

ऑनलाइन व्यापार — लोगों ने अपनी पसंद और खरीदारी का तरीका बदला, पूजा और सजावट से आगे बढ़ा

घरेलू उपकरणों और उपहारों की ऑनलाइन बिक्री में जोरदार उछाल

छोटे शहरों में भी बढ़ा रुझान, क्विक कॉमर्स मंचों पर दीयों से लेकर गिफ्ट हैंपर तक की मांग तेज



घरेलू उपकरणों पर भी बढ़ा खर्च

ऑनलाइन ब्रांडों को ई-कॉमर्स सेवाएं देने वाली कंपनी गोक्विक के मुताबिक, दिवाली से पहले 16 दिनों में उसके नेटवर्क पर कुल 1,328 करोड़ रुपए की बिक्री हुई। पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा करीब 732 करोड़ रुपए था। इस तरह बिक्री में 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, पिछले साल के आंकड़े 15 दिनों के हैं। कंपनी के नेटवर्क पर रोजाना की औसत बिक्री भी करीब 70 प्रतिशत बढ़कर 83 करोड़ रुपए पहुंच गई। इस दौरान सक्रिय ब्रांडों की संख्या में भी लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई। घर और रसोई से जुड़े उत्पादों की बिक्री में भी तेजी रही। दिवाली से पहले कुल बिक्री में इनकी हिस्सेदारी 9.3 प्रतिशत रही, जबकि सितंबर 2026 में यह 7 प्रतिशत थी। घरेलू उपकरणों की बिक्री सितंबर के मुकाबले 2.13 गुना हो गई। वहीं, रसोई और डाइनिंग से जुड़े सामान की बिक्री 73 प्रतिशत बढ़ी।

नई दिल्ली

इस साल दिवाली पर लोगों ने सिर्फ मिठाई, दीये और पूजा का सामान ही नहीं खरीदा, बल्कि घर की जरूरतों, रसोई के सामान, कपड़ों और उपहारों पर भी जमकर खर्च किया। ऑनलाइन खरीदारी के आंकड़े बताते हैं कि इस बार त्योहार पर लोगों की पसंद और खरीदारी का तरीका बदला है। अब त्योहार की तैयारियों के साथ घर के लिए नए उपकरण, व्यक्तिगत देखभाल से जुड़े उत्पाद और फैशन की चीजें भी बड़ी संख्या में मंगाई जा रही हैं।

जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और फ्लिपकार्ट मिनट्स जैसे क्विक कॉमर्स मंचों पर दिवाली के दौरान कई उत्पादों की बिक्री में तेज वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, ऑनलाइन ब्रांडों की बिक्री के आंकड़े भी त्योहार के दौरान बढ़े खर्च की तस्वीर पेश करते हैं।

दीयों और त्योहार के सामान की मांग बढ़ी

जेप्टो के मुताबिक, दिवाली के दौरान उसके मंच पर दीयों के 4.68 लाख ऑर्डर मिले। त्योहार पर पहने जाने वाले कपड़ों की मांग पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो गई। फूलों और मालाओं के ऑर्डर 2.5 गुना बढ़े, जबकि त्योहार के उपहारों वाले हैंपर की बिक्री तीन गुना हो गई। इससे पता चलता है कि लोग पूजा-पाठ से लेकर सजावट और उपहार तक की चीजें ऑनलाइन मंगाने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

पार्टी की तैयारियों में भी ऑनलाइन खरीदारी

स्विगी इंस्टामार्ट के अनुसार, दिवाली के दौरान पार्टी की तैयारियों से जुड़े सामान के ऑर्डर पिछले साल की तुलना में 162 प्रतिशत बढ़ गए। नमकीन, चिप्स और अन्य स्नैक्स की मांग में भी 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस बार ऑनलाइन खरीदारी का रुझान सिर्फ दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहा। रायपुर, मदुरै, गुवाहाटी, त्रिशूर और कोल्लम जैसे छोटे शहरों में भी त्योहार के दौरान खरीदारी में तेजी देखने को मिली।

सजावट के सामान और लिफाफों की बिक्री में उछाल

फ्लिपकार्ट मिनट्स के मुताबिक, 6 से 8 नवंबर के बीच दीयों, लालटेन और राइस लाइट्स के ऑर्डर उससे पहले के तीन दिनों की तुलना में दोगुने हो गए। मोमबत्तियों, तोरण और डिफ्यूजर सेट की मांग तीन गुना बढ़ी। धनतेरस पर उपहार देने के लिए इस्तेमाल होने वाले लिफाफों की बिक्री में चार गुना वृद्धि दर्ज की गई।

टाटा की आईफोन कंपोनेंट फैक्ट्री में 3 कर्मचारियों की मौत

अमेरिकी टेक दिग्गज कंपनी एपल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड की तमिलनाडु फैक्ट्री में हुई उस घटना की जांच करेगी जहां तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी की आईफोन कंपोनेंट फैक्ट्री में सोमवार शाम पानी की टंकी की सफाई के दौरान दम घुटने (एस्फिक्सियेशन) से इन तीन कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की जान चले गई। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा के इस आईफोन पार्ट्स प्लांट में प्रोडक्शन पर कोई असर नहीं पड़ा है।

यॉट प्रदर्शनी पर दिखा ड्रोन, आतिशबाजी का संगम

QATAR BOAT SHOW 2026



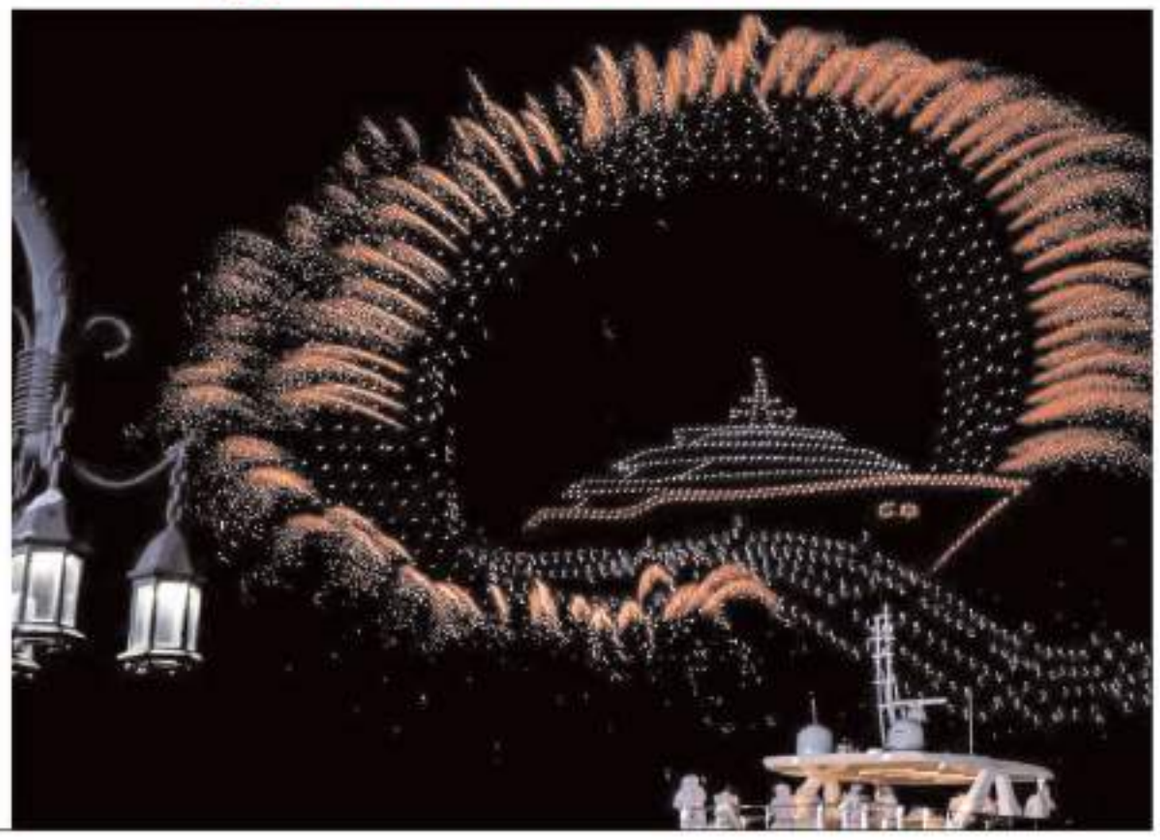

कतर की राजधानी दोहा के ओल्ड दोहा पोर्ट पर आयोजित तीसरे कतर बोट शो में लग्जरी यॉट के साथ आतिशबाजी और ड्रोन शो ने आकर्षण बढ़ाया। 4 से 7 नवंबर तक चले इस आयोजन में दुनिया की प्रमुख यॉट निर्माता कंपनियों और समुद्री उद्योग से जुड़े प्रदर्शकों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनी को छह हिस्सों में बांटा गया था, जिनमें मेगा यॉट, सुपरयॉट, स्पीडबोट, मरीन टेक्नोलॉजी, समुद्री उपकरण और मछली पकड़ने से जुड़े उत्पाद प्रदर्शित किए गए। 15 मीटर से अधिक लंबी नौकाओं के लिए अलग डिस्प्ले जोन बनाया गया था। इसमें ओशियनको, फीडशिप, अजीमुट, बेनेटी और गल्फ क्राफ्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड शामिल थे। आयोजन में समुद्र से जुड़े कतर के पारंपरिक इतिहास को भी जगह दी गई। शाम को वॉटरफ्रंट पर आतिशबाजी, समन्वित ड्रोन डिस्प्ले और लाइव म्यूजिक के कार्यक्रम हुए।

EXPERIMENTAL ART PERFORMANCE

हवा खींचकर शरीर को परतों में समेटने की कला



जर्मनी के हाले शहर स्थित उलरिख चर्च में बेल्जियम के कलाकार लॉरेंस मालस्टाफ ने अपनी अनोखी प्रस्तुति 'स्किंक 01995' दिखाई। इसमें प्रतिभागियों को दो बड़ी पारदर्शी प्लास्टिक शीट के बीच रखा जाता है। फिर मशीन से दोनों शीट के बीच की हवा निकाल दी जाती है, जिससे वे शरीर से चिपक जाती हैं और व्यक्ति हवा में लटका दिखाई देता है। सांस लेने के लिए दो नलियां लगी होती हैं। करीब 20 मिनट की इस प्रस्तुति में स्थानीय लोगों ने भी हिस्सा लिया।



GIANT HAND OF VYRNWY



क्षतिग्रस्त पेड़ पर कलाकार ने बनाई विशाल हथेली

ब्रिटेन के वेल्स में लेक विर्नवी के पास तूफान से क्षतिग्रस्त एक पेड़ को कलाकार साइमन ओ'रूर्क ने अनोखी कलाकृति में बदल दिया। पेड़ को काटने की तैयारी थी, लेकिन कलाकार ने उसके बचे हुए तने पर आसमान की ओर उठती विशाल हथेली तराश दी। इसे 'जायंट हैंड ऑफ विर्नवी' नाम दिया गया। इस कलाकृति को बनाने में दो दिन मचान तैयार करने और छह दिन चेनसॉ व ग्राइंडर से नक्काशी करने में लगे। तना पूरी हथेली के लिए पर्याप्त चौड़ा नहीं था, इसलिए अंगूठे और छोटी उंगली अलग से बनाकर जोड़ी गईं।

FLORAL ART INSTALLATION

फूलों-पौधों से तैयार की बिल्ली की आकृति

चीन की राजधानी बीजिंग के ऐतिहासिक जेइहाई पार्क में फूलों और पौधों से तैयार बिल्ली की कलाकृति लोगों को आकर्षित कर रही है। इसे फुदुओर नाम दिया गया है, जिसका अर्थ है 'खुशियों और सौभाग्य का फूल'। यह बिल्ली पार्क में आयोजित 47वीं बीजिंग गुलदाउदी प्रदर्शनी का हिस्सा है। इसकी बनावट में गोल्डन लीफ स्वीट फ्लैग, सेज घास, थाइम और छोटी गुलदाउदी सहित कई तरह के पौधों का इस्तेमाल किया गया है। इसे इस तरह बनाया गया है कि बिल्ली का शरीर झुका हुआ, एक पंजा उठा हुआ और पूंछ ऊपर की ओर दिखाई देती है। इसके आसपास खिले गुलदाउदी के फूलों के बीच तितलियों की आकृतियां भी बनाई गई हैं। प्रदर्शनी में 600 से अधिक किस्मों के 50 हजार पौधे लगाए गए हैं।



जापान में प्राचीन हथियारों से युद्धकला का प्रदर्शन

JAPANESE KOBUDO



टोक्यो स्थित मेइजी जिंगू श्राइन में पारंपरिक जापानी मार्शल आर्ट कोबुडो का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान अभ्यासकर्ताओं ने मैचलॉक बंदूकों के साथ युद्धक कला का प्रदर्शन किया। कोबुडो जापान की पारंपरिक हथियार-आधारित युद्धकलाओं का समूह है, जिसमें तलवार, भाला और अन्य पारंपरिक हथियारों के इस्तेमाल का प्रशिक्षण शामिल है। इस प्रदर्शन के जरिए जापान की सदियों पुरानी युद्धक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। इस आयोजन में जापान की 58 पारंपरिक मार्शल आर्ट शैलियों के करीब 400 अभ्यासकर्ताओं ने हिस्सा लिया। यह प्रदर्शन हर साल जापान के संस्कृति दिवस के अवसर पर आयोजित किया जाता है।

FRANCE WAGE PROTEST

फ्रांस में डेडपूल के भेष में नजर आए प्रदर्शनकारी



फ्रांस के ल्योन शहर में वेतन बढ़ाने और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान एक प्रदर्शनकारी सुपरहीरो डेडपूल की पोशाक पहनकर खिलौने वाले यूनिकॉर्न पर सवार नजर आया। यह प्रदर्शन देशभर में मजदूर संगठनों की हड़ताल और रैलियों का हिस्सा था। इसमें कर्मचारी, छात्र और श्रमिक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने बढ़ती महंगाई के बीच वेतन और पेंशन में बढ़ोतरी, बेहतर सार्वजनिक सेवाओं और स्कूलों में शिक्षा सुविधाएं सुधारने की मांग उठाई।

चेहरे जिनके जिक्र के बिना दुनिया अधूरी

ब्रैम स्टोकर

"रहस्य की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह जिज्ञासा को जिंदा रखता है।" -ब्रैम स्टोकर

साहित्य में वैम्पायर को लोकप्रिय बनाने वाले लेखक थे स्टोकर

ब्रैम स्टोकर आयरलैंड के प्रसिद्ध लेखक थे, जिन्हें दुनिया भर में उनके उपन्यास 'ड्रैकुला' के लिए जाना जाता है। 1897 में प्रकाशित इस उपन्यास ने वैम्पायर यानी पिशाच की कल्पना को साहित्य में एक नई पहचान दी। स्टोकर ने अपने लेखन में रहस्य, डर और रोमांच को इस तरह जोड़ा कि यह उपन्यास आज भी पाठकों को आकर्षित करता है।



शिक्षा

ब्रैम स्टोकर ने 1854 में ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन में दाखिला लिया। यहां उन्होंने कला विषयों के साथ खेल और वाद-विवाद में भी रुचि दिखाई। वह कॉलेज में रग्बी खेलते थे और पैदल दौड़ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते थे। 1866 में उन्हें यूनिवर्सिटी एथलीट चुना गया। उन्होंने 1870 में स्नातक की डिग्री और 1875 में मास्टर डिग्री हासिल की। कॉलेज के दौरान वह दो प्रमुख छात्र संस्थाओं के शीर्ष पदों पर भी रहे। स्टोकर उपन्यासकार के साथ-साथ पत्रकार भी थे।

योगदान : ब्रैम स्टोकर ने अपने साहित्यिक जीवन में 11 उपन्यास लिखे। इनमें 'ड्रैकुला' उनकी सबसे चर्चित रचना बनी। इस उपन्यास ने वैम्पायर पर आधारित कहानियों, फिल्मों और नाटकों के लिए एक प्रभावशाली आधार तैयार किया। उनकी दूसरी चर्चित रचनाओं में 'द स्नैक्स पास', 'द ज्वेल ऑफ सैवन स्टार्स' और 'द लेयर ऑफ द व्हाइट वर्म' शामिल हैं।

बीमारी के चलते सात साल बिस्तर पर बीते

ब्रैम स्टोकर का जन्म आयरलैंड के डबलिन के क्लॉन्टार्फ इलाके में हुआ था। वह सात भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर थे। बचपन में एक अज्ञात बीमारी के कारण वह करीब सात साल की उम्र तक ज्यादातर समय बिस्तर पर ही रहे। बाद में उनकी सेहत में सुधार हुआ और उन्होंने खेलों में रुचि लेना शुरू किया। उनकी मां शार्लट उन्हें आयरलैंड में फैली महामारियों और डरावनी घटनाओं से जुड़ी कहानियां सुनती थीं।

सरकारी नौकरी के साथ पत्रकारिता की

कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद स्टोकर ने अपने पिता की तरह डबलिन कैसल में सरकारी नौकरी शुरू की। वह वहां न्यायिक मामलों से जुड़े कार्यालय में काम करते थे। इसी दौरान उनकी रुचि लेखन और थिएटर की ओर भी बढ़ी। उन्होंने 'डबलिन इवनिंग मेल' के लिए नाटकों की समीक्षा लिखी और कुछ समय तक 'द अदर्स' इको नाम का अखबार भी संपादित किया।



आयरलैंड के डबलिन स्थित बकिंघम स्ट्रीट पर बैम स्टोकर को समर्पित स्मारक पट्टिका और ड्रैकुला म्यूरल।

हेनरी इरविंग के साथ 27 साल काम किया

1576 में स्टोकर ने अभिनेता हेनरी इरविंग के नाटक हैमलेट की समीक्षा लिखी। समीक्षा से प्रभावित होकर इरविंग ने उन्हें मिलने के लिए बुलाया। इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई। 1973 में इरविंग ने उन्हें लंदन के लायसीयम थिएटर में अपना प्रबंधक बनने का प्रस्ताव दिया। स्टोकर ने सरकारी नौकरी छोड़कर यह जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने थिएटर के हिसाब-किताब, प्रचार, कलाकारों और विदेशों में होने वाले दौरों का प्रबंधन किया।

नदी में डूबते व्यक्ति को बचाने की कोशिश की

स्टोकर का जीवन केवल लेखन और थिएटर तक सीमित नहीं था। 1882 में टेम्स नदी में एक व्यक्ति के गिरने पर उन्होंने उसे बचाने के लिए स्टीमर से नदी में छलांग लगा दी। हालांकि उस व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका, लेकिन इस प्रयास के लिए स्टोकर को रॉयल ह्यूमेन सोसाइटी का कांस्य पदक दिया गया। यह उनके जीवन का ऐसा पहलू था, जो उनके साहित्यिक परिचय से अलग उनकी साहसिकता को भी दिखाता है।

ड्रैकुला लिखने के लिए सात साल तक की रिसर्च

स्टोकर ने 1890 में ड्रैकुला' लिखने के लिए जानकारी जुटाना शुरू किया। उन्होंने वैम्पायर से जुड़ी लोककथाओं, पुरानी किताबों और यात्रा-विवरणों का अध्ययन किया। इसी दौरान ये इंग्लैंड के व्हिटबी शहर गए। वहां का समुद्री तट, पुराना चर्च और खंडहर उपन्यास के माहौल का हिस्सा बने। खास बात यह है कि स्टोकर कभी ट्रांसिल्वेनिया नहीं गए थे। उन्होंने वहां की जगहों और रहस्यमयी माहौल को नक्शों, किताबों और लोककथाओं के आधार पर रचा।

ड्रैकुला नाम और किरदार के पीछे थीं किताबें

ड्रैकुला का किरदार तैयार करने के लिए स्टोकर ने कई किताबों का अध्ययन किया। इनमें विलियम विल्किंसन की 1820 में प्रकाशित पुस्तक 'एन अकाउंट ऑफ द प्रिंसिपैलिटीज ऑफ वैलाकिया एंड मोल्दाविया' शामिल थी। इससे उन्हें ड्रैकुला नाम के बारे में जानकारी मिली। वहीं, लेखिका एमिली जेरार्ड के लेखन से उन्होंने ट्रांसिल्वेनिया की लोककथाओं और अंधविश्वासों को समझा। इसके अलावा, उन्होंने वैम्पायर और येयरबुल्फ से जुड़ी किताबें भी पढ़ीं।

आईपीएल 2027 , मिनी नीलामी से पहले फेंचाइजी में मची हलचल

ऋषभ पंत की दिल्ली में वापसी, कुलदीप लखनऊ पहुंचे

मुंबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले ट्रेड विंडो में बड़ा फेरबदल देखने को मिल रहा है। आगामी सत्र के लिए सभी फ्रेंचाइजी अपनी टीमों को मजबूत करने और खिलाड़ियों के संयोजन को बेहतर बनाने में जुटी हैं। इसी बीच आठ खिलाड़ियों की टीमों में बदलाव ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। सबसे ज्यादा चर्चा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स में वापसी और भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव के लखनऊ सुपर जाएंट्स में शामिल होने को लेकर है। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच चार खिलाड़ियों का बड़ा लेनदेन हुआ है।

इस बार ट्रेड विंडो में भारतीय खिलाड़ियों के साथ इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर भी शामिल हैं। इन बदलावों से आगामी सत्र में कई टीमों की रणनीति और खिलाड़ियों की भूमिका बदल सकती है।

ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स में घर वापसी

इस ट्रेड विंडो का सबसे बड़ा नाम ऋषभ पंत हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स से दिल्ली कैपिटल्स में उनकी वापसी हुई है। उनकी ट्रेड वैल्यू 15 करोड़ रुपये तय की गई है। पंत इससे पहले दिल्ली की कप्तानी कर चुके हैं और इसी टीम के साथ उन्होंने आईपीएल में अपनी पहचान बनाई थी। गौरतलब है कि 2025 की बड़ी नीलामी में लखनऊ ने पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब 15 करोड़ रुपये की ट्रेड वैल्यू के साथ उनकी दिल्ली वापसी हुई है। पंत के आने से दिल्ली की बल्लेबाजी और नेतृत्व क्षमता को



लियाम लिविंगस्टोन अब चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा

इंग्लैंड के विस्फोटक ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन सनराइजर्स हैदराबाद से चेन्नई सुपर किंग्स में पहुंच गए हैं। उनकी ट्रेड वैल्यू छह करोड़ रुपये है। लिविंगस्टोन बड़े शॉट लगाने के साथ ऑफ स्पिन और लेग स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। उनके आने से चेन्नई का मध्यक्रम और ऑलराउंड विभाग मजबूत हो सकता है।

रजत पाटीदार अब बेंगलुरु की टीम में पहुंचे| चेन्नई सुपर किंग्स के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद अब सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलेंगे। उनकी ट्रेड वैल्यू 4.8 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

जैक एडवर्ड्स को चेन्नई ने अपने खेमे जोड़ा ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स सनराइजर्स हैदराबाद से चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हुए हैं। उनकी ट्रेड वैल्यू तीन करोड़ रुपये है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में योगदान देने की क्षमता के चलते वह चेन्नई के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। उनके आने से टीम के विदेशी खिलाड़ियों के विकल्प भी बढ़ेंगे।

कुलदीप यादव अब लखनऊ सुपर जाएंट्स ऋषभ पंत के दिल्ली पहुंचने के साथ ही कुलदीप यादव ने लखनऊ सुपर जाएंट्स का दामन थाम लिया है। उनकी ट्रेड वैल्यू 13.50 करोड़ रुपये रखी गई है। भारतीय टीम के प्रमुख बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप अपनी फिरकी और विकेट लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। लखनऊ को उम्मीद होगी कि उनके आने से स्पिन गेंदबाजी मजबूत होगी।

जीशान अंसारी दिल्ली कैपिटल्स में शामिल| टी नटराजन के बदले दिल्ली कैपिटल्स ने लेग स्पिनर जीशान अंसारी को अपनी टीम में शामिल किया है। उनकी ट्रेड वैल्यू 40 लाख रुपये है। 26 वर्षीय जीशान अपनी लेग स्पिन से बल्लेबाजों को चुनौती देने की क्षमता रखते हैं। दिल्ली को उनसे स्पिन विभाग में अतिरिक्त मजबूती मिलने की उम्मीद है।

टी नटराजन की हैदराबाद में वापसी| बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन दिल्ली कैपिटल्स से सनराइजर्स हैदराबाद पहुंच गए हैं। उनकी ट्रेड वैल्यू पांच करोड़ रुपये तय हुई है। नटराजन पहले भी हैदराबाद की ओर से खेल चुके हैं। सटीक यॉर्कर और अंतिम ओवरों में प्रभावी गेंदबाजी उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उनके अनुभव से हैदराबाद को गेंदबाजी में फायदा मिल सकता है।

टीम इंडिया का ऐलान दिसंबर में साउथ अफ्रीका से होगी 7 मैचों की भिड़ंत



नई दिल्ली। साल के आखिरी महीने में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का साउथ अफ्रीका में बड़ा इम्तिहान होने जा रहा है। इस दौरे पर टीम इंडिया टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में मेजबान टीम से भिड़ेगी। इसके लिए भारतीय चयनकर्ताओं ने तीनों फॉर्मेट की टीमों का ऐलान कर दिया है। स्मृति मंधाना को एक बार फिर टीम की कमान सौंपी गई है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों में कप्तानी करेंगी।

भारतीय महिला टीम दिसंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेगी। दौरे की शुरुआत 9 दिसंबर को गकेबरहा में होने वाले टेस्ट मुकाबले से होगी। इसके बाद वनडे सीरीज और फिर टी20 सीरीज खेली जाएगी। चयनकर्ताओं ने तीनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग टीम चुनी हैं, हालांकि टेस्ट और वनडे टीम में खिलाड़ियों का बड़ा हिस्सा समान है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण करीब चार महीने तक मैदान से दूर रहने के बाद साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

एशेज सीरीज भी नहीं बचा पाएगी खजाना!

भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे पर नहीं जाने से ईसीबी को लगेगा 627 करोड़ का झटका

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड क्रिकेट के लिए साल 2027 आर्थिक मोर्चे पर बड़ी चुनौती लेकर आ सकता है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को इस साल करीब 5 करोड़ पाउंड यानी लगभग 627 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। हैरानी की बात यह है कि इसी साल इंग्लैंड की धरती पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रतिष्ठित एशेज सीरीज भी खेली जाएगी, लेकिन इससे होने वाली कमाई भी बोर्ड के संभावित घाटे की भरपाई नहीं कर पाएगी। इस आर्थिक संकट की सबसे बड़ी वजह भारतीय क्रिकेट टीम का इंग्लैंड दौरे पर नहीं आना माना जा रहा है।

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईसीबी के सामने आर्थिक संकट की दो प्रमुख वजहें हैं। पहली वजह 2027 में भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा नहीं होना है, जबकि दूसरी वजह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा सदस्य देशों को वितरित किए जाने वाले प्रसारण राजस्व का कुछ हिस्सा अपने पास रखने का फैसला है। भारतीय क्रिकेट टीम का इंग्लैंड दौरा बोर्ड के लिए कमाई का बड़ा जरिया होता है। भारत में क्रिकेट की जबरदस्त लोकप्रियता और विशाल दर्शक संख्या के कारण भारतीय टीम के मुकाबलों के प्रसारण अधिकार काफी महंगे बिकते हैं। ऐसे में 2027 में भारत के दौरे की अनुपस्थिति से ईसीबी को बड़ी व्यावसायिक कमाई का नुकसान उठाना पड़ सकता है।



प्रसारण समझौते पर भी संकट

ईसीबी का सोनी पिक्चर्स के साथ छह साल का प्रसारण समझौता है, जिसकी कीमत 18.5 करोड़ पाउंड यानी करीब 2,323 करोड़ रुपये बताई गई है। यह करार 2028 में समाप्त होगा। इसके बाद नए समझौते में पहले के मुकाबले कम रकम मिलने की आशंका जताई जा रही है। इससे बोर्ड की भविष्य की आमदनी पर भी दबाव बढ़ सकता है। आर्थिक परेशानी की दूसरी बड़ी वजह आईसीसी का वर्ष 2027 में सदस्य देशों को दिए जाने वाले प्रसारण राजस्व का एक हिस्सा अपने पास रखने का निर्णय है। इसका प्रभाव सभी 12 पूर्ण सदस्य देशों पर पड़ सकता है। वर्ष 2028 से शुरू होने वाले नए व्यावसायिक चक्र में प्रसारण से कम कमाई की आशंका को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

घाटा 627 से घटाकर 439 करोड़ करने की कोशिश| ईसीबी इस संभावित नुकसान को कम करने के लिए आईसीसी से बातचीत कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड घाटे को 5 करोड़ पाउंड से घटाकर करीब 3.5 करोड़ पाउंड यानी 439 करोड़ रुपये तक सीमित रखना चाहता है। हालांकि, आईसीसी कितना राजस्व अपने पास रखेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। इस आर्थिक संकट का असर इंग्लैंड के घरेलू क्रिकेट पर भी दिखाई दे सकता है। देश की 18 काउंटी टीमों में से 10 अपने हालिया वित्तीय खातों में घाटा दर्ज कर चुकी हैं। इनमें से कई टीमें ईसीबी की आर्थिक मदद पर निर्भर हैं। गौरतलब है कि ईसीबी ने 2025 में 1.26 करोड़ पाउंड का मुनाफा दर्ज किया था, लेकिन 2027 की वित्तीय चुनौतियां बोर्ड के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।

न्यूजीलैंड दौरे के बीच टीम इंडिया में बड़ा बदलाव!

गंभीर वनडे टीम के साथ रहेंगे टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए कोटक-मोर्कल संभालेंगे मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबलों से पहले टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ को जिम्मेदारियों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। तीसरे वनडे के बाद भारतीय कोचिंग टीम दो हिस्सों में बंट जाएगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर और स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले वनडे टीम के साथ माउंट माउंगानुई में रहेंगे, जबकि बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक और तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल टेस्ट टीम की तैयारियों के लिए वेलिंगटन रवाना होंगे।

टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए अलग होगा कोचिंग स्टाफ- हेमिल्टन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गौतम गंभीर वनडे टीम के साथ रहेंगे



और संभव है कि साईराज बहुतुले भी उनके साथ रुकें। वहीं, वह खुद मोर्ने मोर्कल और कुछ अन्य सहयोगी स्टाफ के साथ वेलिंगटन जाएंगे। कोटक ने यह भी स्पष्ट किया कि योजना में बदलाव की संभावना बनी हुई है और अंतिम फैसला गौतम गंभीर ही लेंगे। टीम प्रबंधन खिलाड़ियों की फिटनेस और अभ्यास को ध्यान में रखते हुए तैयारियों की रूपरेखा तय करेगा।

गिल और राहुल समेत ये खिलाड़ी जुड़ेंगे टेस्ट टीम से

योजना के मुताबिक, सीतांशु कोटक और मोर्ने मोर्कल 11 फरवरी को कप्तान शुभमन गिल, कैप्टन राहुल, अंशुल कांबोज, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव के साथ वेलिंगटन पहुंचेंगे। ये सभी खिलाड़ी वनडे सीरीज के चौथे और पांचवें मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, तेज गेंदबाज गुरनूर बरार, ऑकिब नबी और अर्शदीप सिंह के टेस्ट टीम के साथ नेट गेंदबाज और रिजर्व खिलाड़ियों के रूप में रुकने की संभावना है। गौतम गंभीर और साईराज बहुतुले वनडे टीम के साथ अपनी जिम्मेदारी पूरी करने के बाद 16 फरवरी को पांचवें वनडे के अगले दिन माउंट माउंगानुई से रवाना होंगे। उनके साथ गुरनूर बरार, ऑकिब नबी और अर्शदीप सिंह भी यात्रा कर सकते हैं।

भारत-न्यूजीलैंड तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द

टॉस हुआ लेकिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी, भारत अब सीरीज नहीं हार सकता

हैमिल्टन। बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला तीसरा वनडे मैच रद्द कर दिया गया। हैमिल्टन में मंगलवार को सिर्फ टॉस हो सका। तय किया गया कि मुकाबला 40-40 ओवर का होगा। लेकिन, लगातार बारिश के कारण बिना एक भी गेंद फेंके मैच रद्द कर दिया गया।

यह मैच धुल जाने से इतना तय हो गया है कि टीम इंडिया अब यह सीरीज नहीं हार सकती। पांच मैचों की सीरीज के पहले दो मुकाबले भारत जीत चुका है। अब अगर न्यूजीलैंड आखिरी दो मैच जीत भी लेता है तो भी सीरीज बराबर ही होगी।

सबसे ज्यादा वनडे रद्द होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत और न्यूजीलैंड के नाम

वनडे क्रिकेट में बारिश सहित अन्य कारणों से सबसे ज्यादा मैच रद्द होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत और न्यूजीलैंड के नाम ही दर्ज है। भारत ने अब तक 1086 वनडे खेले हैं। इनमें से 44 रद्द हुए हैं। न्यूजीलैंड के 860 वनडे में से 44 रद्द हुए हैं।

भारत सीरीज में 2-0 से आगे

हैमिल्टन में लगातार बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे रद्द हो गया। मैच रद्द होने के साथ ही दोनों टीमों के खिलाड़ी हाथ मिलाते नजर आए। अब सीरीज



के बाकी दो मुकाबले 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेले जाएंगे। भारत 5 मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। माउंट माउंगानुई में फिलहाल मौसम अच्छा रहने का अनुमान है, ऐसे में बाकी दोनों मैच पूरे होने की उम्मीद है।

ग्राउंड स्टाफ ने रन-अप को भी कवर किया

हैमिल्टन में फिलहाल खेल शुरू होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। ग्राउंड स्टाफ ने पिच के साथ-साथ गेंदबाजों के रन-अप वाले हिस्से को भी कवर्स से ढक दिया है। मैदान पर अभी कवर्स हटाने की कोई हलचल नहीं है।

मैदान से कवर्स नहीं हटाए गए

हैमिल्टन में अंपायर अब भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे मैदान का इन्स्पेक्शन करेंगे। फिलहाल मैदान से कवर्स नहीं हटाए गए हैं। निरीक्षण के बाद ही मैच को लेकर अगला फैसला लिया जाएगा।

हैमिल्टन में फिर हल्की बूंदाबांदी शुरू

हैमिल्टन में एक बार फिर हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई, लेकिन कुछ ही देर बाद बारिश रुक गई। मैदान से कवर्स हटाए जा रहे हैं। मौसम में भी सुधार दिख रहा है और आसमान पहले से साफ नजर आ रहा है।

टॉस के दौरान फिर शुरू हुई बूंदाबांदी, पिच को दोबारा ढका

टॉस के दौरान मैदान पर फिर हल्की बारिश शुरू हो गई। पिच को कवर्स से ढक दिया गया है। आसमान में काले बादल छाए हुए हैं, जिसके चलते ग्राउंड स्टाफ ने बड़े कवर्स भी मैदान पर मंगवा लिए हैं।

न्यूजीलैंड की प्लेइंग-11 में एक बदलाव

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि टीम ने मंगलवार को अच्छी प्रैक्टिस की थी। पिच काफी समय से कवर्स के नीचे रही है, इसलिए उसमें नमी हो सकती है। न्यूजीलैंड ने प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है। मैट फिशर को जैकब डफी की जगह टीम में शामिल किया गया है।

भारत ने प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया

कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि मौसम साफ होने की उम्मीद है और टीम पिछले मैचों की अच्छी बातों को दोहराना चाहेगी। भारत ने प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया है। गिल ने लगातार दूसरी बार टेल्स चुना और टॉस जीत लिया। टॉस से ठीक पहले हैमिल्टन में फिर बूंदाबांदी शुरू हो गई है। इसके बाद स्टंप हटाकर पिच को दोबारा कवर्स से ढक दिया गया है। हालांकि, बारिश हल्की है और खिलाड़ी मैदान पर ही मौजूद हैं।

आर्यवीर सहवाग ने 168 बॉल पर 160 रन बनाए

अंडर-19 एशिया कप में विनीत का अर्धशतक, भारत ने यूएई 310 रन का टारगेट दिया



□ एजेंसी नई दिल्ली

भारत ने अंडर-19 एशिया कप में यूएई को 310 रन का टारगेट दिया है। अल अमरत में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 309 रन बनाए। आर्यवीर सहवाग ने शतक लगाया। उन्होंने वीके विनीत के साथ दूसरे विकेट के लिए 193 रन की साझेदारी की।

आर्यवीर ने 17 चौके और 7 छक्के लगाए

आर्यवीर ने 168 गेंदों पर 160 रन बनाए। उनकी पारी में 17 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। उनका स्ट्राइक रेट 95.23 रहा। वे 44.2 ओवर में 255 रन के स्कोर पर आउट हुए। उन्हें नसीम खान ने उड्डिश सूरी के हाथों कैच कराया।

आर्यवीर ने गिल-मयंक के रिकॉर्ड की बराबरी की

आर्यवीर सहवाग ने अंडर-19 वनडे में भारत के लिए पांचवा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। उन्होंने शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल के 160 रन की बराबरी की। अंबाती रायडू के नाम सबसे बड़ी भारतीय पारी का रिकॉर्ड हैं। उन्होंने 2002 में नाबाद 177 रन बनाए थे। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में 175 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी दूसरे स्थान पर हैं।

विनीत ने भी लगाई फिफ्टी

वीके विनीत ने 69 गेंदों पर 67 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 3 छक्के लगाए। आर्यवीर और विनीत ने दूसरे विकेट के लिए 193 रन जोड़े। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी 17 रन बनाकर आउट हुए थे।

आखिरी ओवरों में भारत ने गंवाए 5 विकेट

भारत ने 44.2 ओवर में 255 रन पर दूसरा विकेट गंवाया था। इसके बाद टीम ने तेजी से रन बनाए, लेकिन आखिरी ओवरों में विकेट भी गंवाए। यशवर्धन चौहान ने 10 गेंदों पर 17 और अन्वय द्रविड़ ने 9 गेंदों पर 12 रन बनाए। मोहम्मद उल्वा 2 गेंदों पर 7 रन बनाकर नाबाद रहे। यूएई की ओर से नसीम खान सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 48 रन देकर 4 विकेट लिए। हिदायत उल्लाह, नूरुल्लाह अयोबी और अयान मिस्बाह को एक-एक विकेट मिला।

धनबाद पुलिस की बड़ी उपलब्धि : दर्ज मामलों में 71 से अधिक कांडों का निष्पादन, लंबित मामले घटकर 1562 पर पहुंचे

यातायात नियम तोड़ने वालों से अक्टूबर माह में वसूला गया 53 लाख का जुमार्ना

- नवंबर अंत तक लंबित कांडों को 1500 से नीचे लाने का लक्ष्य
- छठ पर ड्रोन से होगी निगरानी, शहर के चौक-चौराहों पर लगेंगे 149 सीसीटीवी कैमरे

रफ्तार मीडिया संवाददाता





धनबाद : अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर धनबाद पुलिस ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। अक्टूबर महीने में धनबाद पुलिस ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए दर्ज मामलों से 71 अधिक कांडों का निष्पादन किया है। अक्टूबर में जहां जिले के विभिन्न थानों में 412 आपराधिक मामले दर्ज किए गए, वहीं पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 483 मामलों का निष्पादन किया। इसके परिणामस्वरूप लंबित कांडों की संख्या घटकर 1562 रह गई है। एसएसपी प्रभात कुमार ने नवंबर के अंत तक लंबित मामलों के इस आंकड़े को 1500 से नीचे लाने का कड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। समाहरणालय स्थित पुलिस सभागार में मंगलवार को एसएसपी प्रभात कुमार की अध्यक्षता में अक्टूबर माह की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिले के सभी डीएसपी, एसडीपीओ, इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी और ओपी प्रभारी मौजूद रहे।

चोरी और चेन छिनतई के अपराधियों पर कसेगा शिकंजा

एसएसपी प्रभात कुमार ने समीक्षा बैठक के बाद बताया कि अक्टूबर महीने में जिले में कोई बड़ी आपराधिक वारदात सामने नहीं आई है और अधिकांश घटनाओं का पुलिस ने सफलतापूर्वक उद्भेदन कर लिया है। शहर में हुई चोरी और चेन छिनतई की घटनाओं में संलिप्त अपराधियों की पहचान कर ली गई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

शहर में लगेंगे 149 सीसीटीवी कैमरे, जल्द निकलेगा टेंडर

अपराध पर नकेल कसने और शहर की सुरक्षा-यातायात व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए जिले के प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर 149 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही टेंडर निकाला जाएगा। वहीं, दूसरी ओर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए अक्टूबर माह में करीब 53 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया है।

गोविंदपुर फ्लाईओवर के पास तैनात होगा अतिरिक्त ट्रैफिक बल

शहर में आए दिन लगने वाले जाम से निजात पाने के लिए एसएसपी ने विशेष निर्देश दिए हैं। गोविंदपुर में निमार्णाधीन फ्लाईओवर के पास लगने वाले भारी जाम को देखते हुए वहां अतिरिक्त ट्रैफिक बल की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा सरायढेला बिग बाजार, हीरापुर, श्रमिक चौक और बैंक मोड़ जैसे व्यस्त इलाकों में जाम की समस्या से निपटने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जा रही है। एसएसपी ने स्वीकार किया कि पार्किंग की उचित व्यवस्था न होना जाम का एक मुख्य कारण है, जिसके स्थायी समाधान के लिए नगर आयुक्त के साथ बैठक कर व्यवस्था को दुरुस्त करने पर चर्चा की जाएगी।

छठ महापर्व पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, ड्रोन से होगी निगरानी

आगामी लोक आस्था के महापर्व 'छठ' को लेकर धनबाद पुलिस ने सुरक्षा का व्यापक खाका तैयार किया है। प्रमुख छठ घाटों और संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ भीड़भाड़ वाले इलाकों में ड्रोन से पैनी नजर रखी जाएगी। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के तहत चिन्हित खतरनाक घाटों पर गोताखोरों की तैनाती की जाएगी। साथ ही प्रमुख मार्गों और घाटों पर पर्याप्त रोशनी के इंतजाम होंगे। बैठक के अंत में एसएसपी ने स्पष्ट किया कि छठ महापर्व के शांतिपूर्ण संपन्न होने के बाद जिले में अपराधियों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें फरार अपराधियों की गिरफ्तारी और वारंट-कुर्की के निष्पादन पर विशेष जोर रहेगा।

शिकारीपाड़ा में अहले सुबह ग्रामीणों ने निभाई अनोखी परंपरा, पुराने सूप डलिया बजाकर भगायी दरिद्रता और मां लक्ष्मी के प्रवेश की कामना की

रफ्तार मीडिया संवाददाता



शिकारीपाड़ा /दुमका : क्षेत्र में लोक संस्कृति और प्राचीन मान्यताओं से जुड़ी एक अनूठी परंपरा मंगलवार को अहले सुबह करीब चार बजे देखने को मिली। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में ग्रामीणों ने अहले सुबह उठकर अपने-अपने घरों से दरिद्रता को बाहर निकाला और गांव से बाहर ले जाकर उसे जलाया। इस दौरान ग्रामीणों ने पुराने सूप, डलिया और अन्य बांस के पारंपरिक बर्तनों को जोर-जोर से बजाते हुए ₹दरिद्रता निकलो, लक्ष्मी प्रवेश करो₹ के जयकारे लगाए। इस पारंपरिक अनुष्ठान से पूरा ग्रामीण इलाका गूंज उठा और लोगों ने अपने घरों में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि के आगमन की प्रार्थना की। इस परंपरा के पीछे गहरी पौराणिक और सांस्कृतिक मान्यता जुड़ी हुई है। सनातन संस्कृति के अनुसार, कार्तिक या मार्गशीर्ष मास के विशेष पर्वों और पर्व-संक्रांति के अवसरों पर आलस्य, दरिद्रता और नकारात्मकता की प्रतीक मानी जाने वाली 'अलक्ष्मी' को घर से बाहर खदेड़ने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

ऐसी मान्यता है कि जिन घरों में पुराने और अनुपयोगी सामान, कचरा या नकारात्मकता लंबे समय तक पड़ी रहती है, वहाँ दरिद्रता का वास होता है। अहले सुबह सूर्योदय से पहले पुराने सूप और डलिया बजाकर शोर करने के पीछे यह शास्त्रीय व लोक विश्वास है कि इससे घर की सारी नकारात्मक ऊर्जा, बीमारियाँ और दरिद्रता बाहर निकल जाती है। इसके पश्चात घर के मुख्य द्वार और आंगन को स्वच्छ कर माँ लक्ष्मी (अष्टलक्ष्मी) का आह्वान किया जाता है ताकि घर में धन-धान्य, वैभव और सकारात्मक ऊर्जा का स्थाई निवास हो सके। ग्रामीण इलाकों में आज भी बुजुर्गों के मार्गदर्शन में युवा पीढ़ी इस प्राचीन रीति-रिवाज को पूरी निष्ठा के साथ निभाती आ रही है, जिससे सामाजिक एकता और सांस्कृतिक धरोहर दोनों सुरक्षित रहती हैं।

मान सम्मान के साथ आंदोलनकारी समझौता नहीं करेंगे : सूरज जायसवाल

15 नवंबर को रांची में होगा अनिश्चितकालीन आमरण अनशन, उलगुलान एक क्रांति का आगाज

रफ्तार मीडिया संवाददाता



रामगढ़ : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय सचिव सूरज प्रसाद जायसवाल ने कहां की राज्य सरकार अपने आश्वासन पर अमल नहीं कर रही है और ना ही संकल्प का पालन कर रही है ऐसी स्थिति में राज्य की स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को रांची बिरसा चौक के पास उलगुलाम एक क्रांति के तहत अनिश्चितकालीन आमरण अनशन धरना प्रदर्शन का विशाल कार्यक्रम किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राज्य भर के हजारों हजार की संख्या में महिला - पुरुष झारखंड आंदोलनकारी परंपरागत अस्त्र शस्त्र के साथ पहुंचेंगे। श्री जायसवाल एक प्रेस बयान जारी करते हुए उक्त बातें कहीं उन्होंने कहा कि मेरे नेतृत्व में 40 झारखंड आंदोलनकारी सिर्फ आमरण अनशन पर बैठेंगे। पिछले बार 10 जून को वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने मुख्यमंत्री का हवाला देकर आंदोलनकारियों को छलने का काम किया था लेकिन इस बार आर पार की सीधी लड़ाई होगी। आंदोलनकारी न, झुकेंगे न रुकेंगे, अपने राजकीय मान सम्मान अलग पहचान बोल बच्चन के लिए रोजी रोजगार एवं नौकरी की सौ प्रतिशत गारंटी तथा जेल जाने की बाध्यता समाप्त करते हुए सभी को सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रु देने की मांगों को लेकर अंतिम सांस तक लड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार संवैधानिक मयार्दाओं एवं अलग राज्य के मूल्य को धरातल पर उतरने का काम करें। झारखंड अलग राज्य के लिए झारखंड आंदोलनकारी ने त्याग संघर्ष और बलिदान दिया है। हेमंत सरकार न्याय के साथ सम्मान दें और आंदोलनकारी को समझ में स्वाभिमान से जीने का अधिकार दें।

रामपुर में काली पूजा में पहुंचे तीन सांसद, मांगी सुख-समृद्धि

रामपुर में स्वतंत्रता सेनानी के आवास पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़





रफ्तार मीडिया संवाददाता

नामकुम : रामपुर बाजार स्थित स्वतंत्रता सेनानी अमर वानेश्वर राय के आवास पर काली पूजा धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आवास परिसर में मां काली की भव्य प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। पुरोहित गोस्वामी जी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई। पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा।सोमवार को आयोजित पूजा में मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. प्रदीप वर्मा, लोकसभा सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ तथा पूर्व सांसद रामटहल चौधरी शामिल हुए। तीनों नेताओं ने मां काली के चरणों में माथा टेककर आशीर्वाद लिया तथा खिजरी विधानसभा क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। नेताओं ने क्षेत्र के विकास और जनकल्याण की भी कामना की। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानी अमर वानेश्वर राय के आवास पर अतिथियों ने महाभोग ग्रहण किया। पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के बीच आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा के दौरान लोगों ने मां काली से परिवार, समाज और क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की। इस मौके पर रंजन राय, विक्रम राय, भाजपा जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर, कार्यसमिति सदस्य आरती सिंह, पूर्व विधायक रामकुमार पाहान, अमरनाथ चौधरी, रणधीर चौधरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा, प्रमोद सिंह, विक्रांत तिवारी, गोरखनाथ सिंह, राजीव रंजन सिंह, प्रज्ञा भारती, सरोज राय, शंकरी डे, उर्मिला देवी, प्रवास झा, राकेश सिंह, विकास सिंह, वीरेंद्र ओझा, मंटू राय, धीरज सिंह, रामाशंकर सिंह, मनोज सिंह, सूरत राय और ध्यानंद राय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कुजू में खड़े ट्रक में लगी भीषण आग

कुजू / मांडू : रामगढ़ जिला के माण्डू थाना क्षेत्र अंतर्गत कुजू ओपी क्षेत्र में चौधरी जी होटल के समीप खड़े एक ट्रक में मंगलवार तड़के अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे में ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि घटना के समय वाहन में कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम मुरपा (कुजू) निवासी राहुल पटेल का ट्रक (संख्या JH02 इर 9180) बीते 8 नवंबर की रात करीब 1:30 बजे चालक शंकर पटेल द्वारा होटल के पास खड़ा किया गया था। इसके बाद चालक दीपावली मनाने अपने घर मुरपा बस्ती चला गया था। मंगलवार (10 नवंबर) तड़के लगभग 3:00 बजे वाहन मालिक को फोन के जरिए ट्रक में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थानीय स्तर पर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। इसी दौरान आपातकालीन सेवा 112 पर घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पीसीआर और कुछ ही देर में अग्निशमन विभाग (फायर ब्रिगेड) की गाड़ी मौके पर पहुंची तथा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। हालांकि, जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक पूरा ट्रक, उसमें रखे मूल कागजात (आरसी, इंश्योरेंस आदि) और चालक का ड्राइविंग लाइसेंस जलकर राख हो चुके थे। वाहन स्वामी राहुल पटेल ने कुजू ओपी प्रभारी को लिखित आवेदन देकर घटना की सनहा दर्ज करने का अनुरोध किया है। आवेदन में वाहन मालिक ने स्पष्ट किया है कि यह घटना एक आकस्मिक दुर्घटना है और इसमें किसी व्यक्ति का कोई दोष नहीं है। पुलिस मामले में आगे की आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है।

नम आंखों से भक्तों ने दी मां श्यामा काली को विदाई, अगले वर्ष आने की कामना

मां काली के जयकारों से गूंजा पबिया, शांतिपूर्ण माहौल में हुआ प्रतिमा विसर्जन

रफ्तार मीडिया संवाददाता





जामताड़ा : नारायणपुर प्रखंड क्षेत्र के पबिया में सोमवार को मां श्यामा काली पूजा के समापन के बाद श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मां की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मां काली के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच भक्तों ने नम आंखों से मां को विदाई दी। विसर्जन को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। पूजा के समापन के बाद श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ मां काली की अंतिम पूजा-अर्चना की। इसके बाद आकर्षक ढंग से सुसज्जित वाहन पर मां की प्रतिमा को लेकर विसर्जन यात्रा निकाली गई। यात्रा में महिला, पुरुष और युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। जगह-जगह लोगों ने मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। विसर्जन यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भक्तों ने मां से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूजा आयोजन के दौरान कमेटी के सदस्यों और स्थानीय लोगों का सहयोग रहा।

वहीं विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई थी। पूरे आयोजन के दौरान कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। शांतिपूर्ण माहौल में मां श्यामा काली की प्रतिमा का विसर्जन संपन्न हुआ। इसके साथ ही क्षेत्र में कई दिनों से चल रहे मां काली पूजा के धार्मिक आयोजन का समापन हो गया। श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष फिर से मां के आगमन की कामना करते हुए भावुक मन से विदाई दी।

समाचार सार

छठ पूजा में अब कुछ ही दिन शेष, महागामा के बसवा पोखर में सफाई शुरू नहीं, ईसीएल प्रबंधन की उदासीनता से श्रद्धालु चिंतित



गोड्डा (रफ्तार मीडिया संवाददाता): लोक आस्था का महापर्व छठ 13 नवंबर से शुरू होने जा रहा है, लेकिन महागामा के प्रमुख छठ घाट बसवा पोखर में अब तक साफ-सफाई की कोई ठोस पहल नहीं की गई है। पर्व नजदीक आने के बावजूद घाट की बदहाल स्थिति श्रद्धालुओं की चिंता बढ़ा रही है।बताते चलें कि बसवा पोखर ईसीएल के अधीन आता है। हैरानी की बात यह है कि ईसीएल के महाप्रबंधक भी इसी पोखर पर छठ पूजा करते हैं, इसके बावजूद अब तक सफाई अभियान शुरू नहीं हुआ है।बसवा पोखर महागामा और ऊर्जा नगर के श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण छठ घाट है। यहां दोनों क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छठ व्रती भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचते हैं। ऐसे में घाट की साफ-सफाई के साथ सुरक्षा व्यवस्था भी बेहद जरूरी है।स्थानीय स्तर पर घाट की सफाई, बैरिकेडिंग, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और रोशनी जैसी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की मांग उठ रही है। श्रद्धालुओं को उम्मीद है कि ईसीएल प्रबंधन जल्द संज्ञान लेकर युद्धस्तर पर तैयारी शुरू करेगा, ताकि छठ पर्व के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

पांकी के पिपराटांड़ में 15 वर्षीय किशोर का पेड़ से लटका मिला शव, इलाके में सनसनी

मेदिनीनगर/ पांकी (रफ्तार मीडिया संवाददाता): पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपराटांड़ में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। सोमवार की रात लक्ष्मी पूजा का जागरण देखने घर से निकले 15 वर्षीय गोल्डेन कुमार का शव मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे गोंगो और सीरम गांव के बीच एक शीशम के पेड़ से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। किशोर की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। इस घटना से पूरे इलाके में शोक और चिंता का माहौल है।

गांडेय में आस्था के महापर्व छठ को लेकर घाटों की सफाई तेज, रोशनी के भी पुख्ता इंतजाम



गांडेय (रफ्तार मीडिया संवाददाता): लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर गांडेय प्रखंड क्षेत्र में तैयारियां जोरों पर हैं। प्रखंड के विभिन्न गांवों में स्थित नदी व प्रमुख तालाबों के छठ घाटों की साफ-सफाई का कार्य शुरू हो गया है। श्रद्धालु व पूजा समितियां घाटों को संवारने और अर्घ्य के लिए सुरक्षित बनाने में जुट गई हैं। प्रखंड के महुवासिंघा तालाब, मरगोडीह नदी, लोहारी तालाब, धरलेटो तथा दासडीह स्थित देवान आहर समेत कई नदी-तालाबों के घाटों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। घाटों के आसपास फैली गंदगी, झाड़ियों और जलकुंभी को हटाया जा रहा है। वहीं कुछ तालाबों में पर्व शुरू होने से दो दिन पूर्व व्यापक स्तर पर सफाई अभियान पूरा कर लिया जाएगा। लोहारी छठ घाट तक जाने वाले मुख्य संपर्क मार्ग और घाट परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोशनी (लाइटिंग) की विशेष व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए खंभे (खूंटा) गाड़ने और बिजली के तार व लाइट लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है, ताकि शाम और सुबह के अर्घ्य के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। स्थानीय ग्रामीण अर्जुन सिंह और मुकेश रजक ने बताया कि छठ महापर्व के दौरान इन सभी घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। व्रतियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए महापर्व के विधिवत शुभारंभ से पहले ही सभी घाटों की सफाई, पहुंच पथ की मरम्मत और रोशनी की व्यवस्था पूरी कर ली जाएगी, ताकि किसी को कोई परेशानी न हो।

जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम की तिथि में परिवर्तन, अब 23 नवंबर 2026 को घाघरा में होगा भव्य आयोजन



गुमला। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग , भारत सरकार के तत्वावधान में झारखंड के गुमला जिला अंतर्गत घाघरा प्रखंड में आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम की तिथि में परिवर्तन किया गया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अब 18 नवंबर 2026 के स्थान पर 23 नवंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। आयोग की माननीय सदस्य डॉ. आशा लकड़ा जी के निदेर्शानुसार यह निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि जनजातीय समाज की बेटी स्वर्गीय निशा उरांव के निधन के विरोध में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 18 नवंबर 2026 को गुमला जिला सहित संपूर्ण छोटानागपुर प्रमंडल में बंद का आह्वान किया गया है। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम की तिथि में बदलाव किया गया है। आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि कार्यक्रम की केवल तिथि में परिवर्तन किया गया है। कार्यक्रम का स्थान, स्वरूप एवं अन्य सभी पूर्व निर्धारित व्यवस्थाएं यथावत रहेंगी। **कार्यक्रम का संशोधित विवरण निम्नवत है:-** कार्यक्रमः जनजातीय गौरव दिवस, दिनांकः 23 नवंबर 2026 (सोमवार), स्थानः एस.एस. प्लस-2 उच्च विद्यालय मैदान, घाघरा, जिलाः गुमला, झारखंड, आयोजकः राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST), भारत सरकार। अतः संबंधित सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, जनजातीय सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से अनुरोध है कि कार्यक्रम की परिवर्तित तिथि को संज्ञान में लें। कार्यक्रम की अन्य सभी तैयारियां एवं व्यवस्थाएं पूर्व निर्धारित रूप से जारी रहेंगी।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।